MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SOU
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 18 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-75

काम वाली बाई को टिकट

भाजपा ने बनाया उम्मीदवार, वोटर लिस्ट में नाम विचाराधीन

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)।

बीजेपी ने बंगाल चुनाव के लिए 144 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। बीजेपी ने एक बार फिर पूर्वी बर्दवान के औशग्राम विधानसभा क्षेत्र की जनता को चौंका दिया है। पिछली बार की तरह बीजेपी ने इस बार भी घरेलू कामगार कलिता माझी को उम्मीदवार बनाया है। सोमवार को भाजपा उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होते ही पता चला कि कलिता का नाम भी औशग्राम निर्वाचन क्षेत्र से है। हालांकि इस उम्मीदवारी को लेकर कानूनी और राजनीतिक समस्या भी खड़ी हो गई है।

वोटर लिस्ट में कलिता का नाम विचाराधीन

कलिता माझी औशग्राम के गुस्करा नगरपालिका के वार्ड नंबर 3 की निवासी हैं। आयोग के सूत्रों के अनुसार कलिता का नाम बूथ नंबर 195 की मतदाता सूची में क्रमांक 397 के तहत दर्ज है, लेकिन इसे विचाराधीन के रूप में चिह्नित किया गया है। इसका अर्थ यह है कि चुनाव आयोग ने अभी तक उनकी मतदाता पहचान की वैधता पर अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

जैसे ही यह खबर सामने आई, राजनीतिक हलकों में सवाल उठने लगे कि क्या सूची में जिसका नाम विचाराधीन है, वह अभी भी उम्मीदवार हो सकता है? या क्या वह अपना वोट डाल सकता है?

कलिता माझी ने विवाद पर अपना रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा, एसआईआर प्रक्रिया में कुछ खामियों के कारण मुझे सुनवाई के लिए बुलाया गया था। मैंने सभी दस्तावेज जमा कर दिए

हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मेरी छह अन्य बहनों के नाम सूची में होने के बावजूद सिर्फ मेरा नाम ही क्यों विचाराधीन रखा गया है। हालांकि आयोग के अधिकारियों ने कहा है कि इसमें कोई समस्या नहीं होगी। पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताया है, मुझे अपनी जीत का पूरा विश्वास है।

सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस कलिता की उम्मीदवारी को लेकर काफी आक्रामक रुख अपना रही है। जिला तृणमूल महासचिव बागबुल इस्लाम ने कहा, हम जो आरोप लगा रहे थे, वह आज साबित हो गया है। भाजपा ने उस उम्मीदवार को मैदान में उतारा है जिसका नाम सूची में विचाराधीन है। इससे पता चलता है कि भाजपा का आयोग के साथ गठजोड़ है।

वहीं जवाब में भाजपा नेता मृत्युंजय चंद्र ने कहा, मुझे पूरा मामला नहीं पता, लेकिन यह स्पष्ट है कि तृणमूल के आरोप निराधार हैं। आयोग किसी जाति या धर्म के आधार पर काम नहीं करता, वे अपने नियमों का पालन कर रहे हैं। यह स्पष्ट है कि किसी का नाम सूची में है या नहीं, यह महज़ एक यांत्रिक प्रक्रिया है।

औशग्राम विधानसभा क्षेत्र बोलपुर लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। कलिता माझी ने 2021 का चुनाव लड़ा था और तृणमूल कांग्रेस के आबेदानंद थंडर से हार गई थीं। उस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को 100,392 वोट मिले थे, जबकि कलिता को 88,577 वोट मिले थे। हार का अंतर कम होने के कारण भाजपा ने फिर कलिता पर दांव लगाया है। अब देखना यह है कि कलिता का नाम मतदाता सूची में अंतिम रूप से शामिल हो पाएगा या नहीं।

नाटो के नो से नाराज ट्रंप, बोले

अकेले काफी ग़ैर ज़रूरी नहीं

वॉशिंगटन, 17 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों की आलोचना करते हुए कहा है कि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य मार्ग को सुरक्षित करने के लिए उन्होंने जिस गठबंधन का प्रस्ताव रखा है, उसके प्रति सहयोगियों में उत्साह की कमी है। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य से ही दुनिया के ऊर्जा संसाधनों के पाँचवें हिस्से की जहाज़ों से जरिये आपूर्ति की जाती है।

श्री ट्रंप ने सोमवार देर रात ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ईरान के साथ संघर्ष जल्द ही खत्म हो सकता है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि इस हफ़्ते किसी समाधान की संभावना कम है। उन्होंने इस सैन्य अभियान का बचाव करते हुए कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए यह ज़रूरी था। ट्रंप ने कहा, यह अभियान जल्द ही खत्म हो जाएगा। हमारी दुनिया कहीं ज़्यादा सुरक्षित होगी।

गौरतलब है कि ईरान ने 28 फ़रवरी को अमेरिका और इज़रायल द्वारा किए गए हमलों के जवाब में इस क्षेत्र से होकर गुजरने वाले जहाज़ों को निशाना बनाने की धमकी दी थी जिसके बाद फ़ारस की खाड़ी सहीं होने वाली जहाज़ों की आवाजाही काफ़ी हद तक कम हो गई है। ट्रंप ने ब्रिटेन की प्रतिक्रिया पर असंतोष ज़ाहिर करते हुए कहा ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर द्वारा इस संघर्ष में नाटो को शामिल करने में दिखाई गई हिचकिचाहट से मैं खुश नहीं हैं और बहुत हैरान हूँ। मैं ब्रिटेन के रवैये से खुश नहीं था। मुझे लगता है कि शायद वे इसमें शामिल होंगे, लेकिन उन्हें पूरे उत्साह के साथ शामिल होना चाहिए।

कई सहयोगियों ने पहले ही हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में गश्त करने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आह्वान पर अपनी नाराज़गी ज़ाहिर कर दी है। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ उन नेताओं में शामिल थे जिन्होंने सोमवार देर रात संकेत दिया कि उनका देश फ़ारस की खाड़ी में स्थित इस महत्वपूर्ण जलमार्ग पर गश्त करने में शामिल नहीं हो सकता है।

बर्लिन में जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने कहा, हमारे पास संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ या नाटो से ज़रूरी जनादेश नहीं है, जो हमारे मूल कानून के तहत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध शुरू करने से पहले अमेरिका और इज़रायल ने जर्मनी से कोई सलाह-मशविरा नहीं किया था। इससे पहले,ब्रिटेने के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा था कि ब्रिटेन हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य को साफ़ करने के लिए बारूदी सुरंगों का ▶10पर

ट्रम्प प्रशासन को झटका

एनसीटीसी प्रमुख ने ईरान मसले पर दिया इस्तीफा

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की महत्वपूर्ण संस्था नेशनल काउंटरटेररिज्म सेंटर (एनसीटीसी) के प्रमुख जोसेफ केंट ने ईरान पर हमले के विरोध में मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। ईरान के साथ चल रहे युद्ध के विरोध में इस्तीफा देने वाले वे ट्रंप प्रशासन के सबसे वरिष्ठ अधिकारी बन गए हैं।

केंट ने सोशल मीडिया पर अपना त्याग पत्र साझा किया, जिसमें उन्होंने युद्ध के औचित्य पर गंभीर सवाल उठाए। श्री केंट ने कहा कि अमेरिका पर ईरान की ओर से ऐसा कोई आसन्न खतरा नहीं था जिसके लिए युद्ध शुरू किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह युद्ध इज़रायल और उसके शक्तिशाली लॉबी समूह के दबाव में शुरू किया गया है।

केंट ने लिखा, मैं अपनी अंतरात्मा की आवाज पर ईरान में चल रहे इस युद्ध का समर्थन नहीं कर सकता।

केंट का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब 28 फरवरी 2026 को शुरू हुआ ऑपरेशन एपिक फ्यूरी तीसरे हफ्ते में प्रवेश कर चुका है।

देश विरोधी बेनक़ाब

1 अमेरिकी समेत 7 विदेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)।

पटियाला हाउस स्थित विशेष एनआइए अदालत ने म्यांमार में सक्रिय उग्रवादी समूहों से संपर्क, हथियार सप्लाई और ड्रोन आपरेशन में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार सात विदेशी नागरिकों को 11 दिन की एनआइए हिरासत में भेज दिया है। इनमें छह यूक्रेन के नागरिक और एक अमेरिकी नागरिक शामिल हैं।

यह आदेश अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने पारित किया। एनआइए ने 15 दिन की कस्टडी मांगी थी, लेकिन अदालत ने 27 मार्च तक 11 दिन की हिरासत मंजूर की।

अदालत ने कहा कि प्राथमिकी में लगाए गए आरोप बेहद गंभीर हैं और ये सीधे तौर पर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों को प्रभावित करते हैं। कोर्ट ने माना कि मामला सामान्य नहीं है और प्रथम दृष्टया यूएपीए की धारा 18 लागू होती है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि जांच अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन अब तक पर्याप्त प्रगति हुई है। केस डायरी के आधार पर अदालत ने माना कि आगे की कस्टोडियल पूछताछ जरूरी है।

अदालत के अनुसार, आरोपितों से पूछताछ कर बड़ी साजिश, फंडिंग नेटवर्क, अन्य सहयोगियों की पहचान और डिजिटल साक्ष्यों जैसे मोबाइल फोन व इंटरनेट मीडिया का विश्लेषण किया जाना जरूरी है।कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि एफआइआर दर्ज करने या जांच प्रक्रिया पर संदेह करने का कोई आधार नहीं है और प्रारंभिक पूछताछ में सीमा पार साजिश के संकेत मिले हैं।

एनआइए की ओर से विशेष लोक अभियोजक अतुल त्यागी ने दलील दी कि अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की तह तक जाने के लिए हिरासत जरूरी है। वहीं, बचाव पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रमोद कुमार दुबे और अधिवक्ता अंकुर सहगल ने इसका विरोध किया, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया

यूक्रेन ने दर्ज कराया विरोध, रिहाई की उठाई मांग

भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रचने के आरोप में एनआईए द्वारा छह नागरिकों की गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद यूक्रेन ने विदेश मंत्रालय (एमईए) के समक्ष आधिकारिक विरोध दर्ज कराया है। जिसमें यूक्रेन ने अपने नागरिकों की तत्काल रिहाई और उनसे मिलने की अनुमति की मांग की है।

वहीं, इस मामले में एक अमेरिकी नागरिक भी गिरफ्तार हुआ है, लेकिन अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने इस पर ज्यादा कुछ कहने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि वे मामले से वाकिफ हैं, लेकिन निजता के कारण कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

एनआईए ने आरोप लगाया है कि यह समूह आतंकी हमलों की साजिश रच रहा था और उनकी गतिविधियों से सीमा पार से आने वाले खतरों को लेकर चिंता बढ़ गई थी।

इस संबंध में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए यूक्रेन के विदेश मंत्रालय की प्रेस सेवा ने सोमवार को कहा, 13 मार्च 2026 को, यूक्रेन के छह नागरिकों को भारत गणराज्य में हिरासत में लिया गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उन पर मिजोरम राज्य में अनाधिकृत रूप से प्रवेश करने का आरोप है, जिसके लिए विशेष परमिट की आवश्यकता होती है, साथ ही भारत और म्यांमार के बीच राज्य सीमा को कथित तौर पर अवैध रूप से पार करने का भी आरोप है।

वर्तमान में, भारत के सक्षम अधिकारी संबंधित जांच कार्रवाई कर रहे हैं।यूक्रेनी बयान में कहा गया है कि अभी तक, ऐसे कोई पुख्ता तथ्य नहीं हैं जो भारत या म्यांमार के क्षेत्र में गैरकानूनी गतिविधियों में उक्त यूक्रेनी नागरिकों की संलिप्तता को साबित करते हों। उन्होंने आरोपों को बेबुनियाद बताया।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 20°

8 सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से समाप्त

लोकसभा में सीज़फ़ायर

नयी दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)।

लोकसभा ने आठ सदस्यों का निलंबन वापस लेने के प्रस्ताव को मंगलवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया, जिससे उनका निलंबन तत्काल प्रभाव से समाप्त हो गया।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ध्यानाकर्षण सूचना 374 के खंड दो के तहत वह आठ सदस्यों के निलंबन को वापस लेने का प्रस्ताव रखते हैं। उन्होंने कहा कि निलंबित सदस्यों का निलंबन वापस लिया जाये। इसके बाद प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से पारित कर दिया।

इस पर अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित हो गया है, अत: आठ सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाता है। इससे पहले कांग्रेस के के. सुरेश ने कहा कि कांग्रेस के सात और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक सदस्य का निलंबन दुखद है। कल श्री बिरला की अध्यक्षता में हुई बैठक मे इस पर व्यापक चर्चा की गयी। सत्ता और विपक्ष के नेताओं ने अपना-अपना पक्ष रखा। बैठक में सभी सदस्यों का मत था कि सदस्य सदन में ऐसा व्यवहार करें, जिससे एक आदर्श प्रस्तुत हो। कोई भी सदस्य मर्यादा न लांघे। समाजवादी पार्टी के धर्मेन्द्र यादव ने कहा,हम लोग मर्यादा का उल्लंघन नहीं करेंगे, सत्ता पक्ष भी इसी भावना का परिचय दे। तभी सदन सुचारु रूप से चल पायेगा।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सुप्रिया सुले ने कहा कि नीतियों पर टीका-टिप्पणी की जानी चाहिए, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर किसी के लिए कोई टिप्पणी नहीं की जाये। ▶10पर

24 घंटे में पीएनजी कनेक्शन

पाइपलाइन बिछाने के लिए तमाम मंजूरियों की जरूरत नहीं

नयी दिल्ली , 17 मार्च (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर सरकार ने पाइप के माध्यम से रसोई गैस का पीए-नजी कनेक्शन लेने वालों के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू करने के साथ- साथ नये आवेदनों को 24 घंटे में मंजूरी देने का निर्णय लिया है। उपभोक्ताओं को रसोई गैस सिलेंडर आसानी से उपलब्ध कराने के लिए सरकार जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ व्यापक अभियान चला रही है । इसके तहत पिछले कुछ दिनों में देश भर में लगभग 12,000 छापे मारे गए हैं और लगभग 15,000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा घरेलू एलपीजी का उत्पादन भी 38 प्रतिशत बढ गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पश्चिम एशिया के

संकट से उत्पन्न स्थिति की जानकारी देने के लिए बुलाये गये संवाददाता सम्मेलन में मंगलवार को बताया कि केन्द्र सरकार वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं को पीएनजी में स्थानांतरित करने की कोशिश कर रही है। केन्द्र ने राज्य सरकारों को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि पीए-नजी की नयी पाइपलाइन बिछाने के लिए सभी अनुमतियां स्वीकृति मानी जाएं और स्थानीय प्राधिकरण द्वारा लगाए जाने वाले सड़क पुनर्स्थापन और अनुमति शुल्क को माफ किया जाना चाहिए। ▶10पर

होर्मुज से निर्बाध परिवहन पर बनी सहमति

नई दिल्ली , 17 मार्च (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल-नहयान से फोन पर बात की और पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने यूएई पर हमलों की एक बार फिर निंदा की। इन हमलों में आम लोगों की जान गई और नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा।

दोनों नेताओं ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और स्वतंत्र नौवहन सुनिश्चित करने के महत्व पर सहमति जताई और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता बहाल करने के लिए साथ काम जारी रखने की बात कही। ▶10पर

ट्रंप ने चेताया कहा- ईरान के पास परमाणु हथियार आ गए तो खत्म हो जाएगा मध्य एशिया

वाशिंगटन, 17 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हाल ही में किए गए हमलों को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए अपनी सफाई पेश की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सैन्य अभियान न केवल अमेरिका के हित में था, बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी अत्यंत आवश्यक हो गया था।

ट्रंप ने दावा किया कि इस हमले के बाद अब ईरान परमाणु हथियारों के निर्माण के बारे में सोच भी नहीं पाएगा, क्योंकि उसकी सैन्य शक्ति पूरी तरह से कमजोर हो चुकी है। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि ईरान को परमाणु संपन्न बनने से रोकना पूरी दुनिया की शांति सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य कदम था।

अपने संबोधन में ट्रंप ने कहा कि हालांकि उन्हें युद्ध करना पसंद नहीं है, लेकिन ईरान की वर्तमान सरकार ने अक्षम्य अपराध किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरानी शासन ने कुछ ही हफ्तों के भीतर 32,000 प्रदर्शनकारियों को मौत के घाट उतार दिया। परमाणु खतरे पर चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि ईरान के पास परमाणु हथियार होते, तो वह महज एक घंटे या एक दिन के भीतर उनका इस्तेमाल कर पूरे मध्य एशिया को तबाह कर सकता था।

ट्रंप के अनुसार, अमेरिकी अभियान ने ईरानी सेना की कमर तोड़ दी है और यह कदम वैश्विक शांति बनाए रखने के व्यापक उद्देश्य से प्रेरित था। अमेरिकी प्रशासन ने इस कार्रवाई को पूरे विश्व के नजरिए से सही ठहराया है। जब व्हाइट हाउस की शीर्ष प्रवक्ता से अन्य देशों के परामर्श और उनके सैनिकों के जोखिम को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने तर्क दिया कि ईरानी शासन को निशस्त्र करने के ट्रंप के प्रयासों से पूरी दुनिया को सीधा लाभ हो रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पश्चिमी जगत वर्षों से इस बात पर सहमत रहा है कि ईरान एक बड़ा खतरा है।

उन्होंने राष्ट्रपति के उस आह्वान का समर्थन किया जिसमें उन्होंने अन्य देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रखने और ऊर्जा के प्रवाह को सुचारू बनाने में मदद करने की अपील की है। इस सैन्य कार्रवाई और उसके बाद के घटनाक्रमों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल पैदा कर दी है। ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन जैसे देश, जो होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से प्रभावित हो सकते हैं, अपने युद्धपोत इस क्षेत्र में भेजेंगे।

एक साक्षात्कार में ट्रंप ने नाटो को भी चेतावनी दी कि यदि इस मामले में सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो यह गठबंधन के भविष्य के लिए घातक होगा। फिलहाल, यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री इस मांग पर चर्चा कर रहे हैं। जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने स्पष्टता की मांग करते हुए कहा है कि अमेरिका और इजराइल को यह बताना चाहिए कि वे अपने सैन्य उद्देश्यों की प्राप्ति कब तक देखते हैं।

न्यूज ब्रीफ

खाने में सुरक्षित और प्राकृतिक स्वाद के करीब.....ये स्मार्ट फल

वाशिंगटन। कल्पना करें कि आप ब्लैकबेरी खा रहे हैं और दांतों के बीच एक भी सख्त बीज नहीं आ रहा, या आप चेरी का लुत्फ उठा रहे हैं और गुठली थूकने की जरूरत नहीं है। यह कल्पना हकीकत बनने जा रही है। अमेरिका की बायोटेक कंपनी ने जीन-एडिटिंग और एआई की मदद से फलों का हुलिया और स्वाद बदलने की तैयारी कर ली है। बायोटेक कंपनी ऐसी ब्लैकबेरी विकसित कर रही है जिसमें बीज तकनीकी रूप से तब मौजूद होगा, लेकिन वे इतने छोटे और मुलायम हो सकते हैं कि खाते वक्त महसूस ही नहीं हो। ठीक वैसे ही जैसे हम बिना बीज वाले अंगूर खाते हैं। कंपनी अब स्टोनलेस चेरी यानी बिना गुठली वाली चेरी भी बना रही है। वैज्ञानिक कहते हैं, एक बार बिना बीज वाला फल चख लेते हैं, तब पुराने बीज वाले फल खटकने लगते हैं। इस बदलाव के पीछे सबसे बड़ी ताकत क्रिस्पर तकनीक है। यह एक तरह की जीन-एडिटिंग मशीन है जो किसी फल के अपने ही डीएनए में से उस हिस्से को हटा देती है जो बीज या कड़वाहट पैदा करता है। यह पुरानी जेनेटिक माडिफाइड तकनीक से अलग है। इसमें किसी बाहरी जीव का डीएनए नहीं डाला जाता, इसलिए ये फल खाने में पूरी तरह सुरक्षित और प्राकृतिक स्वाद के करीब होते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में वैज्ञानिकों का सबसे बड़ा मददगार एआई है। मशीन लर्निंग के जरिए वैज्ञानिक यह पहले ही जान लेते हैं कि अलग-अलग जीन मिलकर फल के स्वाद, खुशबू और सेहत पर क्या असर डाल सकते है। कैलिफोर्निया की कंपनी इस तकनीक का इस्तेमाल इसतरह के एवोकाडो बनाने में कर रही है, जो कटने के बाद काले नहीं पड़ने वाले है। वहीं, चीन के वैज्ञानिकों ने टमाटर के जीन में बदलाव कर उस 30 प्रतिशत ज्यादा मीठा बनाने में सफलता हासिल की है।

जो नहीं कर सके कार्टर और रीगन वह ट्रंप ने कर दिखाया, यूएस के बने पहले राष्ट्रपति

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि सेंट्रल कमांड ने ईरान के सबसे बड़े तेल टर्मिनल खर्ग आईलैंड पर भीषण हमला किया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, यूएस सेंट्रल कमांड ने मध्य पूर्व के इतिहास में सबसे शक्तिशाली बमबारी में ईरान के ताज का गहना कहे जाने वाले खर्ग द्वीप पर मौजूद हर लक्ष्य को तबाह कर दिया। इसके साथ ही ट्रंप ईरान के खर्ग द्वीप पर हमले का आदेश देने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए हैं। यहां तक कि 1979 के बंधक संकट के दौरान भी इस द्वीप पर हमला नहीं किया गया था। 1979 में इस्लामिक क्रांति के दौरान तेहरान स्थित अमेरिकी दूतावास के कर्मियों को बंधक बना लिया गया था। दो साल तक चले बंधक संकट के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर ने ईरान पर कड़े प्रतिबंध लगाए, लेकिन इस द्वीप पर हमले करने से बचते रहे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद 1980 के दशक में ईरान और इराक के बीच युद्ध शुरू हो गया। इस दौरान कार्टर के उत्तराधिकारी रोनाल्ड रीगन ने अमेरिकी सेना को क्षेत्र उतारा, जिसने ईरानी जहाजों और मिसाइल बैटरियों को निशाना बनाया, लेकिन रीगन ने भी अपने पूर्ववर्ती की तरह ही खर्ग पर हमला नहीं किया।

युद्ध की विभीषिकाः दाने-दाने को मोहताज लोग, जीवन बचाने के लिए सीमा पार पलायन

तेहरान। वर्तमान में ईरान भीषण युद्ध की आग में झुलस रहा है। अमेरिकी और इजरायली हमलों ने न केवल देश के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है, बल्कि आम नागरिकों के जीवन को भी नर्क बना दिया है। युद्ध के कारण पैदा हुई बदहाली और आसमान छूती महंगाई ने ईरानी लोगों को अपना घर छोड़कर पड़ोसी देश इराक की ओर भागने पर मजबूर कर दिया है। हाजी उमरान बार्डर क्रासिंग जैसे ही खुली, वहां इंसानियत की बेबसी की तस्वीरें साफ दिखाई देने लगीं। युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार जब सीमा खुली, तो दर्जनों ईरानी परिवार उत्तरी इराक के कुर्द क्षेत्र में दाखिल हुए। उनके झोलों में सामान कम और जिंदा रहने की उम्मीदें ज्यादा थीं। युद्ध ने ईरान की अर्थव्यवस्था को इस कदर चोट पहुंचाई है कि लोग अब सिर्फ बुनियादी जरूरतों जैसे चावल, तेल और सिम कार्ड के लिए मीलों का सफर तय कर रहे हैं। इजरायली हवाई हमलों और अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान में महंगाई बेकाबू हो चुकी है, जिससे आम आदमी की पहुंच से राशन बाहर हो गया है।

काबुल पर पाक के हवाई हमले में कम-से-कम 100 लोगों के मारे जाने का दावा, तालिबान ने कहा-बातचीत खत्म, बदला लेंगे

वाशिंगटन, 17 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच चल रहे टकराव ने सोमवार रात भीषण रूप ले लिया। पाकिस्तान ने काबुल के एक अस्पताल पर हमला किया जिसमें कम-से-कम 100 लोगों के मारे जाने और बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि पाकिस्तान का दावा है कि उसने सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। ताजा हमले के बाद अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने साफ कर दिया है कि अब बातचीत और कूटनीति का समय खत्म हो चुका है और अफगानिस्तान इसका बदला लेगा।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान के बीच एक महीने से चल रहे टकराव के बीच स्थितियां तेजी से बिगड़ रही हैं। पाकिस्तान की तरफ से देर रात अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र को निशाना बनाया गया है। हमले में अस्पताल को काफी नुकसान हुआ है। इमारत का ज्यादातर हिस्सा आग लगने के कारण तबाह हो चुका है। बताया जा रहा है कि हमले के समय इस केंद्र पर दो हजार से अधिक लोग मौजूद थे जिसमें कम-से-कम सौ लोगों की जान चली गई। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं जिनमें कई लोगों को नाजुक हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसे देखते हुए मरने वालों की संख्या बढ़ने का अंदेशा है। पाकिस्तान की तरफ से नशा मुक्ति केंद्र के अलावा काबुल के कुछ अन्य ठिकानों पर हमले किए गए हैं अफगानिस्तान के मीडिया समूह टोलो न्यूज के मुताबिक, अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात (आईईए) प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने कबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अफगानिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। उन उ्होने कहा कि इन हमलों के बाद इस्लामाबाद के साथ कूटनीति और बातचीत का समय समाप्त हो गया है, अब बातचीत का रास्ता अपनाने के बजाय हम भी बदला लेने का इरादा रखते हैं। एरिना न्यूज के मुताबिक मुजाहिद ने एक बयान में कहा कि जिस अस्पताल में नशा मुक्ति के लिए मरीजों का इलाज चल रहा था, उस पर हमला किया गया, जिसके परिणामस्वरूप चिकित्सा देखभाल प्राप्त कर रहे कई लोगों की जान चली गई।

मुजाहिद ने कहा, पाकिस्तान के सैन्य शासन ने एक बार फिर हमारे देश के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है और काबुल में एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया है, जिससे इलाज करा रहे कई मरीज शहीद और घायल हो गए हैं। हम इस अपराध की कड़ी निंदा करते हैं और इसे सभी मानवीय और नैतिक मानकों के विरुद्ध मानते हैं। अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर राशिद खान और मोहम्मद नबी ने काबुल में किए गए हमलों में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। राशिद खान ने इससे जुड़ी तस्वीर साझा कर सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में लिखा, काबुल में पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक के कारण नागरिकों की मौत की खबरें बेहद दुखद हैं। घरों, शैक्षणिक संस्थानों या चिकित्सा ढांचे को निशाना बनाना चाहे जानबूझकर हो या गलती से युद्ध अपराध है। मानव जीवन के प्रति इस तरह की अनदेखी, खासकर रमज़ान के पवित्र महीने में, बेहद चिंताजनक है और इससे समाज में नफरत और विभाजन बढ़ेगा। वहीं, मोहम्मद नबी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि काबुल में बीती रात एक अस्पताल पर हुए बम हमले ने उम्मीद को बुझा दिया और अस्पताल में इलाज कराने आए युवा इस हमले में मारे गए। नबी ने लिखा कि अस्पताल के बाहर माताएं अपने बेटों का नाम पुकारती हुई उनका इंतजार कर रही थीं और रमज़ान की 28वीं रात को उनकी ज़िंदगियां खत्म हो गईं। उन्होंने इस घटना को बेहद दर्दनाक बताया। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच 21 फरवरी को एक हमले के बाद तनाव बढ़ा था। इसके जवाब में दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए जिसमें दोनों तरफ से लोगों की जान गई है।

समुद्री जीव बारनाक्ले को कैल्शियम कार्बोनेट का कवच रखता है सुरक्षित

लंदन, 17 मार्च (एजेंसियां)।

हाल ही में एक समुद्री जीव चर्चा में आया है, जो चट्टानों से मजबूती से चिपककर जीवन बिताता है। इस जीव की खासियत यह है कि यह अपने चारों ओर कैल्शियम कार्बोनेट का कठोर कवच बनाकर समुद्र की तेज लहरों के बीच भी सुरक्षित रहता है। यह जीव बारनाक्ले के रूप में जाना जाता है और आथ्रीपोडा समुदाय से संबंधित माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जीव समुद्र में मौजूद चट्टानों या अन्य कठोर सतहों से स्थायी रूप से चिपक जाता है। समय के साथ यह अपने शरीर के चारों ओर कैल्शियम कार्बोनेट का एक मजबूत खोल तैयार कर लेता है, जो उसका स्थायी घर बन जाता है। यह कवच उसे बाहरी खतरों और समुद्री लहरों के दबाव से बचाता है। कई बार जब समुद्र की तेज लहरें चट्टानों से टकराती हैं तो यह खोल टूटकर किनारे तक आ जाते हैं। समुद्र तट पर घूमने आने वाले लोग इन खोलों को देखकर आकर्षित हो जाते हैं और कई बार इन्हें यादगार या सजावटी वस्तु के रूप में अपने साथ ले जाते हैं।

जंतु विज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार समुद्र तटों पर मिलने वाले इन कैल्शियम के खोलों का उपयोग कई लोग घर की सजावट के लिए भी करते हैं। इन खोलों की सतह पर अक्सर समुद्री काई या एल्गी जमी होती है, जिससे इनकी बनावट और भी दिलचस्प और आकर्षक दिखाई देती है। यही वजह है कि समुद्र तटों पर आने वाले पर्यटक इन्हें स्मृति चिह्न के रूप में अपने साथ ले जाना पसंद करते हैं। उन्होंने बताया कि जंतु विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए भी यह जीव अध्ययन का एक महत्वपूर्ण विषय है। यह जीव अपनी सुरक्षा के लिए खुद ही कठोर कवच तैयार करता है, जो वैज्ञानिक दृष्टि से काफी रोचक प्रक्रिया मानी जाती है। अपने आसपास कैल्शियम जमा कर यह धीरे-धीरे एक मजबूत संरचना बना लेता है, जो प्राकृतिक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है और उसे समुद्री वातावरण में जीवित रहने में मदद देती है। भोजन के मामले में यह जीव समुद्र में पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवों और छोटे-छोटे कीड़े-मकोड़ों पर निर्भर रहता है। समुद्र की लहरों के साथ बहकर आने वाले इन सूक्ष्म जीवों को पकड़कर यह अपना भोजन प्राप्त करता है। इस तरह यह समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

पाकिस्तान में गहराया ऊर्जा संकट, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी उछाल

इस्लामाबाद। मध्य पूर्व में जारी युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में मची उथल-पुथल का सबसे बड़ा खामियाजा पाकिस्तान को भुगतना पड़ रहा है। कतर से होने वाली लिक्विफाइड नेचुरल गैस की आपूर्ति पूरी तरह ठप होने से पाकिस्तान में 14 अप्रैल के बाद गैस की उपलब्धता समाप्त होने का खतरा पैदा हो गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों ने सीनेट की पेट्रोलियम कमिटी को सूचित किया है कि कतर से होने वाला आयात 2 मार्च से निलंबित है। गौरतलब है कि अमेरिका के बाद कतर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलएनजी निर्यातक है। मार्च के लिए निर्धारित आठ कार्गो में से केवल दो ही पाकिस्तान पहुंच सके हैं, जबकि अप्रैल में आने वाले छह कार्गो के पहुंचने की भी कोई संभावना नहीं है। युद्ध की वजह से प्रमुख समुद्री जलमार्गों पर जहाजों की आवाजाही रुकने से दुनिया भर की लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें 2022 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। गैस की इस भारी किल्लत को दूर करने के लिए पाकिस्तान अब अजरबैजान से स्पाट मार्केट के जरिए गैस खरीदने पर विचार कर रहा है, लेकिन यह सौदा देश की अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ डालेगा। कतर के साथ अनुबंध के तहत जो गैस 9 डालर प्रति यूनिट मिलती थी, वह अब खुले बाजार में 24 डालर प्रति यूनिट पड़ेगी।

ईरान की एविन जेल पर इजराइली हमला युद्ध अपराध: संयुक्त राष्ट्र जांच प्रमुख

जिनेवा, 17 मार्च (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र की एक स्वतंत्र जांच टीम ने कहा है कि 2025 में ईरान की कुख्यात एविन जेल पर किया गया इजराइल का हवाई हमला युद्ध अपराध की श्रेणी में आ सकता है। जांच प्रमुख ने साथ ही चेतावनी दी कि हालिया अमेरिका-इजराइल हमलों के बाद ईरान में आंतरिक दमन और बढ़ सकता है।

सारा हुसैन ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि इजराइल ने 2025 में एविन जेल पर हमला कर एक नागरिक संरचना को निशाना बनाया, जो युद्ध अपराध माना जा सकता है।

ईरानी अधिकारियों के अनुसार जून 2025 में तेहरान स्थित एविन जेल पर हुए इस हवाई हमले में 70 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। जांच रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों की संख्या करीब 80 थी, जिनमें एक बच्चा और आठ महिलाएं भी शामिल थीं। यह निष्कर्ष पीड़ितों और प्रत्यक्षदर्शियों के साक्षात्कार, सैटेलाइट तस्वीरों और अन्य दस्तावेजों के आधार पर निकाला गया है।

एविन जेल को लंबे समय से राजनीतिक बंदियों को रखने के लिए जाना जाता है। हालिया अमेरिका-इजराइल हमलों के दौरान भी इस जेल को नुकसान पहुंचने की खबरें

सामने आई हैं, जिससे वहां बंद कैदियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बताया गया है कि जेल में एक ब्रिटिश दंपती समेत कई विदेशी नागरिक भी बंद हैं।

संयुक्त राष्ट्र की एक अन्य मानवाधिकार विशेषज्ञ माई सातो ने भी कैदियों की स्थिति को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जनवरी में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद गिरफ्तार किए गए कई लोगों के परिवार अपने रिश्तेदारों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं और जेलों में भोजन व दवाओं की कमी की खबरें मिल रही हैं।

उधर संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अली बहरीन ने अमेरिका-इजराइल हमलों की निंदा करने की मांग की। उनका कहना है कि इन हमलों में अब तक ईरान में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

इस बीच इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से दूरी बना ली है और जांच से जुड़े सवालों पर उसकी ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में जारी सैन्य कार्रवाई के कारण नागरिकों की सुरक्षा और मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर गंभीर चिंताएं बनी हुई हैं।

अमीर और गरीब देशों के बीच की दूरी को और बढ़ा सकता है एआई

लंदन, 17 मार्च (एजेंसियां)।

यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी) की एक नई रिपोर्ट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का तेजी से बढ़ता प्रभाव भविष्य में दुनिया में अमीर और गरीब देशों के बीच की दूरी को और बढ़ा सकता है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार एआई तकनीक से मिलने वाले फायदे मुख्य रूप से विकसित और संपन्न देशों तक सीमित रह सकते हैं, जबकि दुनिया के कई हिस्सों में रहने वाले लोग इससे पीछे छूटने का खतरा झेल सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में लाखों लोग अभी भी डिजिटल कौशल, स्थिर बिजली आपूर्ति और इंटरनेट जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। ऐसे में एआई आधारित नई तकनीकों का लाभ उन्हें मिल पाना मुश्किल होगा। इससे तकनीकी विकास का फायदा केवल सीमित क्षेत्रों तक सिमट सकता है और असमानता बढ़ने की आशंका है। संयुक्त राष्ट्र ने इस स्थिति की तुलना ऐतिहासिक औद्योगिक क्रांति से की है। उस

दौर में पश्चिमी देशों ने तेजी से आर्थिक और तकनीकी प्रगति की, जबकि कई अन्य देश विकास की दौड़ में पीछे रह गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई के दौर में भी कुछ वैसा ही परिदृश्य बन सकता है। अगर समावेशी नीतियां नहीं अपनाई गईं तो गरीब और विस्थापित समुदाय तकनीकी विकास की मुख्यधारा से बाहर हो सकते हैं, जिससे उनकी जरूरतें एआई सिस्टम में भी नजरअंदाज हो सकती हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वर्तमान में कंपनियां और संस्थान एआई के इस्तेमाल को मुख्य रूप से उत्पादकता, प्रतिस्पर्धा और आर्थिक वृद्धि के नजरिए से देख रहे हैं। हालांकि एआई के सकारात्मक पहलू भी सामने आ रहे हैं। यह तकनीक खेती के लिए बेहतर सलाह देने, एक्स-रे जैसी मेडिकल जांच का तेजी से विश्लेषण करने, जल्दी बीमारी का पता लगाने और मौसम की सटीक भविष्यवाणी करने में मददगार साबित हो सकती है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों और आपदा प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को भी लाभ मिल सकता है।

ईरान से जंग में अमेरिका ने खर्च कर दिए 12 अरब अमरिकी डालर और सैनिक

वाशिंगटन। अमेरिका और इजराइल की जंग के चलते ईरान ने स्टेट आफ होर्मूज पर नाकेबंदी कर पूरी दुनिया में कोहराम मचा दिया था। यह अलग बात है कि उसने अमेरिका और इजराइल के साथ-साथ युद्ध में उसके सहयोगी देशों को छोड़कर बाकी देशों के लिए होर्मूज का रास्ता खोल दिया है। जाहिर है इससे दूसरे देशों को बहुत कम आर्थिक नुकसान होगा। वैसे यह बात बार-बार सामने आती रही है कि युद्ध सिर्फ विनाश और तबाही लाता है। इससे किसी का भला नहीं होता। ट्रंप की सनक के चलते ईरान पर हमला कर अमेरिका अब तक कितने रुपए गंवा चुका होगा अमेरिका बहुत ज्यादा नुकसान हो रहा है। उसने अब तक कम से कम अपने 11 सैनिक खो दिए। युद्ध के दौरान फ्यूल भरने वाले पांच विमान भी उसके क्रैश हो चुके हैं। इन सब के अलावा वह तेहरान से लेकर इसफानम तक भी बी52 बमबर से लगातार बम बरसा रहा है।

हरियाणा में भारी हंगामे के बीच कांग्रेस ने जीती राज्यसभा की एक सीट

चंडीगढ़, 17 मार्च (एजेंसियां) । हरियाणा में 16 घंटे तक चले हाई-वोल्टेज चुनावी ड्रामे के बाद कांग्रेस पार्टी दो में से एक राज्यसभा सीट जीतने में सफल रही। इस जीत के साथ ही कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के कब्जे वाली एक सीट को प्रभावी रूप से अपने नाम कर लिया है।

सोमवार को हरियाणा, बिहार और ओडिशा की कुल 11 राज्यसभा सीटों पर हुए मतदान में से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और उसके समर्थित उम्मीदवारों ने नौ सीटों पर जीत दर्ज की जबकि कांग्रेस और बीजू जनता दल के खाते में एक-एक सीट आई। हरियाणा में भाजपा के संजय भाटिया और कांग्रेस के कर्मवीर बौद्ध विजयी घोषित किए गए जबकि भाजपा समर्थित

निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल को हार का सामना करना पड़ा।

हरियाणा में मतदान की प्रक्रिया विवादों से घिरी रही। दो कांग्रेस विधायकों के वोटों पर भाजपा की औपचारिक आपत्तियों के कारण मतगणना में देरी हुई और यह रात 10:25 बजे शुरू हुई और मंगलवार तड़के 1:30 बजे संपन्न हुई। राज्य मंत्री गौरव गौतम के अनुसार, यह चुनाव आंतरिक कलह और क्रॉस-वोटिंग के साये में रहा। उन्होंने बताया कि कुल चार वोट रद्द किए गए, जिनमें तीन कांग्रेस के और एक भाजपा का था। इसके अलावा, पांच विधायकों द्वारा क्रॉस-वोटिंग की खबरें भी सामने आईं। गौतम ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस केवल 0.3 प्रतिशत के मामूली अंतर से जीती है, जो दर्शाता है कि विपक्ष के विधायकों को अपने नेतृत्व पर पूरा भरोसा नहीं था। दूसरी ओर, कांग्रेस खेमे ने इस परिणाम को लोकतंत्र की ऐतिहासिक जीत और सत्ताधारी दल की तानाशाही के खिलाफ एक कड़ा संदेश बताया है। हरियाणा कांग्रेस के सह-प्रभारी जितेंद्र बघेल ने भाजपा पर आरोप लगाया कि उसने प्रक्रिया को प्रभावित करने और विधायकों को डराने के लिए पूरी सरकारी मशीनरी झोंक दी थी। श्री बघेल ने कहा कि इन तमाम हथकंडों के बावजूद विपक्ष एकजुट रहा और यह संवैधानिक अधिकारों की बड़ी जीत है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी इन भावनाओं को दोहराते हुए इस जीत को वोट की चोरी करने वालों की हार और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती का प्रमाण बताया।

गौरतलब है कि हरियाणा की ये दोनों सीटें पहले भाजपा के पास थीं, जिन पर किरण चौधरी और रामचंद्र जांगड़ा का कार्यकाल नौ अप्रैल 2026 को समाप्त हो रहा है। इनमें से एक सीट जीतकर कांग्रेस ने उच्च सदन में राज्य से भाजपा की संख्या कम करने में सफलता प्राप्त की है। इससे पहले दिन में, कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने पार्टी की जीत पर अटूट विश्वास व्यक्त किया था।

भारत ने काबुल में अस्पताल पर पाकिस्तान के हमले की कड़ी निंदा की, कहा यह अमानवीय कृत्य

नयी दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां) भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक अस्पताल पर पाकिस्तान के हमले को कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि भारत सोमवार की रात काबुल के ओमिद नशा मुक्ति अस्पताल पर पाकिस्तान के बर्बर हवाई हमले की कड़ी निंदा करता है। यह हिंसा का एक कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों की जान चली गई। इस अस्पताल को किसी भी तरह से सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा किया गया यह घृणित आक्रमण अफगानिस्तान की संप्रभुता पर एक स्पष्ट हमला है और क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। यह पाकिस्तान के लगातार लापरवाह व्यवहार और अपनी आंतरिक विफलताओं को सीमा पार हिंसा के बढ़ते हिंसक कृत्यों के माध्यम से छिपाने के बार-बार किए जाने वाले प्रयासों को दर्शाता है।

बयान में कहा गया है कि यह हमला रमजान के पवित्र महीने के दौरान किया गया, जो दुनिया भर के मुस्लिम समुदायों के लिए शांति, चिंतन और दया का समय होता है, जो इसे और भी निंदनीय बनाता है। ऐसा कोई धर्म, कोई कानून या कोई नैतिकता नहीं है जो किसी अस्पताल और उसके मरीजों को जानबूझकर निशाना बनाने को उचित ठहरा सके।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस आपराधिक कृत्य के दोषियों को जवाबदेह ठहराना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा नागरिकों को निशाना बनाने का यह अंधाधुंध हमला तत्काल बंद हो।

श्री जायसवाल ने कहा कि भारत शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है और इस दुखद घड़ी में अफगानिस्तान के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। उन्होंने कहा, हम अफगानिस्तान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपने अटूट समर्थन को भी दोहराते हैं।

दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण बढ़ा है : डॉ वीरेंद्र

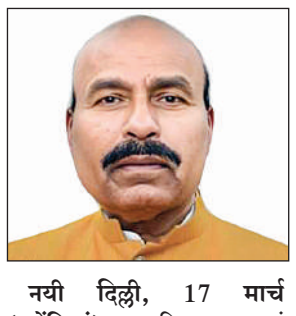

नयी दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने कहा है कि सरकार ने दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षण संस्थानों में प्रवेश का आरक्षण और सरकारी नौकरियों के लिए आरक्षण को एक-एक प्रतिशत बढ़ाया है।

डॉ कुमार ने लोकसभा में मंगलवार को एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि दिव्यांगों को कौशल विकास योजना से भी जोड़ा गया है और उन्हें रोजगार के लिए सहायता उपलब्ध कराने और उनके द्वारा निर्मित वस्तुओं के वितरण की सुविधा भी सरकार की तरफ से उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों के लिए स्कूलों में आरक्षण को तीन प्रतिशत से बढ़कर पांच प्रतिशत किया गया है और सरकारी नौकरियों में इस वर्ग के युवाओं के लिए तीन प्रतिशत के आरक्षण को चार प्रतिशत किया गया है।

ईडी ने छत्तीसगढ़ चिकित्सा उपकरण घोटाला मामले में 80.36 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क की

नयी दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ में कथित चिकित्सा उपकरण और रीजेंट खरीद घोटाले के संबंध में 80.36 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति कुर्क की है। ईडी के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने सोमवार को बताया कि एजेंसी ने रायपुर के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा मोक्षित कॉरपोरेशन और छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससीएल) तथा स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस) के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी और आरोप पत्र के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की थी।

टीएमसी ने जारी 291 उम्मीदवारों की लिस्ट, भवानीपुर में होगा शुभेंदु अधिकारी बनाम ममता बनर्जी

कोलकाता, 17 मार्च (एजेंसियां)। बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 291 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए। ममता बनर्जी भवानीपुर से चुनाव लड़ेंगी। उम्मीदवारों की घोषणा के पहले ही पल ममता बनर्जी ने अकेले ही भाजपा को चुनौती दी। उन्होंने कहा, यह लड़ाई बंगाल के अस्तित्व को बचाने की लड़ाई है। इस चुनाव में बंगाल की जनता की जीत होगी। और भाजपा के हाथ कुछ नहीं बचेगा। उन्होंने चुनाव आयोग को मेघनाद कहकर उसका मजाक उड़ाया। उन्होंने पूरक सूची पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल इस बार चुनाव में 226 से अधिक सीटें जीतेगी।

इस बार तृणमूल का टिकट किसे मिलेगा? कई अटकलों में अलग-अलग नाम सामने आए हैं। तृणमूल से मिली अंदरूनी जानकारी के अनुसार, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी इस बार विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों के चयन में युवा नेताओं और उभरते सितारों पर विशेष भरोसा जताने वाली हैं। पहले ऐसी अटकलें

लगाई जा रही थीं कि उम्मीदवारों की सूची में कई नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। आखिरकार, सारा इंतजार और अटकलें खत्म हो गईं। तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी गई है।

भवानीपुर में ममता के खिलाफ शुभेंदु को उतारा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए 144 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सीट कोलकाता के भवानीपुर से नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को मैदान में उतारा है। पार्टी द्वारा जारी सूची के मुताबिक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष को खड़गपुर सदर से, बिमान महतो को सालबनी से और दक्षिण कोलकाता की रासबिहारी सीट से स्वपन दासगुप्ता को टिकट दिया गया है। भाजपा ने सुमिता सिन्हा को पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांथी उत्तर से, बिमान घोष को हुगली जिले के पुरसुराह से और माधवी महलदर को दक्षिण 24 परगना जिले के कुलतली से मैदान में उतारा है। सूची के मुताबिक, अनिमा दत्ता को नदिया जिले के पलाशीपाड़ा से, जबकि लक्षिकांत साहू को झाड़ग्राम से टिकट दिया गया है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने 2021 में हुए उपचुनाव में भवानीपुर से जीत हासिल की थी। बनर्जी विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट से शुभेंदु अधिकारी से हार गई थीं, जिसके बाद मुख्यमंत्री बने रहने के लिए उनका इस सीट से जीतनामहत्वपूर्ण था। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होगा और मतगणना चार मई को होगी।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर 400 लोगों की हत्या का लगाया आरोप, पाकिस्तान ने किया खारिज

काबुल, 17 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की सेना पर राजधानी काबुल में नशा मुक्ति केंद्र पर हवाई हमला करने का आरोप लगाया, जिसमें कम से कम 400 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी मंगलवार को अल जज़ीरा ने दी।

हालांकि पाकिस्तान ने इस दावे को झूठा और जनमत को गुमराह करने वाला बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि उसने सोमवार को केवल काबुल और नांगरहार प्रांत में सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया था।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत के अनुसार, काबुल के उमर व्यसन उपचार अस्पताल पर हमला स्थानीय समयानुसार सोमवार रात लगभग नौ बजे (16:30 जीएमटी) हुआ।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि अस्पताल में 2,000 बिस्तरों की क्षमता है और इस हमले में इमारत के बड़े हिस्से नष्ट हो गए। उन्होंने आगे कहा, दुर्भाग्यवश, मृतकों की संख्या अब तक 400 तक पहुंच चुकी है और लगभग 250 अन्य लोग घायल हुए हैं। बचाव दल वर्तमान में घटनास्थल पर मौजूद हैं और आग पर काबू पाने एवं पीड़ितों के शवों को निकालने का काम कर रहे हैं।

अफगान सरकार के एक अन्य प्रवक्ता ज़बिहुल्लाह मुजाहिद ने अस्पताल हमले की निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने एक बार फिर अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है और काबुल में एक नशा मुक्ति

अस्पताल को निशाना बनाया है। उन्होंने एक्स पर कहा कि अफगान सरकार ऐसे कृत्य को सभी स्वीकृत सिद्धांतों एवं मानवता के विरुद्ध अपराध मानती है।

वहीं पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के प्रवक्ता मोशर्रफ जैदी ने इन आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि काबुल में किसी भी अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया।

एक्स पर एक पोस्ट में, पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने कहा कि हमलों में काबुल और नंगरहार में अफगान तालिबान और अफगानिस्तान स्थित पाकिस्तानी लड़ाकों के सैन्य प्रतिष्ठानों एवं आतंकवादी समर्थन अवसंरचना को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि इन सुविधाओं का उपयोग निर्दोष पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ किया जा रहा था।

मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा की गई लक्षित कार्रवाई सटीक एवं सावधानीपूर्वक थी ताकि कोई भी अप्रत्यक्ष नुकसान न हो। मंत्रालय ने कहा कि अफगान प्रवक्ता मुजाहिद का दावा पाकिस्तान विरोधी भावना भड़काने और तालिबान द्वारा सीमा पार आतंकवाद के लिए अवैध समर्थन को छिपाने के उद्देश्य से किया गया है।

पाकिस्तान की ओर से ये टिप्पणियां संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से आतंकवाद से निपटने के प्रयासों को तुरंत तेज करने के आह्वान के कुछ घंटों बाद आईं। पाकिस्तान काबुल पर सशस्त्र समूहों, विशेष रूप से पाकिस्तानी तालिबान को पनाह देने का आरोप लगाता रहा है जिसके बारे में उसका कहना है कि वह पाकिस्तान में हमले करता है।

इससे पहले, अफ़गान अधिकारियों ने कहा कि सोमवार को दक्षिण-पूर्वी अफ़गानिस्तान में हुई गोलीबारी में दो बच्चों सहित चार लोग मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। प्रांतीय गवर्नर के प्रवक्ता मुस्तग़फ़र गुरबाज़ ने कहा कि पाकिस्तान से दागे गए मोर्टार के गोले खोस्त प्रांत के गांवों में गिरे और कई घरों को नष्ट कर दिया।

दोनों देशों के बीच पिछले महीने उस समय झड़प शुरू हुई जब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में हवाई हमले किए जिसमें इस्लामाबाद ने सशस्त्र समूहों को निशाना बनाने की बात की। अफगानिस्तान ने इन हमलों को अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया और जवाबी हमला किया।

राहुल गांधी-तेजस्वी पर गिरिराज सिंह का तीखा हमला, बोले- विपक्ष के नेता पद संभालने के अयोग्य

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस सांसद को पहले अपने घर का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने एएनआई से कहा कि कुछ कांग्रेस विधायकों ने राहुल गांधी के नेतृत्व को नकार दिया है। राहुल गांधी को पहले अपने घर का ध्यान रखना चाहिए। पार्टी को संभालने में नाकाम रहने के लिए राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए। तेजस्वी यादव एक वोट से हार गए, और आज वे विपक्ष के नेता का पद संभालने के लायक नहीं हैं। हमारे नेतृत्व पर आरोप लगाना बहुत आसान है। वे अब विपक्ष के नेता का पद संभालने के लायक नहीं हैं; उन्हें स्वेच्छा से इस्तीफा दे देना चाहिए।

राज्यसभा चुनावों में क्रॉस-वोटिंग की खबरों पर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि जो लोग आज हॉर्स ट्रेडिंग की बात कर रहे हैं, वे खुद एक ऐसी पार्टी हैं जो घोड़ों, गायों और बैलों से चारा चुराती है... जिनकी आदत या स्वभाव ही चारा चुराना या अस्तबल लूटना है, वे सोचते हैं कि ऐसे लोग हर जगह हैं। आपके नेता आप पर भरोसा नहीं करते। हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं? जनता ने तेजस्वी यादव और राहुल गांधी को नकार दिया, और अब जनता के बाद आपके अपने विधायक आपको नकार रहे हैं। इससे पता चलता है कि उन्हें लगता है कि आप भरोसेमंद नहीं हैं, और जब आप ये आरोप लगाते हैं, तो आप हम पर नहीं बल्कि अपने ही विधायकों पर दोष मढ़ रहे हैं।

बिहार की पांच राज्यसभा सीट के लिए सोमवार को हुए चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिली शत प्रतिशत जीत के बाद विपक्ष ने मंगलवार को विधायकों की 'खरीद-फरोख्त' का आरोप लगाया और दलबदल विरोधी कानून की समीक्षा की मांग की। भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने हालांकि विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया कि विरोधी पक्ष अपने विधायकों को संभालने में विफल रहा और मतदान के दौरान व्हिप जारी करने की मानक प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजनीतिक नैतिकता निम्नतम स्तर पर पहुंच गई है। लोग अब उन राजनीतिक दलों का सम्मान नहीं करते जो उन्हें सदन में लाए हैं। दलबदल विरोधी कानून पर गंभीरता से पुनर्विचार करने का समय आ गया है, क्योंकि हर चुनाव में विधायकों की खरीद-फरोख्त के मामले सामने आते हैं। जो कभी एक छिटपुट घटना होती थी अब यह व्यापक समस्या बन गई है। लालू प्रसाद यादव नीत राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने आरोप लगाया कि राजग ने 'धनबल' का इस्तेमाल करके जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि न केवल तेजस्वी यादव, बल्कि पूरे देश ने भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप लगाए हैं। उन्होंने हरियाणा, ओडिशा, बिहार और अन्य राज्यों में भी ऐसा किया है।'' सिंह ने कहा, ''चुनाव बिना बहुमत के, धन बल का इस्तेमाल करके लड़े जा रहे हैं। विधायकों को तोड़ा जा रहा है। लोकतंत्र को इस तरह काम नहीं करना चाहिए। दल-बदल विरोधी कानून ठीक इसी तरह की कार्रवाइयों को रोकने के लिए बनाया गया है। इसके तहत कोई पार्टी तभी टूट सकती है जब उसके पास दो-तिहाई बहुमत हो।

नीतीश कुमार को बड़ा झटका, करीबी केसी त्यागी ने छोड़ा जेडीयू का साथ, यूपी पॉलिटिक्स में नई पारी की तैयारी!

पटना, 17 मार्च (एजेंसियां)। वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने मंगलवार को जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) से इस्तीफा दे दिया। यह घटना पार्टी अध्यक्ष नीतीश कुमार की राज्यसभा चुनाव में जीत के ठीक एक दिन बाद हुई, जो पार्टी के भीतर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम है। इसके परिणामस्वरूप, राजनीतिक गलियारों में इस बात को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं कि त्यागी अब किसी अन्य पार्टी में शामिल होंगे या अपनी खुद की पार्टी बनाएंगे। सूत्रों के अनुसार, त्यागी अब उत्तर प्रदेश की राजनीति में सक्रिय होना चाहते हैं; आने वाले दिनों में त्यागी एक नई राजनीतिक पार्टी में शामिल होंगे।

एक पत्र में, पूर्व सांसद ने कहा कि नवीनतम सदस्यता अभियान की समाप्ति के बाद उन्होंने पार्टी की सदस्यता का नवीनीकरण नहीं किया है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसानों, दलितों और समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता में कोई बदलाव नहीं आया है।

त्यागी ने पार्टी की उत्पत्ति को याद करते हुए बताया कि जॉर्ज फर्नांडीस के नेतृत्व में समता पार्टी और जनता दल के विलय के बाद 30 अक्टूबर, 2003 को जेडीयू का गठन हुआ था। उन्होंने पार्टी के साथ अपने लंबे जुड़ाव पर प्रकाश डाला और बताया कि उन्होंने शरद यादव और नीतीश कुमार जैसे नेताओं के साथ मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार सहित कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक पदों पर रहकर काम किया है। पार्टी छोड़ने के बावजूद, त्यागी ने कहा कि नीतीश कुमार के प्रति उनका व्यक्तिगत सम्मान, जिन्हें उन्होंने लगभग पांच दशकों का अपना साथी बताया, आज भी बरकरार है।

उन्होंने यह भी बताया कि देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर विचार-विमर्श करने के लिए 22 मार्च को मावलंकर हॉल में राजनीतिक सहयोगियों, समर्थकों और कार्यकर्ताओं सहित समान विचारधारा वाले व्यक्तियों की एक बैठक बुलाई गई है। त्यागी ने कहा कि इस बैठक में विचार-विमर्श के बाद ही वे आगे की रणनीति तय करेंगे।

पश्चिम एशिया में फंसे भारतीयों की सुरक्षा पर मंथन, विदेश मंत्रालय देगा ब्रीफिंग

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)।

संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति की बैठक कल होगी, जिसमें विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के दौरान प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और स्वदेश वापसी के संबंध में सदस्यों को जानकारी देंगे।

समिति को विदेश मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिनिधियों द्वारा हाल ही में हुए इस्लामी शिखर सम्मेलन के परिणामों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति की अध्यक्षता कांग्रेस सांसद शशि थरूर कर रहे हैं।

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच यह बैठक हो रही है। ईरान के सर्वोच्च नेता, अयातुल्ला अली खामेनेई, 28 फरवरी को अमेरिका और इज़राइल के संयुक्त सैन्य हमलों में मारे गए थे। ईरान कई खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बना रहा है और तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हो गई हैं। ईरान ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण पारगमन मार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य को लगभग बंद कर दिया है।

अयातुल्ला अली खामेनेई के पुत्र, मोजतबा खामेनेई को इस्लामी गणराज्य का नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया है। इस बीच, इज़राइली रक्षा मंत्री इज़राइल काट्ज़ ने मंगलवार को पुष्टि की कि ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी, तेहरान में रात भर चले हवाई हमले में मारे गए।

काट्ज़ ने बताया कि लारीजानी और बासिज कमांडर को आज रात मार गिराया गया और वे विनाश की योजना के सरगना खामेनेई और दुष्ट गुट के सभी नाकाम सदस्यों के साथ नरक की गहराइयों में पहुँच गए हैं। प्रधानमंत्री और मैंने इजरायल रक्षा बलों को ईरान में आतंक और दमन के शासन के नेतृत्व का पता लगाने का काम जारी रखने का निर्देश दिया है।

नए नियम से मची हलचल

सारा अली खान को केदारनाथ दर्शन के लिए देना होगा एफिडेविट

हर साल लाखों श्रद्धालु केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम के दर्शन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन इस बार यात्रा शुरू होने से पहले ही एक बड़ा बदलाव सामने आया है। अब इन धामों में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को अपनी आस्था साबित करनी होगी, जिसके लिए एफिडेविट देना होगा। इस फैसले के बाद सबसे ज्यादा चर्चा बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान को लेकर हो रही है। इस पर बद्री-केदार मंदिर कमेटी के चेयरमैन हेमंत द्विवेदी ने कहा कि अगर सारा अली खान भी केदारनाथ धाम दर्शन के लिए आती हैं, तो उन्हें भी सनातन धर्म में अपनी आस्था का एफिडेविट देना होगा। इसके बाद ही उन्हें मंदिर में प्रवेश की अनुमति मिल सकेगी। दरअसल, बद्री-केदार मंदिर समिति की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया, जिसमें यह तय किया गया कि केदारनाथ और बद्रीनाथ समेत कई मंदिरों में गैर-सनातनियों के प्रवेश को वर्जित किया जाएगा। इस फैसले को लेकर हेमंत द्विवेदी ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से क्यों न हो, सनातन धर्म में अपनी आस्था व्यक्त करता है और इसके लिए शपथ पत्र देता है, तो उसे मंदिर में दर्शन की अनुमति दी जा सकती है।

इसके आगे उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर सारा अली खान जैसी हस्ती भी केदारनाथ आती हैं, सनातन में अपनी आस्था जताती हैं और एफिडेविट देती हैं, तो उन्हें दर्शन से नहीं रोका जाएगा।

गौरतलब है कि सारा अली खान का केदारनाथ से खास जुड़ाव माना जाता है। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत फिल्म 'केदारनाथ' से की थी, जिसकी शूटिंग भी इसी क्षेत्र में हुई थी। इसके बाद से वह समय-समय पर केदारनाथ आती रहती हैं। मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए उनकी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। सारा अली खान के अलावा, जैकलीन फर्नांडिस भी केदारनाथ दर्शन कर चुकी हैं। वह साल 2023 में केदारनाथ आई थीं। वहीं, 2024 में फिल्म अभिनेत्री नुसरत भरुचा भी केदारनाथ पहुंची थीं। टीवी स्टार हिना खान भी केदारनाथ का दौरा कर चुकी हैं। नए नियम के तहत मंदिर परिसर में ही श्रद्धालुओं को शपथ पत्र उपलब्ध कराया जाएगा, जिसे भरकर वे अपनी आस्था का प्रमाण दे सकेंगे। इसके बाद ही उन्हें मंदिर में प्रवेश मिलेगा। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद दर्शन की प्रक्रिया में बदलाव देखने को मिल सकती है।

वामिका गब्बी से अक्षय कुमार भी मान गए हार, कहा-

लड़की और उसकी लिपस्टिक के बीच मत आओ

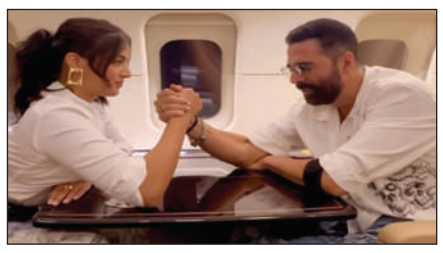

अभिनेता अक्षय कुमार अपनी जबरदस्त एक्टिंग और फिटनेस के लिए चर्चा में रहते हैं। लेकिन, इस बार उन्हें अभिनेत्री वामिका गब्बी ने मजेदार तरीके से मात दी है। वामिका ने इंस्टाग्राम पर अक्षय कुमार के साथ एक फनी वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में अक्षय कुमार और वामिका प्लेन पर बैठकर पंजा लड़ा रहे हैं। दोनों जोर-शोर से एक-दूसरे को हराने की कोशिश कर रहे हैं। अक्षय अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं कि तभी वीडियो में ट्विस्ट देखने को मिलता है। दरअसल, मुकाबले के बीच अचानक से किसी ने उसी टेबल पर वामिका की लिपस्टिक रख दी थी, जिसे देखते ही अभिनेत्री जोर से चिल्लाती हैं, अरे मेरी लिपस्टिक।

ये आवाज सुनते ही अक्षय इतने चौंक जाते हैं कि उनका ध्यान भटक जाता है, जिससे वे मुकाबला हार जाते हैं। वीडियो को दोनों स्टार्स ने हास्य अंदाज में पेश किया। वहीं, वीडियो के जरिए वामिका ने दिखाया कि लड़कियां अपने मेकअप प्रोडक्ट्स को लेकर कितनी सजग रहती हैं। छोटी-सी चीज भी उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है।वीडियो पोस्ट करते हुए वामिका ने लिखा, 10 अप्रैल को 'भूत बंगला' में जाने से पहले थोड़ी सी 'खिलाड़ी' वाली एनर्जी। वैसे, मेरे पास वही एक लिपस्टिक थी, इसलिए वह मेरे लिए काफी जरूरी थी।वामिका के इस वीडियो को सोशल मीडिया यूजर्स पसंद कर रहे हैं। वहीं, अक्षय कुमार ने कमेंट करते हुए लिखा, एक बात समझ में आ गई।

केडी- द डेविल का गीत सरके चुनर विरोध के बाद यूट्यूब से हटाया गया

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर गाने रिलीज होते ही चर्चा का विषय बन जाते हैं, लेकिन कई बार यही गाने विवादों में भी घिर जाते हैं। हाल ही में फिल्म 'केडी- द डेविल' का गाना 'सरके चुनर' भी सुर्खियों में बना हुआ है। गाने के बोल और डांस को लेकर लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई। शुरुआत में यह सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित था, लेकिन धीरे-धीरे इसमें बड़े नाम और संस्थाएं भी शामिल होती गईं और विवाद बढ़ता गया। इसी बीच मेकर्स ने बड़ा फैसला लेते हुए गाने को यूट्यूब से हटा दिया और अब इसे नए वर्जन में वापस लाने की तैयारी कर रहे हैं। 'सरके चुनर' गाने को संजय दत्त और नोरा फतेही पर फिल्माया गया था। रिलीज के बाद ही कई लोगों ने इसके बोल को आपत्तिजनक और डबल मीनिंग बताया। साथ ही गाने की कोरियोग्राफी को भी भड़काऊ करार दिया। गाने की आलोचना तेजी से बढ़ती गई।

विवाद बढ़ता देख मेकर्स ने गाने को यूट्यूब से हटा दिया। साथ ही इस गाने को नए वर्जन के साथ तैयार करने का फैसला लिया, जिसमें गाने के बोल बदले जाएंगे, ताकि किसी की भावनाएं आहत न हों। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं है कि यह नया गाना कब तक रिलीज होगा, लेकिन मेकर्स इसे जल्द ही दर्शकों के सामने लाने की कोशिश में हैं।

इस मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनए-चआरसी) ने गाने को लेकर नोटिस जारी किया। आयोग ने गाने में इस्तेमाल किए गए शब्दों को लेकर चिंता जताई और इस पर जवाब मांगा।इसके अलावा, वकील और सामाजिक कार्यकर्ता विनीत जिंदल ने भी गाने के खिलाफ दिल्ली पुलिस के साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि गाने के बोल अश्लील हैं और यह समाज, खासकर बच्चों पर गलत असर डाल सकते हैं। उन्होंने मेकर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्वयंभू में निखिल के किरदार की ताकत है सुंदरावली: नाभा नतेश

भारतीय सिनेमा में इस साल कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, लेकिन उनमें से सबसे ज्यादा चर्चा में है 'स्वयंभू'... फिल्म में दिखाया गया है कि किस तरह एक बहादुर योद्धा ने अपनी वीरता से इतिहास की दिशा बदली। फिल्म में निखिल सिद्धार्थ के साथ एक्ट्रेस नाभा नतेश भी मुख्य किरदार में हैं। नाभा ने बताया कि उनका किरदार सुंदरावली निखिल के किरदार का बैकबोन है। आईएएनएस से बात करते हुए नाभा नतेश ने कहा, ''मेरा किरदार सुंदरावली एक क्लासिकल डांसर है और वह उसी गांव में बड़ी हुई है, जहां निखिल का किरदार रहता है। सुंदरावली निखिल के किरदार को गहराई से समझती है और उसके हर उतार-चढ़ाव को जानती है।'' उन्होंने आगे कहा, ''मेरा किरदार इस बात का प्रतीक है कि किसी की सफलता के पीछे हमेशा ऐसे लोग होते हैं, जो बिना दिखाए समर्थन करते हैं। सुंदरावली निखिल के किरदार के सबसे कठिन समय में उसके पास आती है और उसे विश्वास देती है कि वह फिर से उठकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ सकता है। यही क्षण कहानी में महत्वपूर्ण मोड़ लाता है और हीरो अपनी मंजिल की ओर बढ़ता है।''

फिल्म 'स्वयंभू' को भुवन और श्रीकर ने पिक्सेल स्टूडियो के बैनर तले प्रोडक्शन किया है और इसे टैगोर मधु ने प्रस्तुत किया है। इस प्रोजेक्ट को लेकर फैंस में पहले से ही उत्सुकता है। निखिल सिद्धार्थ ने फिल्म के लिए वियतनाम में मार्शल आर्ट्स ट्रेनिंग ली। इतना ही नहीं, उन्होंने तलवारबाजी में इतनी महारत हासिल की कि वे दोनों हाथों से तलवार चला सकते हैं। फिल्म के अन्य कलाकारों को भी तलवारबाजी की ट्रेनिंग दी गई। वियतनाम के एक्सपर्ट्स को लाया गया, ताकि स्टंट और क्लाइमेक्स सीक्वेंस को वास्तविकता के करीब दिखाया जा सके।

इस फिल्म का क्लाइमेक्स हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियोज में 60 दिनों तक शूट किया गया, जिसमें सैकड़ों कलाकार शामिल रहे। 'स्वयंभू' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जगद्धात्री में आग वाला सीन बिल्कुल भी आसान नहीं था

सोनाक्षी बत्रा ने बताया शूटिंग का अनुभव

टीवी की दुनिया में इन दिनों दर्शकों को बांधे रखने के लिए मेकर्स लगातार नई-नई कहानी और रोमांचक सीन लेकर आ रहे हैं। ऐसा ही कुछ टीवी शो 'जगद्धात्री' में देखने को मिला, जहां होली के खास मौके पर एक बेहद खतरनाक और भावनात्मक सीन फिल्माया गया। इस सीन ने न सिर्फ कहानी को नया मोड़ दिया, बल्कि कलाकारों के लिए भी यह एक बड़ी चुनौती साबित हुआ। इस शो में मुख्य भूमिका निभा रहीं सोनाक्षी बत्रा ने इस खतरनाक सीन की शूटिंग का अनुभव साझा किया। कहानी के मुताबिक, होली के जश्न के दौरान तपस्या, जिसका किरदार येशा हरसोरा निभा रही हैं, अपनी साजिश को अंजाम देती है। उसकी इस चाल का असर माया की बेटी गुंजन पर पड़ता है, इस रोल में परी भानुशाली हैं। अचानक माहौल में अफरा-तफरी मच जाती है और गुंजन आग की लपटों में फंस जाती है। गुंजन को बचाने के लिए जगद्धात्री और शिवाय, जिसका किरदार फरमान हैदर निभा रहे हैं, आगे आते हैं। सीन का सबसे रोमांचक पल तब आता है जब जगद्धात्री हिम्मत दिखाते हुए आग में कूद जाती है और गुंजन को बाहर निकाल लेती है। यह पूरा सीन दर्शकों को स्क्रीन से बांधे रखता है।

इस सीन की शूटिंग को लेकर सोनाक्षी बत्रा ने बताया कि उनके लिए यह अनुभव काफी चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार रहा। उन्होंने कहा,'''जगद्धात्री' का किरदार निभाना मेरे लिए एक खास सफर रहा है और समय के साथ मुझे एक्शन सीन करना पसंद आने लगा है। आग वाला सीन बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि इसमें ज्यादा सावधानी और सटीकता की जरूरत होती है। हर कदम सोच-समझकर उठाना पड़ता है, ताकि किसी भी तरह का खतरा न हो।''

सोनाक्षी ने खासतौर पर अपनी को-स्टार परी भानुशाली की तारीफ की। उन्होंने कहा, इतनी छोटी उम्र में भी परी बहुत समझदार हैं और सेट पर दिए गए हर निर्देश को ध्यान से सुनती हैं। यही वजह है कि उनके साथ शूटिंग करना आसान हो जाता है। आग जैसे खतरनाक सीन के दौरान भी परी ने पूरी सतर्कता के साथ काम किया, जिससे पूरी टीम को काफी मदद मिली।

उन्होंने आगे कहा, ''इस सीन के दौरान मैं खुद भी काफी सतर्क थी, क्योंकि मेरे साथ एक बच्ची थी और उसकी सुरक्षा मेरे लिए पहली जिम्मेदारी थी। शूटिंग के समय मेरे मन में यही था कि परी पूरी तरह सुरक्षित रहे। प्रोडक्शन टीम ने भी सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम किए थे और हर छोटी-बड़ी बात का ध्यान रखा गया था, जिससे यह सीन बिना किसी परेशानी के पूरा हो सका।''

आने वाले एपिसोड में कहानी और भी ज्यादा रोमांचक होने वाली है। होली के जश्न के बीच एक और बड़ा मोड़ आएगा, जब रुद्र की जलन खतरनाक रूप लेगी और वह अपने सौतेले भाई शिवाय को गोली मार देगा। इसके बाद जगद्धात्री और देशमुख परिवार शिवाय को अस्पताल लेकर जाएंगे और उसकी जान बचाने की कोशिश करेंगे। यह नया ट्विस्ट दर्शकों के लिए और भी ज्यादा सस्पेंस और उत्साह लेकर आने वाला है।

आज दर्श अमावस्या, विजय मुहूर्त के साथ जानें अमृतकाल

पूरे दिन पंचक रहेगा प्रभावी

हिंदू पंचांग के अनुसार 18 मार्च को दर्श अमावस्या पड़ रही है। हर महीने की अमावस्या को दर्श अमावस्या कहा जाता है। 'दर्श' का अर्थ 'देखना' या 'दर्शन करना' होता है, जबकि अमावस्या वह तिथि है जब चंद्रमा बिल्कुल दिखाई नहीं देता। इसलिए इसे दर्श अमावस्या कहते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन पितरों के तर्पण, श्राद्ध और जल अर्पण करने से उनकी आत्मा को शांति मिलती है। पितर प्रसन्न होकर परिवार में सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और धन की प्राप्ति का आशीर्वाद देते हैं। दान-पुण्य, स्नान और विशेष पूजा से पितृ दोष दूर होता है और आने वाली पीढ़ियों को लाभ मिलता है। दृक पंचांग के अनुसार, सूर्योदय 6 बजकर 28 मिनट पर होगा और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 31 मिनट पर होगा। कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि सुबह 8 बजकर 25 मिनट तक, उसके बाद अमावस्या तिथि है। नक्षत्र पूर्व भाद्रपद सुबह 5 बजकर 21 मिनट तक, फिर उत्तर भाद्रपद रहेगा। शुभ योग सुबह 4 बजकर 1 मिनट से 19 मार्च तक रहेगा और करण शकुनि सुबह 8 बजकर 25 मिनट तक रहेगा।

18 मार्च के शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 52 मिनट से 5 बजकर 40 मिनट तक। विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से 3 बजकर 18 मिनट तक, गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 29 मिनट से 6 बजकर 53 मिनट तक रहेगा। वहीं, अमृत काल रात 9 बजकर 37 मिनट से 11 बजकर 10 मिनट तक रहेगा। निशीथ मुहूर्त देर रात 12 बजकर 5 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट तक है। हालांकि, अभिजित मुहूर्त इस दिन नहीं है।

वहीं, अशुभ समय की बात करें तो राहुकाल दोपहर 12 बजकर 29 मिनट से 2 बजे तक। यमगंड सुबह 7 बजकर 58 मिनट से 9 बजकर 28 मिनट तक। गुलिक काल सुबह 10 बजकर 59 मिनट से दोपहर 12 बजकर 29 मिनट तक है। साथ ही दुर्मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 5 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट तक रहेगा। बुधवार को पंचक पूरे दिन प्रभावी रहेगा।

पिहोवा तीर्थ जहां भीष्म पितामह को मिली थी मुक्ति, पुराणों में बताया गया है महत्व

पिहोवा तीर्थ को बेहद प्राचीन और पवित्र स्थल माना जाता है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में मौजूद यह तीर्थ सरस्वती नदी के किनारे स्थित है। यह तीर्थ पितरों के श्राद्ध और पिंडदान के लिए प्रसिद्ध है। यहां लगने वाले चैत्र चौदस मेले में पूरे भारत से लोग पूर्वजों की शांति के लिए पूजा-पाठ करने आते हैं। वामन पुराण में कहा गया है कि गंगा, यमुना, नर्मदा और सिंधु इन चारों नदियों के स्नान का फल अकेले पिहोवा में स्नान से प्राप्त हो जाता है। मान्यता है कि पिहोवा में सरस्वती नदी के तट पर प्राण छोड़ने वाला जीव जन्म-मरण के बंधन से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त करता है।

इस तीर्थ का नाम राजा पृथु के नाम पर पड़ा है। यहीं सरस्वती के तट पर पृथु ने पिता की मृत्यु के बाद उनका अंतिम संस्कार व पिंडदान किया था। महाभारत के अनुसार यहां स्नान व पिंडदान करने से व्यक्ति को अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है। पिहोवा तीर्थ में जल, स्थल व अंतरिक्ष किसी भी स्थिति में मृत्यु होने भी मोक्ष ही मिलता है। महाभारत, मार्कंडेय पुराण, पद्म पुराण, भागवत पुराण और वामन पुराण में पिहोवा तीर्थ को सभी प्रकार के दोषों से रहित बताया गया है।

पिहोवा में हुआ था भीष्म पितामह का अंतिम संस्कार

मान्यता है कि महाभारत के युद्ध के बाद भगवान श्री कृष्ण और पांडवों ने पिहोवा में ही वीरगति को प्राप्त योद्धाओं का पिंडदान किया था। भीष्म पितामह का अंतिम संस्कार भी पिहोवा में ही किया गया था। यहीं पर उनको मुक्ति प्राप्त हुई थी। तब से आज तक लोग दूर-दूर से अपने पितरों की शांति के लिए यहां आते हैं। कहा जाता है कि यहां श्राद्ध और तर्पण करने से अकाल मृत्यु को प्राप्त आत्माओं को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

बैठ कर ब्रह्मा जी ने की थी सृष्टि की रचना

पौराणिक ग्रंथों में पिहोवा को धर्मक्षेत्र कहा गया है। महाभारत में लिखा है कि, पिहोवा की आठ कोस भूमि पर बैठ कर ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी। अकाल मृत्यु होने पर पिहोवा में कर्मकांड करवाने की परंपरा है। ऐसा करने से मृत प्राणी कष्टदायक स्थिति से मोक्ष को प्राप्त हो जाता है। वामन पुराण के अनुसार, भगवान इंद्र ने भी अपने पितरों का पिंडदान इसी तीर्थ पर किया था।

तीर्थ में निवास करते हैं भगवान कार्तिकेय

पौराणिक ग्रंथों में बताया गया है कि इसी पिहोवा की धरती पर कुश वंश के राजा गधि के पुत्र महर्षि विश्वामित्र ने कठोर तपस्या के बल पर क्षत्रिय से ब्राह्मण का दर्जा प्राप्त किया। यहीं पर रुषंग ऋषि ने अपने पुत्रों के साथ मोक्ष प्राप्ति के लिए आए थे। इसी तीर्थ में राजा ययाति ने 100 यज्ञ किए थे। मान्यता है कि भगवान कार्तिकेय अपने असंख्य गणों के साथ पिहोवा तीर्थ में निवास करते हैं। पिहोवा को पितरों की मुक्ति के लिए हरिद्वार से भी अधिक पवित्र स्थान माना जाता है।

अमावस्या के साये में चैत्र नवरात्रि की शुरुआत जानें कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

चैत्र नवरात्रि 2026 इस बार एक बेहद खास और दुर्लभ संयोग के साथ शुरू होने जा रही है, जो इसे और अधिक महत्वपूर्ण बना रहा है। इस वर्ष 19 मार्च 2026 को अमावस्या और प्रतिपदा तिथि का मेल हो रहा है, जिससे धार्मिक दृष्टि से यह दिन अत्यंत विशेष बन गया है। सूर्योदय के समय अमावस्या तिथि होने के कारण सुबह के समय अमावस्या से जुड़े स्नान-दान और कर्मकांड किए जाएंगे, वहीं इसी दिन मां दुर्गा का आगमन भी माना जाएगा।

72 साल बाद बन रहा है दुर्लभ संयोग

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार ऐसा संयोग लगभग 72 साल बाद बन रहा है, जब चैत्र नवरात्रि का आरंभ अमावस्या के प्रभाव में हो रहा है। इस कारण श्रद्धालुओं के लिए यह दिन विशेष पुण्यदायक माना जा रहा है। एक ही दिन अमावस्या स्नान-दान और मां अंबे के स्वागत का अवसर मिलना धार्मिक रूप से बेहद शुभ माना जाता है।

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

चैत्र नवरात्रि के पहले दिन घटस्थापना यानी कलश स्थापना का विशेष महत्व होता है। 19 मार्च 2026 को कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 52 मिनट से 09 बजकर 44 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 20 मिनट से दोपहर 12 बजकर 09 मिनट तक रहेगा, जो उन लोगों के लिए उपयुक्त रहेगा जो मुख्य मुहूर्त में स्थापना नहीं कर पाते हैं।

प्रतिपदा तिथि 19 मार्च की सुबह 06 बजकर 52 मिनट से शुरू होकर 20 मार्च 2026 की सुबह 04 बजकर 52 मिनट तक रहेगी, जिसके बाद द्वितीया तिथि प्रारंभ हो जाएगी।

कलश स्थापना की सरल विधि

नवरात्रि के पहले दिन विधि-विधान से कलश स्थापना करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके लिए सबसे पहले घर की उत्तर-पूर्व दिशा को साफ करके स्थान निर्धारित करें, जिसे ईशान कोण कहा जाता है और इसे पूजा के लिए सर्वोत्तम माना गया है। इसके बाद एक पात्र में शुद्ध मिट्टी डालकर उसमें जौ बोए जाते हैं, जो समृद्धि और उन्नति का प्रतीक माने जाते हैं।

फिर तांबे या मिट्टी का कलश लेकर उसके मुख पर कलावा बांधा जाता है और उसमें जल, गंगाजल, सुपारी, अक्षत और सिक्का डाला जाता है। कलश के ऊपर आम के पत्ते रखकर नारियल स्थापित किया जाता है, जिसे लाल कपड़े में लपेटा जाता है। इसके बाद विधिपूर्वक मां दुर्गा का ध्यान कर संकल्प लिया जाता है और नौ दिनों तक नियमित रूप से पूजा की जाती है।

धार्मिक महत्व

चैत्र नवरात्रि हिंदू धर्म में शक्ति उपासना का प्रमुख पर्व है, जिसमें मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। इस दौरान घटस्थापना का विशेष महत्व होता है, क्योंकि इसे देवी के आगमन का प्रतीक माना जाता है। इस बार अमावस्या के साथ इसकी शुरुआत होने से इसका आध्यात्मिक महत्व और भी बढ़ गया है।

अमावस्या पर पीपल को दिखाएं दीया, जानें किन स्थानों पर दीपक जलाने से पितृ होंगे प्रसन्न

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि का विशेष महत्व बताया गया है। चैत्र मास में आने वाली अमावस्या को पितरों की शांति और पुण्य प्राप्ति के लिए शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन स्नान जान और तर्पण आदि करने से कई तरह के कष्टों से मुक्ति मिलती है। साथ ही पितरों का आशीर्वाद भी बना रहता है। पंचांग की गणना के अनुसार, इस बाद अमावस्या तिथि का आरंभ 18 मार्च को सुबह में 8 बजकर 26 मिनट पर अमावस्या तिथि का आरंभ होगा और 19 मार्च को सुबह में 6 बजकर 53 मिनट तक अमावस्या तिथि रहेगी। ऐसे में पितृ कर्म 18 मार्च को किया जाएगा जबकि अमावस्या का दान और स्नान 19 मार्च को करना शास्त्र सम्मत माना जाएगा। अमावस्या तिथि पर 5 स्थानों दीपक जरुर जलाना चाहिए।

अमावस्या तिथि के दौरान किए गए कर्म से पितृदोष से मुक्ति मिलती है। साथ ही घर परिवार में सुख समृद्धि बनी रहती है। इस दिन विशेष रुप से पांच स्थानों पर दिया जलाना चाहिए। पीपल के पेड़ के नीचे, घर के मुख्य द्वार पर, सुनसान स्थान पर, पवित्र नदियों पर, दक्षिण दिशा की तरफ। इन स्थानों पर दिया जलाने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

अमावस्या के उपाय

* अमावस्या तिथि के दिन अपने घर की दक्षिण दिशा की तरफ दिया जरूर जलाना चाहिए। दक्षिण दिशा को पितरों की दिशा माना जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से पितृ लोक में अंधकार दूर होता है और उनका आशीर्वाद मिलता है।

* पीपल के पेड़ के नीचे भी अमावस्या तिथि पर दिया जलाना चाहिए। मान्यता है कि पीपल के पेड़ में पितरों का वास होता है। पीपल के पेड़ पर दिया जलाने से न सिर्फ पितरों की कृपा मिलती है बल्कि अन्य ग्रह दोष भी शांत होते हैं।

* अमावस्या के दिन अपने घर के मुख्य द्वार पर भी दीपक जरूर जलाना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सकारात्मकता का वास होता है। साथ ही घर परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण बना रहता है।

* सुनसान स्थान पर अमावस्या के दिन सुनसान स्थान पर दिया जरूर जलाना चाहिए। मान्यता है कि इस दिन सुनसान स्थान पर दिया जलाने से नकारात्मक शक्तियों का प्रभाव नष्ट होती हैं।

* अमावस्या तिथि के दिन पवित्र नदियों पर दीप दान करने से पितृ प्रसन्न होते हैं। साथ ही पितृ भी शांत होते हैं। वहीं, पितर दोष का प्रभाव भी कम होता है।

चैत्र अमावस्या के उपाय, पितरों के आशीर्वाद से जीवन में आती है सुख-शांति

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि का बेहद खास महत्व होता है। चैत्र मास में पड़ने वाली अमावस्या को चैत्र अमावस्या के नाम से जाना जाता है। यह अमावस्या संवत की अंतिम अमावस्या होगी क्योंकि, इसके समापन के साथ ही नया संवत शुरू हो जाएगा। आने वाला संवत रौद्र नामक संवत होगा। ऐसे में अमावस्या तिथि पर स्नान-दान और पितृ कर्म करने का खास महत्व बताया गया है। मान्यता है कि ऐसा करने से पितृ दोष को दूर किया जा सकता है और जीवन में आने वाली बाधाएं कम होती हैं। वहीं, शास्त्रों में चैत्र अमावस्या के विशेष उपायों का वर्णन भी मिलता है जिन्हें श्रद्धापूर्वक करने से जातक को पितरों का आशीर्वाद मिलता है, जिससे जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

पंचांग के अनुसार, अमावस्या तिथि 18 मार्च बुधवार को सुबह 8 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी और 19 मार्च गुरुवार को सुबह 6 बजकर 53 मिनट तक अमावस्या व्याप्त रहेगी। ऐसे में 18 मार्च को चैत्र अमावस्या पड़ रही है। शास्त्रों के अनुसार, अमावस्या के दिन अपराह्न काल यानी दोपहर के समय पितृ कर्म किया जाता है। ऐसे में 18 मार्च के दिन दोपहर में पितृ कर्म करना उचित होगा।

पितरों का तर्पण, पिंडदान करें

चैत्र अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठकर पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। ऐसा संभव न हो तो आप घर में पानी में गंगाजल मिलकर स्नान कर सकते हैं। इसके पश्चात, पितरों का पिंडदान, तर्पण आदि करें और पितरों का स्मरण करते हुए अपने सामर्थ्य अनुसार ब्राह्मण को भोजन कराएं। इससे पहले भोजन का एक हिस्सा गाय और कौए को जरूर दें। मान्यता है की चैत्र अमावस्या पर यह उपाय करने से पितृ दोष दूर हो सकता है और जीवन में सकारात्मकता आती है।

पीपल के वृक्ष की पूजा करें

कुछ मान्यताओं के अनुसार, अमावस्या तिथि पर पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में चैत्र अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ पर जल अवश्य अर्पित करना चाहिए। इसके पश्चात, गाय के शुद्ध घी का दीपक प्रज्वलित करें और किसी पवित्र नदी में जाकर काले तिल प्रवाहित कर दें। माना जाता है की अमावस्या तिथि पर यह उपाय करने से पितरों का आशीर्वाद परिवार के सभी सदस्यों पर बना रहता है।

जीवन में सुख-शांति का उपाय

अगर किसी की कुंडली में पितृ दोष हो तो उसे कई बार जीवन में कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। इससे राहत के लिए अमावस्या तिथि पर चींटी, कौए, गाय व कुत्ते को पितरों का अंश मानते हुए भोजन खिलाना चाहिए। साथ ही, चावल के आटे से पांच पिंड बनाकर उन्हें लाल रंग के साफ कपड़े में लपेटें और लेजाकर बहते हुए जल यानी नदी में प्रवाहित कर दें। माना जाता है की इस उपाय को करने से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन में सुख-शांति वापस लौटने लगती है।

साल 2026 में 12 नहीं, 13 महीनों का होगा हिंदू नववर्ष

हिंदू धर्म में नववर्ष की शुरुआत चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होती है। इस साल यह 19 मार्च को पड़ रही है। इस बार हिंदू नववर्ष की शुरुआत के साथ नव संवत्सर 2083 शुरू होगा। यह संवत्सर धार्मिक और पंचांग की दृष्टि से काफी खास माना जा रहा है। इस बार विक्रम संवत में 12 नहीं, 13 महीने होंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि साल 2026 में हिंदू कैलेंडर का नया साल नवसंवत्सर 2083 इस बार 13 महीनों का होगा। कारण कि इस नवसंवत में अधिकमास (मलमास) आएगा। इस कारण एक महीना बढ़ जाएगा। ज्येष्ठ माह अधिकमास होगा। यह ज्येष्ठ अधिकमास 17 मई से 15 जून तक रहेगा। इससे आगे के महीनों के व्रत त्योहार 15 से 20 दिन देरी से आएंगे। 19 मार्च से विक्रम संवत लगेगा, इसी दिन से गुड़ी पड़वा, वासंती नवरात्र की शुरुआत होती है।

विक्रम संवत 2083 की शुरुआत चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होगी। यह गुरुवार, 19 मार्च को पड़ेगी। 19 मार्च को ही देश के अलग-अलग हिस्सों में गुड़ी पड़वा और उगादी का पर्व मनाया जाएगा। इसके साथ ही चैत्र नवरात्रि की भी शुरुआत होगी। यह हर साल चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि से ही शुरू होती है। चैत्र नवरात्रि इस बार 19 से शुरू होकर 27 मार्च तक चलेंगे। विक्रम संवत 2083 इसलिए खास माना जा रहा, क्योंकि इस साल हिंदू कैलेंडर में एक अधिक महीना जुड़ जाएगा। यानी यह संवत्सर सामान्य 12 महीनों का नहीं, 13 महीनों का होगा। इस एक महीने को अधिक मास कहा जाता है। इसे मलमास या पुरुषोत्तम मास के नाम से भी जाना जाता है। भारतीय कालगणना पद्धति में हम चैत्र-वैशाख आदि महीनों का व्यवहार चंद्र मान से, तो वर्ष का व्यवहार सौर मान से करते हैं। इसलिए सौर और चंद्रमा मान में सामंजस्य बैठाने के लिए हर तीसरे साल में एक अतिरिक्त महीना जुड़ जाता है। यही वजह है, विक्रम संवत 2083 धार्मिक और पंचांग की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अधिक मास

विक्रम संवत 2083 में ज्येष्ठ महीने में अधिक मास आएगा। यह अधिक मास 17 मई से शुरू होकर 15 जून तक रहेगा। अधिक मास आने की वजह से साल के आगे आने वाले व्रत और त्योहारों की तारीखें 15 से 20 दिन आगे खिसक जाएंगी। इस साल एक नहीं, बल्कि 2 महीने ज्येष्ठ होंगे। पहले 15 दिन सामान्य ज्येष्ठ माह होंगे, इसके बाद 30 दिन अधिक ज्येष्ठ मास के होंगे। अंत के 15 दिन फिर सामान्य ज्येष्ठ मास के होंगे।

अधिक ज्येष्ठ मास

आरंभ: 17 मई 2026

समाप्ति: 15 जून 2026

सामान्य ज्येष्ठ मास

आरंभ: 22 मई 2026

समाप्ति: 29 जून 2026

यानी इस अवधि में दोनों महीने एक-दूसरे के साथ ओवरलैप भी करेंगे।

13वां महीना होगा अधिक मास

विक्रम संवत 2083 में ज्येष्ठ का अधिक मास होने से ये साल 12 नहीं बल्कि 13 महीनों का

रहेगा। अधिक मास यानी इस साल ज्येष्ठ का महीना 30 नहीं बल्कि 60 दिनों का होगा। ज्येष्ठ का अधिक मास 17 मई से 15 जून 2026 तक रहेगा। अधिक मास को पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। धर्म ग्रंथों में इसका विशेष महत्व बताया गया है। इस महीने में मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश आदि पर रोक रहती है।

ज्येष्ठ महीने में होगी भीषण गर्मी

इस साल गर्मी का असर सामान्य से कुछ ज्यादा समय तक बना रह सकता है। अप्रैल-मई की तपिश लंबी चलने की संभावना है। वहीं, मानसून के आने में थोड़ी देरी हो सकती है। या फिर शुरुआती दिनों में बारिश असमान रह सकती है। कुछ इलाकों में तेज बारिश तो कुछ जगहों पर कम बारिश की स्थिति बन सकती है। इसका सीधा असर खेती-किसानी पर भी पड़ेगा। खरीफ फसलों की बुआई की तारीखें आगे-पीछे हो सकती हैं। किसानों को मौसम को देखते हुए फैसले लेने पड़ेंगे। हालांकि, अगर मानसून ठीक से सक्रिय हुआ तो फसलों के लिए हालात बेहतर भी हो सकते हैं। अधिक मास के कारण यूपी में यह साल मौसम के लिहाज से उतार-चढ़ाव वाला रह सकता है। गर्मी और बारिश दोनों में बदलाव देखने को मिल सकता है। इसलिए लोगों को स्वास्थ्य, पानी और खेती से जुड़े मामलों में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत होगी।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

क्यों लगता है मलमास

सूर्य और चंद्र कैलेंडर के बीच का फर्क ही इस अद्भुत महीने को जन्म देता है। सौर वर्ष 365 दिन का होता है और चंद्र वर्ष 354 दिन। यह अंतर हर 32 महीने और 16 दिनों में इतना बढ़ जाता है कि पंचांग को संतुलित करने के लिए एक अतिरिक्त महीना जोड़ना पड़ता है। इसी अतिरिक्त महीने को अधिकमास, मलमास या पुरुषोत्तम मास कहा जाता है।

मांगलिक कार्यों से परहेज

परंपराओं में कहा गया है कि मलमास के दौरान विवाह जैसे शुभ संस्कार, गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण, भूमि पूजन या किसी नए व्यवसाय की शुरुआत नहीं करनी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इस दौरान किए गए शुभ कार्य अपेक्षित फल नहीं देते और ग्रह-नक्षत्र भी मांगलिक कर्मों के अनुकूल नहीं माने जाते। इसी कारण इस पूरे अवधि में बड़े संस्कारों को स्थगित करने की सलाह दी जाती है।

क्यों जरूरी है अधिक मास

हिंदू धर्म में लगभग सभी व्रत त्योहार चंद्रमा की तिथियों को ध्यान में रखकर किए जाते हैं। चंद्रमा लगभग 29 दिनों में पृथ्वी का एक चक्कर लगाता है, जिसे एक चंद्र मास कहते हैं। जब चंद्रमा पृथ्वी के 12 चक्कर लगा लेता है तो इसे एक चंद्र वर्ष कहते हैं जो लगभग 355 दिन का होता है। वहीं सौर वर्ष 365 का होता है। अगर अधिक मास की व्यवस्था न हो तो हिंदू व्रत-त्योहार हर साल 10 दिन पीछे खिसकते चले जाएंगे, जिससे दिवाली बारिश में और होली शीत ऋतु में मनाई जाने लगेगी। ऐसी स्थिति से बचने के लिए ही हमारे विद्वानों में अधिक मास की व्यवस्था की है।

संपादकीय

वोट छीनने के चुनाव

असम केरलम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और संघशासित क्षेत्र पुडुचेरी में चुनावों की घोषणा एक असमंजस, संकट और गहरे सवालों के साथ की गई है। इन चार राज्यों और संघशासित क्षेत्र में कुल 17.4 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर सरकारें चुनेंगे, लेकिन यह पहली बार हो रहा है कि 1 करोड़ 65 लाख से अधिक मतदाताओं का मताधिकार ही छीन लिया गया है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद इतने मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। क्या वे सभी घुसपैठिए बांग्लादेशी या रोहिंग्या थे? चुनाव आयोग इस सवाल पर स्पष्टीकरण नहीं देता। सबसे संवेदनशील और एक हद तक असंवैधानिक मामला पश्चिम बंगाल का है। वहां एसआईआर के तहत 63.66 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए थे, लेकिन बाद में 10 लाख से अधिक मतदाताओं के दावे सही पाए गए, लिहाजा उन्हें मतदाता-सूची में शामिल कर लिया गया। अब भी 50 लाख से अधिक मतदाताओं की जांच जारी है, न्यायिक अधिकारी जांच कर रहे हैं और इसी बीच चुनावों की घोषणा कर दी गई। क्या ये 50 लाख से अधिक मतदाता वोट नहीं दे पाएंगे? क्या इतने व्यापक स्तर पर मताधिकार से वंचित कर चुनाव कराए जा सकते हैं? यह जांच कोलकाता उच्च न्यायालय की निगरानी में जारी है। बंगाल का यह मामला सर्वोच्च अदालत में भी उठ चुका है, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं है कि इतने वोटों को काट देना क्या असंवैधानिक नहीं है? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दलील थी कि जो मतदाता जांच के दायरे में हैं और अभी उनके नाम मतदाता-सूची में दर्ज नहीं हैं, कमोबेश उन्हें विधानसभा चुनाव में वोट देने का अधिकार बहाल रखा जाए, लेकिन चुनाव आयोग नहीं माना। नतीजतन बंगाल में 50 लाख से अधिक मतदाता इस चुनाव में वोट नहीं दे सकेंगे। क्या भारत का लोकतंत्र और संविधान इसीलिए 'महान' हैं? क्या चुनाव आयोग संविधान से भी ऊपर और निरंकुश है? यदि संदिग्ध मतदाता जांच के बाद सही पाए गए और चुनाव भी सम्पन्न हो गए और वे मताधिकार से वंचित रहे, तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों आयुक्त बर्खास्त किए जा सकते हैं? कदापि नहीं, क्योंकि संविधान में सिर्फ महाभियोग के जरिए ही इन आयुक्तों को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने हस्ताक्षर कर महाभियोग के नोटिस दे रखे हैं, लेकिन ज्ञानेश को नैतिकता की कोई चिंता नहीं है। वह राजनीतिक सवालों पर टिप्पणी भी नहीं करते और मीडिया के सवालों के जवाब भी नहीं देते। क्या वह अति-संवैधानिक अधिकारी हैं? आश्चर्य तो यह है कि इतने व्यापक स्तर पर मताधिकार छीनने का काम किया गया है और सर्वोच्च अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती। क्या उसकी यही संविधान-संरक्षक की भूमिका है? बंगाल ही नहीं, एक और मामला बेहद महत्वपूर्ण और संविधान पर सवालिया है। केरलम के करीब 40 लाख नागरिक खाड़ी देशों में काम कर रहे हैं। तमिलनाडु के भी 11 लाख से अधिक नागरिक खाड़ी देशों में हैं। वे अब भी भारतीय नागरिक हैं। उनका पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज भी भारतीय हैं। वे औसतन 50-51 अरब डॉलर भारत में अपने 'घरों' को भेजते हैं। यह धन भारतीय बैंकों में आता है, लिहाजा भारत की जीडीपी को भी बढ़ाता है। क्या चुनाव आयोग ने मतदाता-सूची शुद्धिकरण में इन 51 लाख से अधिक भारतीयों को भी 'वोटर' माना है? इसका भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। असम को छोड़ कर सभी राज्यों में एसआईआर का अभियान सम्पन्न हो चुका है। अधिकांश अल्पसंख्यक, दलित, आदिवासी नाम काटे गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा ने घुसपैठियों के जरिए जनसांख्यिकी बदलाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। बहरहाल, चुनाव आयोग की निष्पक्षता और तटस्थता पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

चार राज्यों और संघशासित क्षेत्र में कुल 17.4 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर सरकारें चुनेंगे, लेकिन यह पहली बार हो रहा है कि 1 करोड़ 65 लाख से अधिक मतदाताओं का मताधिकार ही छीन लिया गया है। चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद इतने मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। क्या वे सभी घुसपैठिए बांग्लादेशी या रोहिंग्या थे? चुनाव आयोग इस सवाल पर स्पष्टीकरण नहीं देता। सबसे संवेदनशील और एक हद तक असंवैधानिक मामला पश्चिम बंगाल का है। वहां एसआईआर के तहत 63.66 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए थे, लेकिन बाद में 10 लाख से अधिक मतदाताओं के दावे सही पाए गए, लिहाजा उन्हें मतदाता-सूची में शामिल कर लिया गया। अब भी 50 लाख से अधिक मतदाताओं की जांच जारी है, न्यायिक अधिकारी जांच कर रहे हैं और इसी बीच चुनावों की घोषणा कर दी गई। क्या ये 50 लाख से अधिक मतदाता वोट नहीं दे पाएंगे? क्या इतने व्यापक स्तर पर मताधिकार से वंचित कर चुनाव कराए जा सकते हैं? यह जांच कोलकाता उच्च न्यायालय की निगरानी में जारी है। बंगाल का यह मामला सर्वोच्च अदालत में भी उठ चुका है, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं है कि इतने वोटों को काट देना क्या असंवैधानिक नहीं है? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की दलील थी कि जो मतदाता जांच के दायरे में हैं और अभी उनके नाम मतदाता-सूची में दर्ज नहीं हैं, कमोबेश उन्हें विधानसभा चुनाव में वोट देने का अधिकार बहाल रखा जाए, लेकिन चुनाव आयोग नहीं माना। नतीजतन बंगाल में 50 लाख से अधिक मतदाता इस चुनाव में वोट नहीं दे सकेंगे।

कुछ अलग

संत की दुखी व्यक्ति को सीख

एक लोक कथा है। एक व्यक्ति समुद्र के किनारे घूम रहा था। मौसम बहुत सुहावना था। समुद्र की लहरें धीरे-धीरे किनारे से टकरा रही थीं। उस व्यक्ति की समुद्र में नहाने की इच्छा हुई। तभी उस व्यक्ति की नजर किनारे पर पड़ी एक चमकदार छड़ी पर गई। उसने उसे उठाकर देखा तो पता चला कि वह चांदी की छड़ी है। व्यक्ति ने सोचा, "अगर मैं इस छड़ी को यहीं छोड़कर नहाने गया तो कोई इसे उठा ले जाएगा।" इसलिए वह छड़ी को अपने साथ लेकर ही समुद्र में नहाने चला गया। वह आराम से पानी में नहा ही रहा था कि अचानक समुद्र में एक बड़ी लहर आई। उस तेज लहर के कारण उसके हाथ से छड़ी फिसल गई। देखते ही देखते वह छड़ी समुद्र की लहरों के साथ दूर बह गई और खो गई। अब वह व्यक्ति बहुत दुखी हो गया। वह बार-बार समुद्र की तरफ देखने लगा और सोचने लगा कि काश उसकी छड़ी वापस मिल जाए। वह किनारे पर बैठकर उदास हो गया। उसी समय वहां से एक संत गुजर रहे थे। उन्होंने उस व्यक्ति को दुखी देखा तो उसके पास आकर पूछा, "बेटा, तुम इतने परेशान क्यों बैठे हो?" व्यक्ति ने दुखी होकर कहा, "मेरी चांदी की छड़ी समुद्र में बह गई है।" संत ने पूछा, "तुम छड़ी लेकर समुद्र में नहाने क्यों गए थे?" व्यक्ति बोला, "अगर मैं छड़ी को किनारे पर रखकर नहाने जाता तो कोई उसे उठा ले जाता।" संत ने फिर पूछा, "तुम चांदी की छड़ी लेकर यहां क्यों आए थे?" यह सुनकर व्यक्ति ने कहा, "मैं छड़ी लेकर नहीं आया था। मुझे यह छड़ी यहीं किनारे पर पड़ी हुई मिली थी।" यह बात सुनते ही संत मुस्कुराने लगे। उन्होंने कहा, "जब वह छड़ी तुम्हारी थी ही नहीं, तो उसके खोने पर इतना दुख क्यों कर रहे हो?" संत की बात सुनकर व्यक्ति को अपनी गलती समझ में आ गई।

रोबोट सैनिक 'फैंटम एमके-1' तैयार

अमेरिका ईरान के खिलाफ युद्ध में उतरेगा रोबोट सैनिक

प्रमोद भार्गव

सैन्य प्रौद्योगिकी की दुनिया में दिखाई जाने वाली फिल्मी कहानियां अब मानव जीवन की ठोस सच्चाई में बदलती दिख रही हैं। अमेरिकी टेक कंपनी 'फाउंडेशन' ने दुनिया का पहला आदमी जैसा ह्यूमनॉइड कृत्रिम बुद्धि से संचालित रोबोट सैनिक 'फैंटम एमके-1' तैयार कर लिया है। स्टील से बना यह सैनिक रोबोट एम-16 राइफल, रिवॉल्वर और शॉटगन जैसे हथियार चलाने में दक्ष है। इस सैनिक की दक्षता की परख फिलहाल कारखानों और बंदरगाहों पर की जा रही है। अमेरिका ही नहीं रूस, चीन और भारत भी ऐसे सैनिक बनाने में जुटे हैं। भारत का डीआरडीओ ये रोबोट बना रहा है। इजरायल ऐसे सैनिक बना चुका है। हालांकि सैनिक के रूप में अभी उनका युद्ध के मैदान में परीक्षण होना शेष है। यह एक नए शीत युद्ध और नई तकनीक की होड़ की शुरुआत है, जो दुनिया को ऐसे स्व-नियंत्रित रोबोट सैनिकों को सौंपने जा रही है, जो कृत्रिम बुद्धि से विस्फोटक निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। इजरायल पहले ही एक ऐसी 'रोक रोबोट' सेना तैयार कर चुका है, जो न केवल युद्ध लड़ेगी, बल्कि सीमा पर इंसानी सैनिकों की जगह भी ले लेगी।

मनुष्य मनुष्य की सोच असीम संभावनाओं से जुड़ी है। कल्पना से शुरू होने वाले विचार सच्चाई के धरातल पर आकार लेते हैं, तो आंखें हैरान रह जाती हैं। सैन्य प्रौद्योगिकी की दुनिया में दिखाई जाने वाली फिल्मी कहानियां अब मानव जीवन की ठोस सच्चाई में बदलती दिख रही हैं। अमेरिकी टेक कंपनी 'फाउंडेशन' ने दुनिया का पहला आदमी जैसा ह्यूमनॉइड कृत्रिम बुद्धि से संचालित रोबोट सैनिक 'फैंटम एमके-1' तैयार कर लिया है। स्टील से बना यह सैनिक रोबोट एम-16 राइफल,रिवॉल्वर और शॉटगन जैसे हथियार चलाने में दक्ष है।इस सैनिक की दक्षता की परख फिलहाल कारखानों और बंदरगाहों पर की जा रही है। अमेरिका ही नहीं रूस,चीन और भारत भी ऐसे सैनिक बनाने में जुटे हैं। भारत का डीआरडीओ ये रोबोट बना रहा है। इजरायल ऐसे सैनिक बना चुका है। हालांकि सैनिक के रूप में अभी उनका युद्ध के मैदान में परीक्षण होना शेष है। यह एक नए शीत युद्ध और नई तकनीक की होड़ की शुरुआत है,जो दुनिया को ऐसे स्व-नियंत्रित रोबोट सैनिकों को सौंपने जा रही है, जो कृत्रिम बुद्धि से विस्फोटक निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। इजरायल पहले ही एक ऐसी 'रोक रोबोट' सेना तैयार कर चुका है, जो न केवल युद्ध लड़ेगी, बल्कि सीमा पर इंसानी सैनिकों की जगह भी ले लेगी। इजरायल की विख्यात रक्षा कंपनी इल्बिट रोबो टीम ने इस सेना को तैयार किया है। रोबो टीम के सीईओ इलाजलेवी के मुताबिक अब तक आकाश में ड्रोन और हवाई रोबोट के जरिए होने वाले सभी काम अब धरती पर भी हो सकेंगे। मानव रहित रोक रोबोट के अंदर स्वयं ही खतरों को भांपकर फैसला लेने की क्षमता विकसित कर दी गई है। कृत्रिम बौद्धिक क्षमता से परिपूर्ण ये रोबोट जंग के मैदान में खराब होने पर इसके पुर्जे साथ चलने वाले रोबोट सैनिक बदल देंगे। इसकी इस विशेषता से रोबोट सैनिक एकाएक निष्क्रिय नहीं होयेंगे। 200 किलोग्राम वजन वाले इस रोक रोबोट की दौड़ने की क्षमता 30 किलोमीटर प्रतिघंटा है। यह 1200 किलोमीटर मारक क्षमता वाले हथियार लेकर चलने में सक्षम हैं। इसकी कीमत डेढ़ लाख डॉलर से लेकर तीन लाख डॉलर तक है। मसलन भविष्य के युद्ध रोबोट थल सेना लड़ेगी। ये सैनिक डर और थकान से मुक्त होंगे। कृत्रिम बौद्धिकता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पिछले एक दशक से अपनी हैरतअंगेज उपलब्धियों व भविष्य की संभावनाओं के चलते दुनिया में चर्चा का विषय बनी हुई है। एलन मस्क, बिल गेट्स और स्टीफन हॉकिंग ने इसकी अतिरिक्त बुद्धि एवं शक्ति से आशंकित होकर कई बार चेताया भी है। बावजूद अनेक ऐसे पूंजी-निवेशक और वैज्ञानिक हैं, जो एआई को एक बेहतर भविष्य के सपने के रूप में देखते रहे हैं। क्योंकि आज रोबोट कारखानों में मजदूरी के काम से लेकर शिक्षक, टीवी एंकर, नर्स और अब सैनिक की भूमिका में अवतरित होने जा रहा है। सॉफ्ट बैंक के सीईओ मासायोषी सॉन ने कहा है कि कालांतर में हमारे जूते भी हमारे दिमाग से कहीं ज्यादा होशियार होंगे।

इसलिए सवाल उठ रहे हैं कि कहीं भविष्य में यह मशीनी रोबोट मनुष्य पर ही भारी न पड़ जाए। मानव और मशीन के बीच पैदा होने वाले ये द्वंद हकीकत में किस सच्चाई के रूप में सामने आएंगे, यह तो फिलहाल भविष्य के गर्भ में है, लेकिन जब-जब कोई नया आविष्कार हुआ है तो वह शंका का कारण तो बना ही है। भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में कृत्रिम बुद्धि (आर्टिफिशियल इनटेलीजेंसी) से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ा दी जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरूआत की गई है। इस परियोजना का लक्ष्य मानव रहित टैंक, जलपोत, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी तक खड़ी की जाने की तैयारी है। हवाईयानों को भी रोबोटिक हथियारों से सक्षम बनाया जाएगा। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है। इसमें भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) भी सहयोग कर रहा है। दरअसल भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ही ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इससे युद्ध में मानव सैनिकों के प्राण बचेंगे। परंतु रक्षा विशेषज्ञों की चिंता है कि यदि युद्ध के दौरान एआई में तकनीकी व्यवधान और हैकिंग के बड़े संकट हैं। अतएव इंसानी नियंत्रण से मुक्त इन मशीनी सैनिकों को फैसले लेने की छूट मिल जाती है तो ये युद्ध को पलों में तांडव में बदल सकते हैं। लेकिन भारत जैसे देश को सेना को बदलती परिस्थितियों की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य शत्रुओं की चुनौती कहीं अधिक है। साफ है, इनसे निपटना आसान नहीं है। क्योंकि ये सामने तो दिखाई नहीं देते हैं, मगर इनका धोखे से किया गया हमला बड़ा खतरनाक होता है। ऐसे ही हमलों के चलते हम कश्मीर घाटी और पाक सीमा पर 42000 से भी ज्यादा नागरिक और सैनिक गवां चुके हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए इन आतंकियों ने 26 पर्यटकों के प्राण ले लिए थे। इसी की प्रतिक्रिया में ऑपरेशन सिंदूर जारी था। साफ है, इन धोखेबाज ताकतों से अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से जुड़े उपकरणों से ही निपटना बेहतर है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य व अदृश्य शक्ति के रूप में उतरकर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट घाटी एवं नियंत्रण रेखा पर जो आतंक प्रभावित क्षेत्र हैं, उनमें सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा के लौह कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। यही नहीं दुश्मन की घुसपैठ को नाकाम बनाने और पाकिस्तानी सेना के हमलों से मुकाबले में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी। कृत्रिम बुद्धि (एआई) वाले ये रोबोट सेना के रूप में सीमा पर शक्ति का पर्याय बनके दुश्मन पर कहर बनकर टूटेंगे। इसी मंशा के अनुरूप रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्वेलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्केन कर सेना के सक्षम कंप्युटरों में उतार देंगे। वीडियोग्राफी के जरिए ये इनके ठिकानों के निश्चित स्थल से चित्र सहित अवगत करा देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉंचिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले व अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आसपास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों या पाकिस्तान के छद्म दस्ते के छिपे होने की आशंका हो। लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। रोबोटिक्स आर्मी यूनिट को संचालित करने के लिए सैन्य अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों व जवानों को इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। दुश्मन के घर में घुसकर मार करने में सक्षम रोबोटिक युद्धक वाहन (आरसीवी) खरीदने पर भी सेना विचार कर रही है। ये युद्धक वाहन सेना का हिस्सा बन जाएंगे, तब भारतीय सेना बहुत शक्तिशाली हो जाएगी।

बाज़ार नज़रिया: रेज़र की धार पर बैठा 'स्नेल'

जब धैर्य ही हो सबसे बड़ी निवेश रणनीति

हाल के हफ्तों में वैश्विक अनिश्चितता, कमोडिटी बाज़ार में तेज़ चाल और इक्विटी मार्केट में बढ़ते उतार-चढ़ाव ने निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है। ऐसे माहौल में जल्दबाज़ी में फैसले लेना अक्सर जोखिम को बढ़ा देता है।

आज के मार्केट को अगर एक तस्वीर से समझाना हो, तो वह है – रेज़र की धार पर बैठा हुआ स्नेल। ऐसी स्थिति में कोई भी अचानक मूवमेंट–चाहे डर में लिया गया फैसला हो या डिप में खरीदने की जल्दी निवेशकों को नुकसान की ओर ले जा सकता है। इसलिए, मौजूदा बाज़ार को शांत दिमाग से समझना अत्यंत आवश्यक है।

निफ्टी: अभी मजबूत फ्लोर स्पष्ट नहीं

निफ्टी के लिए 26,300 का स्तर फिलहाल एक मजबूत सीलिंग (अवरोध) की तरह दिखाई दे रहा है। पिछले एक महीने में करीब 6% की गिरावट केवल सामान्य उतार-चढ़ाव नहीं मानी जा रही, यह बड़े निवेशकों (एफआईआई/डीआईआई) की सतर्कता का भी संकेत हो सकता है।

तकनीकी दृष्टि से देखें, तो लगभग 21,000 के आसपास तक कोई बहुत मजबूत सपोर्ट स्पष्ट नहीं दिखता। ऐसे में, जल्दबाज़ी में खरीदारी करना जोखिम भरा हो सकता है।

रणनीति: फिलहाल धैर्य रखना बेहतर है और मार्केट को पहले अपना स्थिर फ्लोर (आधार) बनाने देना चाहिए।

गोल्ड: सेफ्टी के नाम पर जल्दबाज़ी से बचें

हाल के महीनों में गोल्ड की कीमतों में तेज़ उछाल देखने को मिला और यह लगभग 1,80,000 प्रति 10 ग्राम के आसपास तक पहुंच गया। यह तेज़ी काफी हद तक वैश्विक असुरक्षा और सुरक्षित निवेश की तलाश से प्रेरित रही।

लेकिन ऐसे ऊँचे स्तरों पर खरीदारी करते समय निवेशकों को सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि कई बार पहले से निवेश कर चुके बड़े खिलाड़ी इसी समय अपने पोज़िशन बुक करके बाहर निकलते हैं। जब बाज़ार का माहौल सामान्य होता है, तो कीमतों में करेक्शन भी देखने को मिल सकता है।

रणनीति: केवल सेफ एसेट के नाम पर गोल्ड के पीछे भागना समझदारी नहीं हो सकता। एलोकेट के हिसाब से ही निवेश करें।

सिल्वर: इंडस्ट्रियल डिपेंडेंस पर नज़र

सिल्वर में हाल के दिनों में लगभग 10% की गिरावट देखी गई है। गोल्ड के विपरीत, इसकी मांग काफी हद तक मैन्युफैक्चरिंग और इंडस्ट्री पर निर्भर करती है, जहां कई उद्योग लागत कम करने के लिए धीरे-धीरे सिल्वर का उपयोग घटाने या उसके विकल्प तलाशने की दिशा में बढ़ रहे हैं।

रणनीति: सिल्वर में निवेश करते समय उसकी उच्च वोलैटिलिटी (अस्थिरता) और इंडस्ट्रियल डिमांड के रुझान को ध्यान में रखना चाहिए।

युद्ध की खबरें और बाजार की वास्तविकता

अक्सर बाजार की हर हलचल को युद्ध या जियोपॉलिटिकल तनाव से जोड़ दिया जाता है। लेकिन इतिहास बताता है कि युद्ध से जुड़ी खबरों का प्रभाव अक्सर अल्पकालिक होता है, और अंततः बाजार ब्याज दरों, महंगाई और कॉरपोरेट कमाई जैसे मूल कारकों पर लौट आते हैं।

कई बार युद्ध से जुड़ी खबरें केवल एक ट्रिगर के रूप में सामने आती हैं, जबकि बाज़ार के भीतर पहले से मौजूद दबाव या असंतुलन वास्तविक कारण होते हैं।

लेखक की व्यक्तिगत निवेश रणनीति

व्यक्तिगत रूप से, मैंने भी फिलहाल एक रक्षात्मक रुख अपनाया है। पिछले कुछ हफ्तों में मैंने अपनी अधिकांश इक्विटी और कमोडिटी पोज़िशन से निकलकर अपने फंड का एक बड़ा हिस्सा डेब्ट इंस्ट्रूमेंट्स (बांड, एफडी, मनी मार्केट फंड) में शिफ्ट किया है। ऐसे अनिश्चित बाज़ार में कई बार पूंजी की सुरक्षा, रिटर्न के पीछे भागने से अधिक महत्वपूर्ण होती है।

निष्कर्ष: फिलहाल वेट एंड वॉच ही बेहतर

फिलहाल बाजार में स्पष्ट खरीदने का सिग्नल दिखाई नहीं दे रहा, जबकि रिस्क का सिग्नल लगातार चेतावनी दे रहा है। मौजूदा मार्केट करेक्शन केवल युद्ध की वजह से नहीं हो रहा – युद्ध तो बस उस बाजार के लिए एक ट्रिगर बना है, जो पहले से ही काफी खिंचा हुआ था और सुधार के लिए तैयार बैठा था।

ऐसे समय में एफओएमओ (कुछ छूट जाने का डर) निवेशकों का सबसे बड़ा दुश्मन बन जाता है। जब कीमतें तेजी से ऊपर या नीचे जाती हैं, तो तुरंत कूद पड़ने का मन करता है, लेकिन अक्सर वही समय सबसे अधिक जोखिम भरा होता है।

नवल किशोर बाहेती

आप का नज़रिया

नए विषयों के कालेज जरूरी

स्कूली शिक्षण परिसरों में एक रैंकिंग के तहत हिमाचल सरकार ने अगर सीबीएसई पाठ्यक्रम को मंजूर किया, तो अब कालेजों की रैंकिंग भी एक नया सफर है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर कुल 134 कालेजों की विरासत में एक नया आयाम जोडऩा चाहते हैं। नैक की तर्ज पर राज्य के अपने तरीके से कालेजों की कैटेगिरी सामने आएगी। फिलहाल नैक की दृष्टि व मानदंडों के तहत महज 34 कालेज ही अपनी पात्रता बुलंद कर पाए हैं, फिर भी यह प्रयास है कि सभी परिसर, शैक्षणिक तरक्की के बिंदुओं पर गौरवान्वित हों। हिमाचल में शिक्षा को लेकर खूब सियासी नारेबाजी होती रही और यही वजह रही कि अब कुछ संस्थान अपनी प्रासंगिकता खो रहे हैं। सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम के प्रवेश ने यह साबित करना शुरू किया है कि अभिभावक भी गंभीरता से सरकार के प्रयास को साधुवाद देकर इनमें लौटने का कारण समझ रहे हैं। इसी तरह कालेजों को भी अपनी बुनियाद को साबित करने का अवसर मिलना चाहिए। ऐसे में ग्रामीण, शहरी व विशिष्ट स्थानों के कालेजों के हिसाब बदलने होंगे। ग्रामीण कालेजों में छात्रों का मनोबल व समर्थन बढ़ाने के लिए इन्हें सीधे करियर से जोडऩा चाहिए, जबकि शहरी कालेजों के आदर्श व पाठ्यक्रम वैश्विक दृष्टि के अनुरूप हों तो पढ़ाई की औपचारिकता से कहीं आगे स्टार्टअप, स्वावलंबन और अनुसंधान का ढांचा मजबूत होगा। तीसरे कालेज अपनी विशिष्टता, लोकेशन व प्रमाणिक इतिहास की वजह से ऐसा स्थान रखते हैं और जिन्हें विषय विशेष के राज्य स्तरीय परिसर बना देना चाहिए। ये वे कालेज हैं जहां छात्र संख्या तीन से छह हजार तक पहुंच रही है। सभी प्रकार के कालेजों में प्रवेश की शर्तें, परिवेश और रैंकिंग के मुताबिक होंगी, तो इन परिसरों की प्रासंगिकता भी बढ़ेगी। ग्रामीण परिवेश में सामुदायिक कालेजों के तहत कृषि, बागबानी, कौशल विकास के विषय प्राथमिक बन जाएं तो छात्रों को आगे बढऩे का रास्ता मिलेगा। उदाहरण के लिए अगर पौंग बांध के किनारे स्थित नगरोटा सूरियां कालेज को कालेज ऑफ फिशरीज स्टडी बना दिया जाए, तो वहां शिक्षा सीधे प्रोफेशन में तबदील हो जाएगी। इसी तरह खेल छात्रावासों के करीब कालेज परिसरों में स्पोट्र्स विंग स्थापित कर देने चाहिएं। चंबा कोलज का योगदान बच्चों के हुनर में धरोहर संस्कृति व कलात्मक पहलुओं पर हो, तो पारंपरिक ज्ञान में वैज्ञानिक वृद्धि होगी और छात्र सीधे कला वस्तुओं के उत्पादन में अपने लिए रोजगार चुन लेंगे। राज्य स्तरीय कालेजों की शिनाख्त में शिमला, धर्मशाला, मंडी, सोलन, कुल्लू, हमीरपुर, ऊना व नाहन जैसे कालेजों को एक या इससे अधिक विषयों के विशिष्ट कालेज बना देना चाहिए। हिमाचल की उच्च शिक्षा में अध्ययन की एक परिपाटी तो कालेजों को स्नातकोत्तर बना कर देखी गई, लेकिन इससे विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास रुक गया। आखिर क्यों अभिभावक बच्चों को दिल्ली, चंडीगढ़, शिमला, मंडी, धर्मशाला या सोलन जैसे शहरों में भेजना चाहते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में हिमाचल में खुले सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों के स्थल चयन से लेकर उनके औचित्य पर सवाल उठ रहे हैं। बीएड व इंजीनियरिंग कालेजों का अनावश्यक विस्तार अब छात्रों की मैरिट को नहीं चमका रहा है। केंद्रीय विश्वविद्यालय का औचित्य और इतिहास यूं तो धर्मशाला के नाम से जुड़ा है, लेकिन आज तक इसे सियासी खिलौना बनाकर जदरांगल परिसर का निर्माण ही नहीं हुआ। अभिभावकों व छात्रों की रुचि से ही शिक्षण संस्थान प्रतिष्ठित होते हैं। इसलिए रैंकिंग के साथ यह सर्वेक्षण भी हो कि हिमाचल के छात्र किन स्थानों पर अपनी शैक्षणिक ऊर्जा को परिमार्जित करना चाहते हैं। प्रदेश को कुछ कालेजों को स्पोट्र्स, आर्ट एंड म्यूजिक, डिफेंस स्टडीज तथा औद्योगिक स्टडीज के कालेजों में पहचान दिलानी चाहिए। बीबीएन क्षेत्र में उद्योगों से जुड़े विविध विषयों, मार्केटिंग, अकाउंटिंग तथा पर्यावरणीय विषयों से सुसज्जित संस्थान विकसित करना चाहिए। इसी तरह शहरीकरण तथा बाजारबाद के दौर में पैदा हो रहे रोजगार पर केंद्रित कालेज भी खोला जा सकता है।

सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम के प्रवेश ने यह साबित करना शुरू किया है कि अभिभावक भी गंभीरता से सरकार के प्रयास को साधुवाद देकर इनमें लौटने का कारण समझ रहे हैं। इसी तरह कालेजों को भी अपनी बुनियाद को साबित करने का अवसर मिलना चाहिए। ऐसे में ग्रामीण, शहरी व विशिष्ट स्थानों के कालेजों के हिसाब बदलने होंगे। ग्रामीण कालेजों में छात्रों का मनोबल व समर्थन बढ़ाने के लिए इन्हें सीधे करियर से जोडऩा चाहिए, जबकि शहरी कालेजों के आदर्श व पाठ्यक्रम वैश्विक दृष्टि के अनुरूप हों तो पढ़ाई की औपचारिकता से कहीं आगे स्टार्टअप, स्वावलंबन और अनुसंधान का ढांचा मजबूत होगा। तीसरे कालेज अपनी विशिष्टता, लोकेशन व प्रमाणिक इतिहास की वजह से ऐसा स्थान रखते हैं और जिन्हें विषय विशेष के राज्य स्तरीय परिसर बना देना चाहिए। ये वे कालेज हैं जहां छात्र संख्या तीन से छह हजार तक पहुंच रही है। सभी प्रकार के कालेजों में प्रवेश की शर्तें, परिवेश और रैंकिंग के मुताबिक होंगी, तो इन परिसरों की प्रासंगिकता भी बढ़ेगी। ग्रामीण परिवेश में सामुदायिक कालेजों के तहत कृषि, बागबानी, कौशल विकास के विषय प्राथमिक बन जाएं तो छात्रों को आगे बढऩे का रास्ता मिलेगा। उदाहरण के लिए अगर पौंग बांध के किनारे स्थित नगरोटा सूरियां कालेज को कालेज ऑफ फिशरीज स्टडी बना दिया जाए, तो वहां शिक्षा सीधे प्रोफेशन में तबदील हो जाएगी।

दृष्टि कोण

चीन से सावधान रहने की अभी भी दरकार

समाचारों के हवाले से यह सूचना आ रही है कि भारत सरकार ने चीन से आने वाले निवेश पर बंदिशों में ढील दे दी है। गौरतलब है कि 2020 के प्रेस नोट-3 के तहत चीन सहित पड़ोसी देशों से निवेश के लिए सरकारी मंजूरी अनिवार्य कर दी गई थी। वर्ष 2020 के प्रेस नोट-3 में बनाए गए नियमों के तहत चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, म्यांमार और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों की विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए अभी तक पहले सरकारी मंजूरी लेनी पड़ती थी। इसमें यह भी प्रावधान था कि चाहे निवेश किसी भी अन्य देश के माध्यम से आया हो, लेकिन यदि इसका लाभकारी स्वामित्व इन पड़ोसी देशों में स्थित हो, तो भी पूर्व सरकारी मंजूरी का यह प्रावधान लागू होता है। प्रेस नोट-3 से पहले भारत में अधिकांश क्षेत्रों से विदेशी निवेश स्वचालित मार्ग से आता था। गौरतलब है प्रेस नोट-3 का मुख्य उद्देश्य चीन से आने वाले निवेश के रास्ते में रुकावट लगाना था। गौरतलब है कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में खटास आ गई। उस दौर में सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा और डेटा गोपनीयता को प्राथमिकता देते हुए न केवल चीन से पूंजी निवेश पर रुकावटें खड़ी की, बल्कि टिकटॉक समेत 200 से अधिक मोबाइल एप्लीकेशन पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि गलवान झड़प के बाद पिछले 5 सालों से अधिक समय से चीन ने सीमा विवाद खड़े करने समेत ऐसी कोई बड़ी आपत्तिजनक हरकत नहीं की है, लेकिन पूरी दुनिया में इस बात को लेकर मतैक्य है कि चीन द्वारा विभिन्न माध्यमों से जासूसी करने और कंप्यूटर प्रणाली को हैक करने की सदैव प्रवृत्ति रही है, और इसमें कोई सुधार अभी तक नहीं हुआ है और न ही सुधार की कोई आशा है। पिछले 5 सालों से अधिक समय से चीन के निवेश पर जो बंदिशें लगी हुई थी, अचानक उन्हें हटाने पर आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि ऐसा क्यों किया गया? छानबीन करने पर पता चलता है कि इस संबंध में नीति आयोग की सिफारिशें चीनी निवेश पर रोक हटाने का सबसे बड़ा कारण बनी। देखा जाए तो इन बंदिशों के कारण अप्रैल 2000 से दिसंबर 2025 के बीच चीन से

एफडीआई भारत में आने वाली कुल एफडीआई का मात्र 0.32 प्रतिशत यानी 2.51 अरब डालर रहा। लेकिन जहां चीन से आने वाली एफडीआई कम होती गई, इस दौरान चीन से बढ़ते आयातों के चलते चीन के साथ व्यापार घाटा लगातार बढ़ते हुए वर्ष 2024-25 में 99.2 अरब डालर तक पहुंच गया। प्रेस नोट-3 के लागू होने के पहले भारत के स्टार्टअप में चीनी निवेशक बड़ी मात्रा में निवेश कर रहे थे। लेकिन 2020 के बाद सरकारी मंजूरी की बाध्यता के कारण चीनी निवेश धीमा हो गया। यही नहीं इस दौरान चीन की इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को न केवल नए ठेकों से बाहर किया गया, बल्कि जिन ठेकों के बारे में निर्णय लंबित था, उनसे भी चीन को बाहर कर दिया गया। क्या है नीति आयोग की सिफारिशें : सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग ने दो विकल्प सरकार के सामने रखे। पहला कि प्रेस नोट-3 को निरस्त कर दिया जाए और चीन से निवेश पूर्व की भांति बहाल किया जाए। नीति आयोग ने दूसरा विकल्प यह दिया कि चूंकि 2020 के बाद चीनी निवेश पर बंदिशें लगाने के कारण प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रभावित हुआ है, इसलिए किसी भी भारतीय कंपनी में 24 प्रतिशत तक हिस्सेदारी वाले निवेश पर बिना किसी अनुमति के निवेश खोल दिया जाना चाहिए। इन सिफारिशों को मानना या न मानना सरकार पर निर्भर करता है। नीति आयोग का यह कहना है कि चीन की बीवाईडी नाम की कंपनी द्वारा कार मैन्युफैक्चरिंग के संयुक्त उपक्रम में एक अरब डालर के निवेश का प्रस्ताव इन नियमों के कारण निरस्त हुआ। चीन के निवेश पर लगी रोक के कारण दक्षिण एशियाई देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बहुत कम हो गया और देश में कुल निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एक अरब डालर से भी कम रह गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक़ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें। हालाँकि किसी चमत्कार की उम्मीद न करें। आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकते हैं। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने वज़न पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। परिवार के साथ आज शॉपिंग पर जाना संभव हैं, परन्तु थकान का अनुभव भी हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आशावादी बनें और उजले पक्ष को देखें। आपका विश्वास और उम्मीद आपकी इच्छाओं व आशाओं के लिए नए दरवाज़े खोलेंगी। आर्थिक तौर पर सिर्फ़ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस-पास के लोगों को दुःखी कर सकती है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। आपको महसूस हो सकता है कि आप अपना दिन बर्बाद कर रहे हैं। इसलिए अपने दिन की योजना बेहतर तरीक़े से बनाएँ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

शकी स्वभाव के चलते आपको हार का मुँह देखना पड़ सकता है। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। शाम को रसोई के लिए ज़रूरी चीज़ों की ख़रीदारी आपको व्यस्त रखेगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़ किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। आपकी ऊर्जा आज बेवजह के कामों में जाया हो सकती है। जीवन को सही से जीना चाहते हैं तो टाइम टेबल के हिसाब से चलना सीखें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप अपना खाली समय अपनी माता की सेवा में बिताना चाहेंगे लेकिन ऐन मौके पर किसी काम के आ जाने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। इससे आपको परेशानी होगी। अपने काम के प्रति आज आपका फोकस गजब का होगा। आपके काम को देखकर आज बॉस आपसे खुश हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

मानसिक शान्ति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। हँसी-मज़ाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप पर्याप्त आराम नहीं कर रहें है तो आप बहुत ज़्यादा थकान महसूस करेंगे और आपको अतिरिक्त आराम की ज़रूरत होगी। नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अपने प्रिय को आज निराश न करें- क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत में टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देख सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। किसी दूर के रिश्तेदार के यहां से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। रोमांस आपके दिल-दिमाग़ पर छाया रहेगा, क्योंकि आज आपकी मुलाक़ात अपने प्रिय से होगी। हवन/पूजा-पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। इसका अनुभव कीजिए। अपने घर में बिखरी चीजों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ। आप कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज खेल-कूद में हिस्सा लें । यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आप-को पैसा लौटा सकता है। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं । आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। किसी पार्क में बैठकर आज आपको सुकून मिलेगा। जीवन को आज आप नजदीक से जान पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखें। ख़ास तौर पर माइग्रेन के मरीज़ों को समय पर खाना नहीं छोड़ना चाहिए, नहीं तो उन्हें व्यर्थ में भावनात्मक तनाव से गुज़रना पड़ सकता है। प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। तल्ख़ बर्ताव के बावजूद आपको जीवन-साथी का सहयोग मिलेगा। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका कोई दोस्त आज आपकी जमकर तारीफ कर सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बेकार के ख़यालों में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें, बल्कि इसे सही दिशा में लगाएँ। दोस्तों के साथ कुछ करते वक़्त अपने हितों को अनदेखा न करें साथ ही आज आप मस्तीभरे सफ़र पर भी जा सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। वैवाहिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव के बाद एक-दूसरे के प्यार को सराहने का यह सही दिन है। आज आप फ़ोटोग्राफ़ी करके आने वाले कल के लिए कुछ बेहतरीन यादें संजो सकते हैं ।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 मार्च 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी प्रातः 08:28 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा रात्रि 05:21 तक
योग : शुभ रात्रि 04:00 तक
करण : शकुन प्रातः 08:28 तक
चन्द्रराशि : कुंभ रात्रि 11:36 तक
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 06:26 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:25, सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पितृकार्य अमावस्या , मन्वादि तिथि, उत्तराभाद्रपदा में रवि प्रातः 09:20 से , विक्रम संवत् 2082 पूर्ण

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

साइबर क्राइम पर सख्ती, मामलों में आई कमी : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 17 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य में साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस प्रशासन पूरी गंभीरता और तत्परता के साथ कार्य कर रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। वर्ष 2024 की तुलना में वर्ष 2025 में साइबर क्राइम के मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2024 में जहां 6054 मामले सामने आए थे, वहीं वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 5000 रह गई, जो लगभग 17 प्रतिशत की गिरावट दर्शाती है। इसी प्रकार ठगी के मामलों में भी बड़ी कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2024 में 9804 मामलों की तुलना में वर्ष 2025 में यह संख्या घटकर 6324 रह गई, जो करीब 36 प्रतिशत की कमी है। मुख्यमंत्री मंगलवार को हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान प्रश्नकाल में विधायक आफताब अहमद द्वारा साइबर क्राइम से संबंधित पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने साइबर अपराध की बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए अलग से साइबर क्राइम विभाग का गठन किया है, जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय ऐसा कोई समर्पित विभाग नहीं था। मुख्यमंत्री ने बताया कि साइबर अपराध में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जा रही है। वर्ष 2024 में

5156 गिरफ्तारियां की गई थीं, जबकि वर्ष 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 8093 हो गया, जो लगभग 57 प्रतिशत की वृद्धि है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर अपराध के तौर-तरीकों में लगातार बदलाव आ रहा है और अपराधी नई-नई तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं, जिनमें डिजिटल अरेस्ट जैसे मामले भी सामने आ रहे हैं। ऐसे मामलों में ठगी गई राशि को कई खातों में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस, बैंकों के सहयोग से संबंधित राशि को तुरंत होल्ड कर देती है। वर्ष 2024 में होल्ड की गई राशि का प्रतिशत 27 था, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया है, अर्थात इसमें 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने जीरो एफआईआर की व्यवस्था भी लागू की है, जिसके तहत साइबर अपराध के मामलों में पीड़ित व्यक्ति 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। यह एफआईआर स्वतः संबंधित थाने को स्थानांतरित कर दी जाती है, जिससे त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित होती है।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि साइबर क्राइम कंट्रोल रूम में विभिन्न बैंकों के 16 नोडल अधिकारी तैनात हैं, जो पुलिस के साथ समन्वय कर ठगी गई राशि को होल्ड कराने में अहम भूमिका निभाते हैं। जांच पूरी होने तक इस राशि को निकाला नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 के बजट प्रस्तावों में साइबर अपराध पर और प्रभावी नियंत्रण के लिए गोहाना, बहादुरगढ़ और सोनीपत में तीन नए साइबर पुलिस स्टेशन खोलने की घोषणा की गई है, जिससे इस दिशा में कार्यों को और गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के मामलों में 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग अधिक प्रभावित हो रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए हमने निर्णय किया है कि ड्यूल ओटीपी का प्रावधान किया जाएगा। क्योंकि जब कोई डिजिटल अरेस्ट होता है और ठगी के लिए बैंक से जुड़े खाते के लिए ओटीपी मांगा जाता है तो उसका ओटीपी बुजुर्ग के साथ-साथ उसके बच्चे को भी जाएगा।

भाजपा सिर्फ हथकंडों के दम पर जीतना चाहती है : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 17 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि विधानसभा चुनाव के बाद बीजेपी राज्यसभा चुनाव में भी वोट चोरी के अपराध को अंजाम देने से बाज नहीं आई। इस चुनाव में सत्ताबल का दुरुपयोग कर बीजेपी ने हमारे नेता राहुल गांधी के आरोपों को सच साबित कर दिया है। संख्याबल ना होते हुए भी बीजेपी द्वारा पार्टी उपाध्यक्ष दूसरे उम्मीदवार को चुनाव में उतारना बताता है कि इस पार्टी का लोकतंत्र और जनमत में कोई भरोसा नहीं है। ये सिर्फ हथकड़ों के दम पर जीतना चाहती है। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बीजेपी ने लोकतंत्र का गला घोंटने के लिए तमाम हथकंडे अपनाए। सरकारी तंत्र का जमकर दुरुपयोग किया गया। कांग्रेस के चार वैध वोट भी रद्द कर दिए गए, जबकि वे वोट रिटर्निंग ऑफिसर ने कई बार स्वीकार भी किए थे। विधायक भारत भूषण बतरा ने बताया कि बीजेपी को जितवाने के लिए रिटर्निंग ऑफिसर ने पूरी तरह बीजेपी का एजेंट बनकर काम किया। फिर भी, कांग्रेस के वफादार विधायकों की एकजुटता के आगे बीजेपी और रिटर्निंग ऑफिसर दोनों को मुंह की खानी पड़ी। आखिरकार कांग्रेस उम्मीदवार राज्यसभा पहुंच गए।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि जिन 5 कांग्रेस विधायकों ने पार्टी के विरुद्ध क्रॉस वोटिंग की, उनके नाम हाईकमान को भेज दिए गए हैं। इन सभी को खुद ही विधायक पद से इस्तीफा दे देना चाहिए, वरना आने वाले कुछ दिनों में पार्टी की ओर से इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में पार्षदों की वोट चोरी की गई थी इस बार विधायकों की वोट चोरी की गई : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 17 मार्च (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा, जय प्रकाश, वरुण चौधरी, सतपाल ब्रह्मचारी ने राज्य सभा चुनाव में जीत के लिए कांग्रेस विधायकों का धन्यवाद किया। सभी सांसदों ने सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वाले एक साधारण कार्यकर्ता को राज्य सभा उम्मीदवार बनाने और जीत सुनिश्चित कराने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल का विशेष धन्यवाद दिया। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि पूरे देश ने देखा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा रात के अंधेरे में किस प्रकार से लोक तंत्र की हत्या करने की कोशिश की गई। लेकिन कांग्रेस विधायकों ने बीजेपी के साम-दाम-दंड-भेद के खेल को फेल किया और मजबूती से कांग्रेस पार्टी के साथ खड़े रहे। दीपेन्द्र हुड्डा ने आरोप लगाया कि रिटर्निंग अधिकारी पूरी तरह से पक्षपात करते हुए बीजेपी एजेंट के रूप में काम कर रहे थे। कांग्रेस की 4 वोट को गलत ढंग से रद्द किया। चंडीगढ़ मेयर चुनाव में पार्षदों की वोट चोरी की गई थी, इस बार विधायकों की वोट चोरी की गई। बीजेपी ने गुजरात के उप-मुख्यमंत्री को पर्यवेक्षक बनाकर भेजा क्योंकि बीजेपी हर हाल में ये सीट हासिल करना चाहती थी। उसने क्रॉस वोटिंग कराने समेत हर तरह की प्लानिंग की। लेकिन कांग्रेस विधायकों ने खरीद फरोख्त का बीजेपी का पूरा खेला नाकाम कर दिया।

भाजपा के तमाम प्रयासों के बावजूद कांग्रेस उम्मीदवार की जीत, लोकतंत्र और सत्य की विजय : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 17 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार की जीत के बाद हरियाणा कांग्रेस में उत्साह, उल्लास और जश्न का माहौल देखने को मिला। इस जीत को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने न केवल एक राजनीतिक सफलता, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और सत्य की जीत के रूप में भी स्वीकार किया। परिणाम घोषित होते ही कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई और विभिन्न स्थानों पर जश्न मनाया गया। नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद कर्मवीर सिंह बौद्ध जीत के उपरांत चंडीगढ़ स्थित हरियाणा कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे, जहां उनका भव्य और गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं

ने फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया, जोरदार नारेबाजी की और मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। पूरे परिसर में उत्साह और ऊर्जा का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कर्मवीर सिंह बौद्ध को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह जीत कांग्रेस पार्टी की विचारधारा, नीतियों और समर्पित कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम है। उन्होंने सभी विधायकों, समर्थकों और कार्यकर्ताओं का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग और विश्वास से ही यह सफलता संभव हो पाई है।

मीडिया से बातचीत करते हुए राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी को हराने के लिए भाजपा ने हरसंभव प्रयास किए।

वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में विश्वविद्यालयों की अहम भूमिका : राज्यपाल बागडे

उदयपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि आज के वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार है। यदि विश्वविद्यालय स्वदेशी सोच और नवाचार को बढ़ावा दें, तो भारत वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकता है। राज्यपाल बागडे मंगलवार को उदयपुर में जनार्दन राय नागर राजस्थान

विद्यापीठ के डबोक परिसर में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयु) वेस्ट जोन वाइस चांसलर मीट 2025-26 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। दो दिवसीय इस कॉन्फ्रेंस में राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र आदि राज्यों के विश्वविद्यालयों के कुलगुरू भाग ले रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि तकनीकी राष्ट्रवाद और आर्थिक देशभक्ति जैसे विचार केवल नारे नहीं, बल्कि व्यवहार में उतारे जाने वाले संकल्प हैं।

पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विधानसभा चुनाव और उपचुनावों के लिए

1 हजार 111 केंद्रीय पर्यवेक्षक तैनात

जयपुर, 17 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और 6 राज्यों में उपचुनावों के लिए 1 हजार 111 पर्यवेक्षक तैनात किये हैं। इन चुनावों के लिए राजस्थान से 37 पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। इनमें 28 आईएएस और 9 आईपीएस अधिकारी शामिल है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने विधानसभा चुनाव कार्यक्रम घोषित करते हुए कहा था कि चुनाव-हिंसा और प्रलोभन मुक्त कराए जाएं ताकि प्रत्येक मतदाता बिना किसी भय या पक्षपात के अपना वोट डाल सके। इसे सुनिश्चित करने में पर्यवेक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आयोग ने पर्यवेक्षकों को कल 18 मार्च, 2026 तक संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में तैनात करने के निर्देश दिए हैं। पर्यवेक्षक पहुंचने पर अपने संपर्क विवरण सार्वजनिक करेंगे और उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों या उनके प्रतिनिधियों या जनता के किसी भी सदस्य के उनसे मिलने और चुनाव संबंधी उनकी शिकायतें सुनने के लिए प्रतिदिन एक निश्चित समय निर्धारित करेंगे। संविधान के अनुच्छेद 324 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20बी के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयोग निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कराने में सहायता के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति करता है।

हनुमानगढ़ में भीषण सड़क हादसा बस और ट्रक की भिड़ंत में 5 की मौत

पूर्व सीएम गहलोत ने जताया दुख

हनुमानगढ़, 17 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले से आज सुबह एक हृदयविदारक खबर सामने आई है। रावतसर क्षेत्र के पास मेगा हाईवे पर एक निजी बस और ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की भीषण भिड़ंत में 5 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। सुबह 7 बजे बरमसर के पास हुआ हादसा जानकारी के अनुसार, यह भीषण दुर्घटना मंगलवार सुबह करीब 7:00 बजे रावतसर क्षेत्र के बरमसर के पास घटित हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तेज रफ्तार बस और ट्रक की सीधी टक्कर हुई, जिससे बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और पुलिस को सूचना दी।

घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी सुभाष गोदारा और थाना प्रभारी ईश्वरानन्द पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए घायलों को तुरंत एंबुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल पहुँचाया गया। अस्पताल में भर्ती घायलों में से 5 की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल (हनुमानगढ़) रेफर कर दिया गया है।

हादसे की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम संजय कुमार और नितेश मोची ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना और डॉक्टरों को उचित उपचार के निर्देश दिए। पुलिस ने मृतकों के शवों को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है और उनके परिजनों को सूचित किया जा रहा है। दुर्घटना के सही कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर से चल रही अवैध गैस एजेंसी का रसद विभाग ने किया पर्दाफाश, 201 कमर्शियल सिलेंडर जब्त

कोटपूतली-बहरोड़, 17 मार्च (एजेंसियां)। जिला रसद विभाग ने अवैध गैस कारोबार के खिलाफ एक बड़ी और निर्णायक कार्रवाई करते हुए श्यामनगर स्थित एक घर में चल रही अवैध गैस एजेंसी को पकड़ने में सफलता हासिल की है। इस दौरान सैकड़ों गैस सिलेंडर जब्त किए गए, जो बिना किसी वैध लाइसेंस के भंडारित किए गए थे। श्यामनगर में गुंजन गैस एजेंसी पर छापा जिला रसद अधिकारी शशि शेखर शर्मा के नेतृत्व में रसद विभाग की टीम ने श्यामनगर स्थित झमिला वाली ढाणी में मंगलवार को यह बड़ी कार्रवाई की। जांच में सामने आया कि गुंजन गैस एजेंसी नाम से संचालित यह अवैध कारोबार बिना किसी वैध लाइसेंस के सीधे घर से ही चलाया जा रहा था।

टीम ने मौके से भारी मात्रा में कमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद किए। भरे हुए सिलेंडर: 106, खाली सिलेंडर: 95, कुल जब्ती: 201 कार्रवाई के दौरान एजेंसी संचालक मदन

सैनी मौके पर मौजूद मिला, जिसने स्वीकार किया कि एजेंसी का कोई अधिकृत गोदाम नहीं है।

जांच में यह भी पाया गया कि भंडारण और वितरण के लिए अनिवार्य आवश्यक दस्तावेज, रिकॉर्ड, लेटर ऑफ इंडेंट और सबसे महत्वपूर्ण PESO (Petroleum and Explosives Safety Organization) लाइसेंस मौजूद नहीं था। यह सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ी लापरवाही मानी जा रही है।

रसद विभाग की टीम में प्रवर्तन अधिकारी पुष्पेंद्र चौधरी और प्रवर्तन निरीक्षक विश्राम गुर्जर भी शामिल रहे। जब्त सिलेंडरों और अवैध एजेंसी का पूरा प्रकरण अब जिला कलेक्टर न्यायालय में पेश किया जाएगा, जहां आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला रसद अधिकारी शशि शेखर शर्मा ने कहा कि जिले में अवैध गैस भंडारण और वितरण के खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाइयां भविष्य में भी जारी रहेंगी, ताकि आमजन की सुरक्षा और हितों की रक्षा की जा सके।

एफएमडी रोग के खिलाफ टीकाकरण अभियान शुरू

बेज्जूर, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) एक अत्यंत खतरनाक और संक्रामक रोग है। पशु चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, यह रोग मुख्य रूप से मवेशियों (काली और सफेद नस्ल के पशुओं) को प्रभावित करता है। इस रोग की रोकथाम के लिए 10 मार्च से 9 अप्रैल तक टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। जिले को पहले ही वैक्सीन की आपूर्ति की जा चुकी है, जिन्हें पशु चिकित्सालयों में ठंडे कमरों में सुरक्षित रखा गया है। गांवों में पशुओं को टीके लगाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

किसानों पर आर्थिक बोझ

खुरपका-मुंहपका रोग के कारण दूध उत्पादन और उसकी गुणवत्ता में भारी गिरावट आती है। इसके इलाज पर होने वाला खर्च किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ा देता है। प्रभावित पशु कमजोर हो जाते हैं और गर्भवती पशुओं में गर्भपात (-लेंीिळेप) का खतरा रहता है। बीमारी से उबरने के बाद भी पशुओं को सांस लेने में कठिनाई होती है और उनकी उत्पादकता धीरे-धीरे कम हो जाती है, जिससे किसानों को भारी नुकसान होता है।

जिले में 2,73,940 पशु

कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में कुल 28 पशु चिकित्सालय हैं। जिले में गायों और बैलों की संख्या 2,32,402 तथा भैंसों की संख्या 41,538 है। तीन महीने से अधिक उम्र के बछड़ों, गायों, बैलों और भैंसों में इस रोग के संक्रमण की संभावना अधिक होती है। डॉक्टरों का कहना है कि यह रोग 'अफ्थो वायरस' के कारण फैलता है। संक्रमण के बाद पशुओं के मुंह, मसूड़ों और खुरों के बीच छाले हो जाते हैं, जिससे उन्हें तेज बुखार आता है। लार टपकना और चारा न खाना इसके प्रमुख लक्षण हैं। यदि संक्रमण गंभीर हो जाए, तो पशु की मृत्यु भी हो सकती है। यह रोग हवा, पानी, चारे और बीमार पशु के संपर्क में आने से स्वस्थ पशुओं और बछड़ों में फैलता है।

9 अप्रैल तक चलेगा टीकाकरण अभियान

जिले में 9 अप्रैल तक पशुओं को मुफ्त में टीके लगाए जाएंगे। इसके लिए जिले को 2.60 लाख डोज की आपूर्ति की गई है। हर मंडल में प्रतिदिन दो से तीन टीमें पशुओं का टीकाकरण कर रही हैं। इस कार्यक्रम की निगरानी जिला पशुपालन अधिकारी और संबंधित मंडलों के पशु चिकित्सा अधिकारी कर रहे हैं। टीकाकरण के बाद कर्मचारियों को संबंधित विवरण एक निर्धारित ऐप पर अपलोड करना होता है। हालांकि, कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें आवश्यक सेल फोन और सिम कार्ड नहीं दिए गए हैं, जिसके कारण वे अपने व्यक्तिगत फोन का उपयोग कर रहे हैं और तकनीकी समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

श्री कृष्णप्रिया गोशाला की नई पहल: जरूरतमंदों को मुफ्त चिकित्सा उपकरण उपलब्ध

किनवट, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सामाजिक कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने वाले श्री कृष्णप्रिया गोशाला ने जरूरतमंदों को मुफ्त चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराए हैं। गोशाला की इस पहल की सराहना की जा रही है।

नांदेड़ रोड पर स्थित श्री साई बाबा मंदिर क्षेत्र में श्री कृष्णप्रिया गोशाला एक गौशाला है। पिछले कई वर्षों से, यह गौशाला स्वस्थ, बूढ़ी और विकलांग गायों और बछड़ों की देखभाल कर रही है। यह गौशाला धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से शामिल है। बाढ़ और कोरोना जैसी संकट की स्थितियों में गौशाला ने जरूरतमंदों की मदद की।

समाज सेवा गतिविधियों के अंतर्गत जरूरतमंद और बीमार नागरिकों को आवश्यक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने के लिए एक सेवा शुरू की गई है। इस पहल के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को हैंड वॉकर, फोल्डिंग बेड, एयर बेड, यूरिन पॉट, व्हीलचेयर, ऑक्सीजन सिलेंडर इंटेक मशीन (ऑक्सीजन) आदि उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। आवश्यकतानुसार उपकरण (कंसंट्रेटर), वॉकर चेयर आदि उपलब्ध कराए जाएंगे। यह सुविधा बीमार, विकलांग और बुजुर्ग लोगों को बहुत सहायता प्रदान कर रही है। कृष्णाप्रिया गौशाला समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए हमेशा से ही विभिन्न सेवा पहलों को लागू करती रही है। यह पहल उसी के अंतर्गत शुरू की गई है और कृष्णाप्रिया गौशाला ने जरूरतमंद नागरिकों से इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए संपर्क करने की अपील की है।

निर्मल में एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के लिए कतार में चप्पलें रखने को मजबूर हुए उपभोक्ता

आदिलाबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अविभाजित आदिलाबाद जिले में एलपीजी सिलेंडरों की कथित कमी के कारण विभिन्न एजेंसियों के उपभोक्ताओं को लगातार असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को भैंसा में एक एजेंसी पर उपभोक्ताओं ने अपनी बारी सुरक्षित करने के लिए कतार में अपनी चप्पलें रख दीं, जो इस संकट की गंभीरता को दर्शाता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण सिलेंडरों की कमी की खबरों के बीच, एक एलपीजी एजेंसी पर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें देखी गईं। कई लोग सुबह से ही सिलेंडर बुक करने और प्राप्त करने के लिए आउटलेट पर जमा हो गए। अपनी उपस्थिति दर्ज कराने और यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनकी बारी न छूटे, कई लोगों ने कतार में अपनी चप्पलें और जूते रख दिए।उपभोक्ताओं ने बताया कि उन्हें ऑर्डर देने और सिलेंडर लेने, दोनों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। जिन लोगों ने पहले ही बुकिंग कर ली थी, वे भी डिलीवरी के लिए घंटों इंतजार करते नजर आए। उन्होंने इस देरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इससे उनके दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं और सरकार से इस कमी को दूर करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया।जब इस संबंध में जिला नागरिक आपूर्ति अधिकारी राजेंदर से संपर्क किया गया, तो उन्होंने 'तेलंगाना टुडे' को बताया कि जिले में पर्याप्त सिलेंडर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि कुछ उपभोक्ता भविष्य में कमी के डर से घबराहट में बुकिंग कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि डिलीवरी से जुड़ी चुनौतियों से निपटने और देरी से बचने के लिए तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को काम पर लगाया गया है।अधिकारियों ने कहा कि सिलेंडरों की कमी को रोकने और उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए एलपीजी एजेंसियों के प्रतिनिधियों और बिक्री अधिकारियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। उन्होंने उपभोक्ताओं को सलाह दी कि वे डिलीवरी में देरी या कमी की रिपोर्ट राज्य स्तरीय टोल-फ्री हेल्पलाइन 1967 पर करें।

दलित महिला ने जनगांव कलेक्टर और अन्य के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की

जनगांव, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक दलित महिला ने जनगांव पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर जिला कलेक्टर संदीप कुमार झा के खिलाफ एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है। जनगांव पुलिस निरीक्षक सत्यनारायण रेड्डी को सौंपी गई शिकायत में महिला ने डीआरडीओ एन. वसंथा, नगर निगम आयुक्त महेश्वर रेड्डी, जनगांव शहर राजस्व निरीक्षक वेंकटेश्वरलू और अन्य कर्मचारियों के खिलाफ भी इसी अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने की मांग की है।

जनगांव मंडल के एर्रागोल्लापहाड़ गांव की निवासी पालमाकुला चिन्ना मंजुला ने 16 मार्च को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि उन्हें 'इंदिरा महिला शक्ति योजना' के तहत जिला कलेक्ट्रेट के बाहर एक कोने में जगह आवंटित कर 'वनीता

टी स्टॉल' स्वीकृत किया गया था।

पूर्व जिला कलेक्टर रिजवान बाशा शेख ने उन्हें कियोस्क, बिजली और पानी का कनेक्शन प्रदान किया था और 6 मार्च, 2025 को डीआरडीओ और जिला अधिकारियों के साथ इस टी स्टॉल का उद्घाटन किया था।

हालांकि, मंजुला का आरोप है कि 11 मार्च को नगर निगम आयुक्त महेश्वर रेड्डी, तहसीलदार मोसिम, आरआई (ठख) वेंकटेश्वरलू और कर्मचारियों ने कलेक्टर संदीप कुमार झा के आदेश का हवाला देते हुए जेसीबी (अर्थमूवर) और क्रेन की मदद से टी स्टॉल को हटाने की कोशिश की। जब उन्होंने अधिकारियों से टी स्टॉल को नुकसान न पहुँचाने की विनती की, तो वे वापस चले गए। लेकिन अगले दिन, वे फिर से स्टॉल हटाने पहुंचे और कथित तौर पर जातिगत टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्हें वहां स्टॉल चलाने का कोई अधिकार नहीं है और यदि जगह खाली नहीं की गई तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

दूसरी ओर, बिजली विभाग ने टी स्टॉल का कनेक्शन काट दिया। मंजुला ने दुख जताते हुए कहा कि इसके कारण फ्रिज में रखा दूध और अन्य सामान खराब हो गया, जिससे उन्हें 10,000 रुपये का नुकसान हुआ।

महिला ने बताया कि उन्होंने इस योजना के तहत मिले 3 लाख रुपये के ऋण की किस्तें चुकाते हुए टी स्टॉल को विकसित करने के लिए 3 लाख रुपये का निजी कर्ज भी लिया था। उन्होंने आर्थिक नुकसान और मानसिक प्रताड़ना के लिए उपरोक्त अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने अभी तक उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की है।

गौरतलब है कि संदीप कुमार झा, जब इस साल फरवरी में सिरसिला कलेक्टर थे, तब भी उन्हें भारी आलोचना का सामना करना पड़ा था। उन पर आरोप लगा था कि उन्होंने सिरसिला शहर में एक टी स्टॉल को इसलिए बंद करने का आदेश दिया था क्योंकि उसके मालिक बाथुला श्रीनिवास ने बीआरएस (इठड) के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव की तस्वीर लगा रखी थी।

वरंगल: सड़क पर स्टंट करने से मना करने पर बदमाशों का तांडव, राहगीरों पर जानलेवा हमला

वरंगल, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। वरंगल के मिल्स कॉलोनी थाना क्षेत्र में बदमाशों के हौसले बुलंद नजर आए। बीच सड़क पर शराब के नशे में स्टंट कर रहे उपद्रवियों को नसीहत देना राहगीरों को भारी पड़ गया। टोकने पर भड़के बदमाशों ने राहगीरों का पीछा किया और उन पर अंधाधुंध हमला कर दिया। बदमाशों ने बीच सड़क पर मारपीट की और बीयर की बोतल मारकर एक व्यक्ति का सिर फोड़ दिया। इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

यह घटना मिल्स कॉलोनी थाना क्षेत्र के शाकराशिकुंटा इलाके में हुई। जानकारी के अनुसार, कुछ मनचले शराब के नशे में धुत होकर बाइक पर खतरनाक स्टंट कर

रहे थे, जिससे वहां से गुजरने वाले अन्य वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही थी। इसी दौरान, एक राहगीर ने रुककर उन्हें समझाने की कोशिश की और सड़क पर स्टंट करने को गलत बताया।

नसीहत सुनकर बदमाश और अधिक भड़क गए। उन्होंने राहगीरों का पीछा किया, उन्हें बीच सड़क पर रोका और उन पर टूट पड़े। उपद्रवियों ने न केवल लात-घूंसों से हमला किया, बल्कि बीयर की बोतल से सिर पर वार कर दिया जिससे राहगीर लहूलुहान हो गया।

स्थानीय निवासियों ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि नशे के आदी ये उपद्रवी इस रास्ते पर आए दिन ऐसी वारदातों को अंजाम देते हैं। लोगों का आरोप है कि ये बदमाश गांजे के नशे में स्थानीय लोगों को डराते-धमकाते हैं। निवासियों ने पुलिस से इन 'आकू राउडी' (सड़क छाप गुंडों) के आतंक पर लगाम लगाने की मांग की है।

पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। सूचना मिली है कि कुछ संदिग्धों को पहले ही हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

बेहतरीन आइडिया! सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर रोकने के लिए अधिकारियों ने अपनाया यह अनोखा तरीका

जनगांव, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अक्सर देखा जाता है कि खाली दीवारें मिलते ही लोग उन पर वॉल पोस्टर, राजनीतिक नारे या विज्ञापनों की भरमार कर देते हैं। वॉल राइटिंग और पोस्टरों की इस समस्या से निपटने के लिए जनगांव नगर पालिका के अधिकारियों द्वारा लिया गया एक निर्णय अब चर्चा का विषय बना हुआ है। फूलों के साथ किए गए इस अभिनव प्रयोग को देखकर हर कोई कह रहा है- 'आइडिया अदुर्स' (शानदार आइडिया)!

जनगांव शहर के सार्वजनिक स्थानों पर दीवारों को विज्ञापनों और पोस्टरों से बचाने के लिए नगर निगम अधिकारियों ने एक अनूठी पहल शुरू की है। विभिन्न व्यापारिक संस्थाओं, राजनीतिक दलों और सार्वजनिक संगठनों को जागरूक करने के लिए यह एक अलग तरह का प्रयास है। प्रचार के शौकीन लोगों के लिए जनगांव नगर पालिका का यह कदम एक सबक की तरह है। सरकारी कार्यालयों की दीवारों और सार्वजनिक क्षेत्रों को वॉल राइटिंग से बदरंग करने वालों के लिए यह एक अप्रत्याशित 'झटका' है, जो उन्हें अपनी आदतों पर सोचने को मजबूर कर देगा।जनगांव नगर पालिका के अधिकारियों ने तय किया कि 'गांधीवादी मार्ग' ही सबसे उत्तम है। इसी के तहत उन्होंने सरकारी कार्यालयों और पुलों की दीवारों पर फूलों के पौधों के गमले लगाना शुरू कर दिया है। शुरुआत में, जनगांव-सिद्दीपेट मार्ग पर स्थित रेलवे ओवरब्रिज की दोनों तरफ की दीवारों को नए रंगों से सजाया गया और उन पर विभिन्न प्रकार के फूलों वाले गमले फिट कर दिए गए।जो दीवारें हमेशा पोस्टरों और भद्दे नारों से भरी रहती थीं, वे अब हरियाली और फूलों से खिलखिला रही हैं।

उस रास्ते से गुजरने वाले वाहन चालक और पैदल यात्री इस बदलाव को बड़े चाव से देख रहे हैं। स्थानीय लोग इस प्रयोगात्मक कार्यक्रम के लिए नगर निगम अधिकारियों की सराहना कर रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि दीवारों की इस सुंदरता को देखकर विज्ञापन लगाने वाले और नारे लिखने वाले अपना मन बदल लेंगे और भविष्य में दीवारों को गंदा करने से पीछे हटेंगे।

टूटा हाथ, प्लास्टर लगा पैर.. फिर भी संकल्प के साथ 10वीं की परीक्षा देने पहुंचा छात्र!

राजन्ना-सिरसिला, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि संकल्प मजबूत हो तो लक्ष्य पाना संभव है। इस बात को राजन्ना-सिरसिला जिले के 10वीं कक्षा के छात्र अमन रहमान ने सच कर दिखाया है। सड़क दुर्घटना में पैर और हाथ टूटने के बावजूद, पढ़ाई के प्रति अपनी लगन के कारण उसने 'स्क्राइब' (लेखक) की मदद से परीक्षा देकर सभी के सामने एक मिसाल पेश की है।

कुछ दिनों पहले एक सड़क दुर्घटना में सिरसिला शहर के सुभाष नगर निवासी अमन रहमान गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस हादसे में उसका एक हाथ और एक पैर टूट गया, जिसके कारण डॉक्टरों ने उन पर सीमेंट का प्लास्टर चढ़ाया है। आमतौर पर ऐसी स्थिति में कई छात्र परीक्षा छोड़ देते हैं या अगले साल के लिए टाल देते हैं, लेकिन अमन ने अपने भविष्य के लिए परीक्षा में बैठने का दृढ़ निश्चय किया।

शारीरिक रूप से तीव्र दर्द होने के बाद भी पढ़ाई के प्रति उसका उत्साह कम नहीं हुआ। यह जानकर माता-पिता और शिक्षकों ने भी अमन का ढांढस बंधाया। अधिकारियों की अनुमति से उसके लिए एक स्क्राइब (लेखक) की सुविधा प्रदान की गई, ताकि अमन उत्तर बोल सके और लेखक उन्हें लिख सके।

प्लास्टर लगे हाथ-पैर के साथ अमन जब व्हीलचेयर पर परीक्षा केंद्र पहुंचा, तो वहां मौजूद शिक्षक और अन्य छात्र उसे देखकर दंग रह गए। दर्द की परवाह किए बिना परीक्षा पर पूरा ध्यान केंद्रित करने के उसके जज्बे की हर तरफ प्रशंसा हो रही है। शिक्षकों का कहना है कि अमन ने अपने कार्यों से यह संदेश दिया है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, अपने लक्ष्य का पीछा कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

एक छोटी सी दुर्घटना कई लोगों को पीछे हटने पर मजबूर कर देती है, लेकिन उसी दुर्घटना को चुनौती के रूप में स्वीकार कर आगे बढ़ने वाले अमन रहमान की कहानी अब पूरे जिले के लिए प्रेरणा बन गई है। टूटे हाथ और प्लास्टर लगे पैर के साथ परीक्षा देने वाले अमन का संकल्प वास्तव में सराहनीय है!

नगरकुर्नूल : कलेक्टरेट के सामने आशा कार्यकर्ताओं का धरना, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नगरकुर्नूल, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अपनी न्यायसंगत मांगों के समाधान के लिए नागर0च(इल् कलेक्टरेट के सामने धरना दे रही आशा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उन्हें जबरन पुलिस वैन में बैठाया और थाने ले गई, जिससे कलेक्टरेट के सामने तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई।इस अवसर पर आशा कार्यकर्ताओं ने अपना दुख व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में आने से पहले उनसे कई वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने कलेक्टर कार्यालय के सामने 48 घंटे के धरने का संकल्प लिया था।

राज्य समिति के आह्वान पर सोमवार को शुरू हुए इस धरने में जिले के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। जब मंगलवार को भी उन्होंने कलेक्टरेट के सामने अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा, तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

करीमनगर: नहर में मिला सरकारी कर्मचारी का शव

करीमनगर, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार को काकतीय नहर में लापता हुए एक सरकारी कर्मचारी रचकोंडा लचैया (55) का शव बरामद कर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, राजन्ना-सिरसिला जिले के इल्लनथाकुंटा में पशु चिकित्सा सहायक (Veterinary -ssistant) के रूप में कार्यरत लचैया, रविवार को करीमनगर शहर के बाहरी इलाके में कोथापल्ली मंडल के चिंताकुंटा के पास नहर में नहाने गए थे और पानी के तेज बहाव में बह गए।

चूंकि लचैया के कपड़े और बाइक नहर के किनारे मिले थे, इसलिए पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और बाद में चिंताकुंटा के बाहरी इलाके में उनका शव बरामद किया। उनकी पत्नी पद्मा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जगित्याल: पति ने की गर्भवती पत्नी की हत्या

जगतियाल, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोरुतला मंडल के मादापुर में सोमवार रात एक पति, हरिबाबू ने अपनी गर्भवती पत्नी वैष्णवी की हत्या कर दी।

ग्रामीणों के अनुसार, सोमवार रात दंपति के बीच एक मामूली विवाद को लेकर बहस हुई थी। बहस बढ़ने पर हरिबाबू ने वैष्णवी पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हरिबाबू और वैष्णवी, जो पिछले कुछ समय से प्रेम संबंध में थे, ने दो साल पहले शादी की थी। वैष्णवी चार महीने की गर्भवती थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गदवाल: आरटीसी बस ने बाइक को मारी टक्कर, एक छात्र की मौत, दो घायल

जोगुलाम्बा गदवाल, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जोगुलाम्बा गदवाल जिले में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। गदवाल रेलवे स्टेशन के पास एक आरटीसी बस ने बाइक को टक्कर मार दी। इस घटना में बाइक पर सवार एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। मृतक की पहचान रामू (17) के रूप में हुई है। घायल हुए दो अन्य छात्रों को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। उनमें से एक की हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए कुरनूल अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

पीड़ितों की पहचान हैदराबाद के श्री चैतन्य कॉलेज के छात्रों के रूप में हुई है। पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

प्रीमियर लीग के इंडिया सुपर फैन बने रियान पराग, यादगार रहा लंदन का दौरा

लंदन, 17 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेटर रियान पराग ने अपने ब्रिटेन दौरे के समय प्रीमियर लीग के रोमांच को बेहद करीब से महसूस किया। राजस्थान रायल्स के नए कप्तान के रूप में पराग एक सप्ताह तक इंग्लैंड में रहे, जहां उन्होंने मैदान पर मुकाबलों को प्रत्यक्ष रूप से देखा, खिलाड़ियों से मुलाकात की। रियान पराग का यह दौरा न केवल उनके लिए एक यादगार अनुभव रहा, बल्कि भारतीय खेल प्रेमियों के लिए भी गर्व का विषय बना।

प्रीमियर लीग के निर्णायक चरण में पराग ने मैनचेस्टर सिटी और वेस्ट हैम यूनाइटेड के बीच मुकाबला लंदन स्टेडियम में देखा। 62,500 दर्शकों की क्षमता वाले इस मैदान पर खेला गया यह मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।

पराग ने इस अनुभव को अविस्मरणीय बताते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, प्रीमियर लीग का भारत में बहुत बड़ा प्रशंसक वर्ग है और मैं बचपन से इसे देखता आया हूं। लंदन स्टेडियम में मौजूद रहकर दर्शकों की आवाज, उनके नारे और पूरा माहौल महसूस करना वास्तव में अद्भुत था। जब पूरा स्टेडियम एक साथ टीम का समर्थन करता है, तो जो गूंज बनती है, वह बेहद खास होती है। भारत में क्रिकेट को लेकर भी ऐसा ही जुनून देखने को मिलता है, इसलिए उससे तुरंत जुड़ाव महसूस होता है। वहां जाकर लाखों प्रशंसकों का सपना जीना मेरे लिए यादगार अनुभव रहा। दौरे के दौरान पराग ने वेस्ट हैम यूनाइटेड के अभ्यास केंद्र का भी दौरा किया, जहां उन्होंने टीम की तैयारियों को नजदीक से देखा। इस दौरान उनकी मुलाकात टीम के कप्तान जेरोड बोवेन से हुई। दोनों खिलाड़ियों ने कप्तानी, दबाव में प्रदर्शन और महत्वपूर्ण मुकाबलों की तैयारी जैसे विषयों पर विचार साझा किए। पराग ने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर यह देखना हमेशा दिलचस्प होता है कि दूसरे खेलों के खिलाड़ी बड़े मुकाबलों की तैयारी कैसे करते हैं। अभ्यास सत्रों को देखकर और जारोड बोवेन से बातचीत कर यह समझ आया कि प्रीमियर लीग स्तर पर कितनी बारीकी और अनुशासन की जरूरत होती है। हमने नेतृत्व और टीम को प्रेरित रखने के महत्व पर भी चर्चा की। खेल भले अलग हों, लेकिन ड्रेसिंग रूम की सोच, जीत की भूख और टीम का माहौल काफी हद तक एक जैसा होता है।

वान ने विराट और बुमराह को आईपीएल इतिहास का बेहतरीन बल्लेबाज और गेंदबाज करार दिया

मुम्बई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने कहा है कि आईपीएल में सबसे महान बल्लेबाजों की बात की जाये तो वह रायल चैलेंर्स बेंगलुरु के विराट कोहली को नंबर एक स्थान देते हैं, वहीं गेंदबाजी में उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को नंबर एक स्थान पर रखा है। वान ने कहा कि इस लीग में एक से बढ़कर एक खिलाड़ी रहे हैं पर विराट सबसे अलग हैं। उनके खेल में जिस प्रकार की निरंतरता रही है कोई उसके करीब नहीं है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि क्रिस गेल, सुरेश रैना , रोहित शर्मा और जोस बटलर जैसे बल्लेबाजों ने भी इस लीग में बेहतरीन प्रदर्शन किया है पर विराट की बात अलग रही है। वान ने कहा, कई अच्छे खिलाड़ी रहे हैं, इसमें क्रिस गेल, सुरेश रैना के अलावा रोहित शर्मा और जोस बटलर हैं पर अगर एक नाम तय करना हो तो वह विराट ही होंगे। वह कई वर्षों से स्टार खिलाड़ी रहे हैं और अभी भी शानदार खेल रहे हैं।वहीं वान ने तेज गेंदबाज जसपीत बुमराह को लीग का नंबर एक गेंदबाज बताया है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान और श्रीलंका के दिग्गज तेज गेंदबाज लसित मलिंग भी काफी अच्छे रहे हैं पर बुमराह सबसे अलग हैं।

न्यूज ब्रीफ

पिंडली की चोट के कारण डेन वान निकर्क न्यूज़ीलैंड दौरे से बाहर एनेके बाश टीम में शामिल

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका की हरफनमौला खिलाड़ी डेन वान निकर्क पिंडली (काफ) की चोट के कारण न्यूज़ीलैंड दौरे से बाहर हो गई हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि 32 वर्षीय खिलाड़ी दाएं पैर की पिंडली में चोट से जूझ रही हैं। दक्षिण अफ्रीका और न्यूज़ीलैंड के बीच पहले महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से पहले ही उन्हें असहजता महसूस हुई थी, जिसके चलते वह उस मैच में नहीं खेल पाईं। अब वह शेष टी-20 मुकाबलों के साथ-साथ आगामी तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला में भी हिस्सा नहीं लेंगी। उनकी जगह दक्षिण अफ्रीका टीम में एनेके बाश को शामिल किया गया है। वान नीकर्क ने दिसंबर में चार साल के अंतराल के बाद टी-20 टीम में वापसी की थी और आयरलैंड व पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबलों में खेली थीं। हालांकि वह पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले पाई थीं, लेकिन न्यूज़ीलैंड दौरे पर इस प्रारूप में खेलने की उम्मीद थी। एनेके बाश नवंबर 2024 के बाद अपना पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल सकती हैं। वह उस दक्षिण अफ्रीकी टीम का हिस्सा थीं, जिसे 2025 महिला एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दक्षिण अफ्रीका और न्यूज़ीलैंड के बीच दूसरा टी-20 मुकाबला मंगलवार (17 मार्च) को खेला जाएगा, जिसके बाद तीन और टी-20 मुकाबले और फिर तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला आयोजित होगी।

एएफसी एशियन कप 2027 के लिए वियतनाम क्वालीफाई, मलेशिया बाहर

कुआलालंपुर। एएफसी एशियन कप 2027 की दौड़ में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। एशियाई फुटबाल महासंघ की अनुशासन एवं नैतिकता समिति के फैसले के बाद मलेशिया को बाहर कर दिया गया, जबकि वियतनाम ने टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह फैसला मलेशिया के लिए बड़ा झटका साबित हुआ है, जबकि वियतनाम के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। जहांगीर बगलारी की अध्यक्षता वाली एशियाई फुटबाल महासंघ की अनुशासन एवं नैतिकता समिति ने पाया कि मलेशिया फुटबाल संघ ने नियमों का उल्लंघन किया है। जांच में सामने आया कि टीम ने क्वालीफायर मुकाबलों में अयोग्य खिलाड़ियों को मैदान पर उतारा था। यह कार्रवाई वियतनाम और नेपाल के खिलाफ खेले गए उन मुकाबलों को लेकर की गई, जिनमें मलेशिया ने क्रमशः 4-0 और 2-0 से जीत दर्ज की थी। समिति ने नियमों के तहत इन दोनों मैचों में मलेशिया को 3-0 से पराजित घोषित कर दिया। मलेशिया फुटबाल संघ ने अपने बयान में बताया कि इस फैसले के तहत उस पर 50 हजार अमेरिकी डालर का जुर्माना भी लगाया गया है। साथ ही, संघ ने कहा है कि वह इस निर्णय के कारणों को जानने के लिए लिखित अनुरोध करेगा और आगे की कार्रवाई पर विचार करेगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर हुए बेवन जैकब्स, कवर के तौर पर कटेने क्लार्क शामिल

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले से पहले बड़ा झटका लगा है। मिडिल आर्डर बल्लेबाज बेवन जैकब्स घुटने की चोट के कारण इस मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अनकैप्ड खिलाड़ी कटेने क्लार्क को टीम में कवर के तौर पर शामिल किया गया है। 23 वर्षीय जैकब्स को पहला टी20 खेलते समय माउंट माउंगानुई में फील्डिंग के दौरान बाएं घुटने में चोट लग गई थी, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। स्कैन में उनके घुटने के किनारे बोन ब्रूज़िंग (हड्डी में चोट) की पुष्टि हुई है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि उनकी वापसी को लेकर आगे और जांच की जाएगी। वहीं 26 वर्षीय कटेने क्लार्क हाल ही में नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की सुपर स्मैश खिताबी जीत में शानदार फार्म में नजर आए थे। उन्होंने टूर्नामेंट में 9 पारियों में 431 रन बनाए, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 61.57 और स्ट्राइक रेट 171.71 रहा। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टी20 मुकाबला मंगलवार, 17 मार्च को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

आरसीबी अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेल सकेगी आईपीएल मैच

बेंगलुरू, 17 मार्च (एजेंसियां)।

रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को बेंगलुरु के अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2026 के आयोजन की अनुमति मिल गयी है। ऐसे में अब आरसीबी 28 मार्च को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल के 19 सत्र की शुरुआत कर करेगी। पिछले साल आरसीबी की जीत के बाद हुए एक समारोह में भगदड़ मच जाने के कारण कई लोगों की मौत को देखते हुए इस मैदान पर मैचों के आयोजन पर रोक लगा दी गयी थी जो अब हट गयी है। सरकार द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति ने इस स्थल को मंजूरी दे दी है। ऐसे में अब आरसीबी यहां सत्र के पहले मैच के साथ ही एक प्लेआफ मुकाबला और फाइनल भी खेला जाएगा। आईपीएल में यह परंपरा रही है कि मौजूदा चैंपियन टीम घरेलू मैदान पर फाइनल खेलती है।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर द्वारा नियुक्त समिति ने स्टेडियम का गहन निरीक्षण किया और पूरे दिन चले आडिट में स्ट्रक्चरल कंप्लायंस और भीड़ नियंत्रण के लिए उठाए गए कदमों की जांच की गई। जी महेश्वर राव की अध्यक्षता वाले कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के अधिकारियों, आरसीबी के शीर्ष अधिकारियों और विशेषज्ञ समिति के सदस्यों के बीच बैठक के बाद इस स्टेडियम को मंजूरी दी गई। गौरतलब है कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी पांच मैच खेलेगी जबकि दो मैच रायपुर के शहीद वीर नारायण स्टेडियम में खेले जाएंगे। यह फैसला फ्रेंचाइजी और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच हुए पूर्व समझौते के तहत लिया गया है। आरसीबी ने केएससीए के साथ मिलकर डिजिटल क्यूआर कोडेड टिकट जारी करने का फैसला किया है जिससे स्टेडियम के पास भीड़ न हो पाये।. इसके अलावा, बेंगलुरु मेट्रो रेल कार्पोरेशन (बीएमआरसीएल) के साथ एक करार भी किया है। इससे दर्शकों को यात्रा में आराम रहे। मैच के दिन मेट्रो सेवाएं रात 1 बजे तक चलेंगी। मैच टिकट रखने वाले दर्शकों को मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। बीएमआरसीएल भीड़ को नियंत्रित करने सभी रूट्स पर ट्रेनों का परिचालन भी बढ़ा सकता है। केएससीए ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के चारों ओर छह नए गेट बनाए हैं और पुराने गेट्स को चौड़ा किया है ताकि लोग आसानी से निकल सकें।

मैंने हमेशा अपने को मशाल थामने वाले के तौर पर देखा : द्रविड़

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नमन समारोह में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित पूर्व कप्तान और मुख्य कोच कप्तान राहुल द्रविड़ ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट का हिस्सा रहना उनके लिए सम्मान की बात है। द्रविड़ के कोच रहते ही भारतीय टीम ने साल 2024 में टी20 विश्व कप खिताब जीता था। वहीं साल 2023 में एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी। बीसीसीआई द्वारा शेयर किए गए वीडियो में द्रविड़ ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने हमेशा अपनी भूमिका को बस एक मशाल थामने वाले के तौर पर देखा है। मैंने पिछली पीढ़ी से मशाल थामी। जिसमें पहले मैं एक खिलाड़ी के तौर पर खेल रहा था और फिर अपने काम को मैने मैच के तौर पर आगे बढ़ाया। द्रविड़ ने कहा, अपने समय मुझे भी योगदान देने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर मिला। मुझे यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि अगली पीढ़ी ने उस विरासत को सफलता पूर्वक आगे बढ़ाया है। साथ ही कहा कि हमें जो सफलताएं मिली हैं उसका बहुत बड़ा श्रेय मौजूदा प्रबंधन, टीम और भारतीय क्रिकेट से जुड़े हर व्यक्ति को जाता है। इस खेल में हम सभी का अपना-अपना समय आता है और हमें अपना योगदान देना होता है। मैंने भी अपना सर्वश्रेष्ठ देने को प्रयास किया है। मैं अपने से पिछली पीढ़ियों से प्रेरित रहा हूं और यह देखना सचमुच अद्भुत है कि हमारे बाद आने वाली पीढ़ियां इस विरासत को और भी ऊंचे स्तर पर ले जा रही हैं। भारतीय टीम के कप्तान और कोच पद को संभाल चुके द्रविड़ ने कहा कि यह अवार्ड पाना उनके लिए अत्यंत कृतज्ञता का क्षण था। यह अवार्ड पाकर मैं बहुत खुश हूं। मेरा मतलब है कि मैं इस अवार्ड के पिछले विजेताओं के रास्ते चला, जो हमारे देश में इस खेल के सबसे बड़े दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं।

शाहिद अफरीदी ने पाक टीम की बदहाली पर पीसीबी को लगायी फटकार

लाहौर, 17 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को टी20 विश्वकप के बाद बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में भी हार का सामना करना पड़ा है। इससे अब टीम की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं क्योंकि सभी लोग उसकी आलोचना कर रहे हैं। पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने टीम के साथ ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को भी आड़े हाथों लिया है। अफरीदी ने यहां तक की टीम के कप्तान और अपने दामाद शाहीन शाह अफरीदी को भी फटकारा है। उन्होंने कहा कि पीसीबी ने शाहीन को कप्तान बनाकर गलती की है। इससे पहले विश्वकप के बाद भी अफरीदी ने शहीन के खराब प्रदर्शन पर नाराजगी जतायी थी। पिछले कुछ महीनों से सीनियर अफरीदी लगातार शहीन के खेल पर सवाल उठा रहे हैं। यहां तक कि विश्वपवर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली हार के बाद उन्होंने शाहीन को टीम से बाहर करने को तक कहा था। तब उन्होंने कहा था कि अगर कोई खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं करता है तो उसकी जगह किसी उभरते खिलाड़ी को अवसर देना चाहिये। अफरीदी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने पीसीबी और चयन समिति के फैसलों की आलोचना की है। अफरीदी ने शहीन का नाम लिए बिना कहा, आपने 2026 टी20 विश्व कप में प्रदर्शन देखा और उसके बाद हम बांग्लादेश सीरीज भी 2-1 से हार गए। मेरी नजर में चयन समिति की आलोचना जरुरी है। साथ ही कहा कि इसमें शामिल सभी ने काफी क्रिकेट खेली है, फिर भी वे ये समझ नहीं पाये हैं कि किस प्रारुप के लिए किसे कप्तान बनाना चाहिए उन्होंने साथ ही कहा, अगर आप बदलाव के नाम पर बहुत सारे फैसले लेते रहते हैं। आप ऐसे युवा खिलाड़ियों को चुन रहे हैं जिन्होंने कुछ ही फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं तो ये सही नहीं है। आजकल घरेलू क्रिकेट का स्तर इतना अच्छा नहीं रहा है कि वह लगातार ऐसे खिलाड़ी तैयार कर सके जो पाकिस्तान टीम में अपनी जगह पक्की कर सकें।

चयन समिति पर भी उठाये सवाल

आईपीएल 2026 से पहले आरसीबी और एसआरएच को बड़ा झटका

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरू होने से पहले रायल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को बड़ा झटका लगा है। आस्ट्रेलियाई खेल वेबसाइट कोड स्पोर्ट्स की रिपोर्ट्स के अनुसार आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। दोनों खिलाड़ी फिलहाल अपनी चोटों की वजह से पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। बैंगलुरु टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज हेजलवुड हैमस्ट्रिंग और एड़ी की नस से जुड़ी समस्या के कारण लंबे समय से बाहर हैं। माना जा रहा है कि वह कम से कम टीम के शुरुआती दो मुकाबलों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। उन्होंने पिछले करीब पांच महीनों से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। पिछले सत्र में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 12 मैचों में 22 विकेट लेकर टीम को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। हैदराबाद टीम के कप्तान पैट कमिंस पीठ की चोट से जूझ रहे हैं और 28 मार्च को बैंगलुरु के खिलाफ होने वाले पहले मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। उनकी वापसी को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। ऐसे में शुरुआती मुकाबलों में ईशान किशन टीम की कप्तानी संभाल सकते हैं। कमिंस ने अपने आईपीएल करियर में अब तक 72 मुकाबलों में 79 विकेट लिए हैं। वहीं, पिछले दो सत्रों में उन्होंने हैदराबाद के लिए 30 मैचों में 34 विकेट हासिल किए हैं।

राफिन्हा की हैट्रिक से बार्सिलोना ने सेविला को 5-2 से हराया, ला लीगा में नंबर एक स्थान पर बरकरार

मैड्रिड, 17 मार्च (एजेंसियां)।

बार्सिलोना ने स्पेनिश ला लीगा फुटबाल लीग में सेविला को 5-2 से हराकर अपना नंबर एक स्थान बनाये रखा है। बार्सिलोना के अब सबसे अधिक 4 अंक हो गयी है। उसकी जीत में तीन गोल करने वाले राफिन्हा की मुख्य भूमिका रही। इस मैच में कोच हंसी फ्लिक ने आगामी चैंपियंस लीग को देखते हुए लैमिन यामल और फर्मिन लोपेज जैसे स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया था। इसके बाद भी बार्सिलोना मुकाबले में हावी रही। उसने शुरुआत से ही मैच पर नियंत्रण बनाते हुए आक्रामक खेल दिखाया। मैच के सातवें मिनट में ही बार्सिलोना को पैनाल्टी मिली जिसे गोल में बदलने में राफिन्हा ने कोई गलती नहीं की। कुछ सही समय बाद एक और सेविला के एक खिलाड़ी के फाउल के कारण एक और पैनाल्टी टीम को मिली। जिस पर भी राफिन्हा ने गोल दाग दिया और स्कोर 2-0 पहुंचा दिया।

पहले हाफ के 38वें मिनट में डैनी ओल्मो ने बार्सिलोना की ओर से तीसरा गोल दागा। इसके बाद इंजरी टाइम में सेविला के खिलाड़ी ओसो को एक गोल करने का अवसर मिला जिससे मध्यांतर तक स्कोर 3-1 हो गया। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही राफिन्हा ने तीसरा गोल करते हुए हैट्रिक लगाने के साथ ही अपनी टीम की बढ़त 4-1 पहुंचा दी। इसके बाद जोआओ कैंसेलो ने एक और गोल दागकर स्कोर 5-1 कर दिया। । मैच के अंतिम क्षणों में सेविला के जिब्रिल सो ने हेडर के जरिए दूसरा गोल किया पर तब तक काफी देर हो गयी और बार्सिलोना ने 5-2 से मुकाबला जीत लिया

वहीं एक अन्य मुकाबले में रियल ने ओसासुना को 3-1 से पराजित किया। मिकेल सोसिएदाद की ओर से ओयारजाबाल, बेनाट टुरिएंटेस और गोंकालो गुएडेस ने गोल दागे। वहीं मैलोर्का ने भी शानदार वापसी करते हुए एस्पेनयोल को 2-1 से हराया।

पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हाकी टूर्नामेंट का दमदार आगाज़,खालसा, किरोड़ी मल और विवेकानंद कालेज की शानदार जीत

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)।

पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह हाकी (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट का आगाज़ मंगलवार को मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कालेज के मैदान पर शानदार मुकाबलों के साथ हुआ। पहले दिन पुरुष वर्ग में खालसा कालेज और किरोड़ी मल कालेज, जबकि महिला वर्ग में विवेकानंद कालेज ने प्रभावशाली जीत दर्ज की।

पुरुष वर्ग के मुकाबले में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कालेज ने इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान (आईजीआईपीईएस) को 6-0 के बड़े अंतर से पराजित किया। खालसा कालेज की जीत के नायक रहे विपिन, जिन्होंने चार गोल दागे, जबकि मनीष और तनुज ने एक-एक गोल का योगदान दिया। शानदार प्रदर्शन के लिए विपिन को मैन आफ द मैच चुना गया।

एक अन्य मुकाबले में किरोड़ी मल कालेज ने सेंट स्टीफंस कालेज पर 11-2 की एकतरफा जीत दर्ज की। इस मैच में समर सिंह और रोहित डांगी ने चार-चार गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए समर सिंह को मैन आफ द मैच से नवाजा गया।

महिला वर्ग के मुकाबले में विवेकानंद कालेज ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज को कड़े संघर्ष में 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल महिमा ने 58वें मिनट में किया। हालांकि, सराहनीय प्रदर्शन के लिए श्यामा प्रसाद मुखर्जी कालेज की मोनिका को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। इस अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में पीएसपीबी के सलाहकार श्री ललित वत्स मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि दिल्ली विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सरिता त्यागी विशिष्ट अतिथि रहीं। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने अनुभव साझा किए। टूर्नामेंट का उद्घाटन एसजीटीबी खालसा कालेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह, दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद के सहायक निदेशक डा. सुशील कुमार तथा पद्मश्री सम्मानित डा. रवि चतुर्वेदी की उपस्थिति में किया गया। गौरतलब है कि टूर्नामेंट का लाइव प्रसारण द कम्प्लीट साल्यूशंस स्पोर्ट्स प्लेटफार्म पर किया जा रहा है।

पत्रकारों के कल्याण के लिए तेलंगाना सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध : मंत्री पोंगुलेटी

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने मंगलवार को पत्रकारों के कल्याण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने आश्वासन दिया कि पत्रकारों की समस्याओं पर सकारात्मक निर्णय लेकर उनका समाधान किया जाएगा।

मंत्री बशीरबाग स्थित सुरवरम प्रतापरेड्डी सभागार में तेलंगाना स्टेट वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन और तेलंगाना उर्दू वर्किंग जर्नलिस्ट्स फेडरेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'दावत-ए-इफ्तार' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

रमजान के जरिए सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा

रमजान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह पवित्र महीना अनुशासन, धैर्य, सेवा और मानवता का प्रतीक है। उन्होंने जाति और धार्मिक सीमाओं से परे सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने वाले इफ्तार समारोहों के आयोजन के लिए पत्रकारों की सराहना की।

लोकतंत्र में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका

पोंगुलेटी ने लोकतंत्र में पत्रकारों की भूमिका की सराहना करते हुए उन्हें सरकार और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बताया, विशेष रूप से जनता तक कल्याणकारी योजनाओं को पहुँचाने में। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली प्रजा सरकार मीडिया बिरादरी के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

आवास और मान्यता संबंधी मुद्दों पर सकारात्मक निर्णय

मंत्री ने आश्वासन दिया कि पत्रकार मान्यता से संबंधित मुद्दों को निष्पक्ष रूप से हल किया जाएगा और मान्यता समिति द्वारा समुदाय के सुझावों को ध्यान में रखा जाएगा।

उन्होंने यह भी संकेत दिया कि सरकार पत्रकारों के लिए आवास भूखंड, स्वास्थ्य कार्ड और आवास सुविधाओं जैसी प्रमुख मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेगी।

इस अवसर पर तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी, पूर्व आईजेयू अध्यक्ष देउलापल्ली अमर, टीयूडब्ल्यूजे के अध्यक्ष के. विरहत अली, टीयूडब्ल्यूजेएफ के नेता और अन्य प्रमुख हस्तियां उपस्थित थीं।

न्यूज ब्रीफ

होर्मुज से 47 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार पोर्ट पहुंचा 'नंदा देवी

नई दिल्ली। देश में एलपीजी की किल्लत के बीच शिवालिक के बाद अब एलपीजी टैंकर 'नंदा देवी 47 हजार मीट्रिक टन से ज्यादा एलपीजी लेकर गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर पहुंच गया है। इस समय नंदा देवी से एलपीजी को दूसरे जहाज में ट्रांसफर किया जा रहा है। गुजरात के दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (डीपीए) के चेयरमैन सुशील कुमार सिंह ने मंगलवार को वडीनार टर्मिनल के पास स्थित मिड सी का दौरा किया। यहां पहुंचे एलपीजी कैरियर नंदा देवी जहाज नंदा देवी के कैप्टन और क्रू-मेंबर से बातचीत की। मिड सी में ही नंदा देवी से पूरी 47 हजार मीट्रिक टन एलपीजी को दूसरे जहाज में ट्रांसफर किया जाएगा। यह काम पूरा होने के बाद एलपीजी का आधा स्टॉक एन्नोर बंदरगाह में ऑफलोड किया जाएगा। इसके साथ ही आधा स्टॉक पश्चिम बंगाल के हल्दीया बंदरगाह पर ऑफलोड होगा। मुंद्रा बंदरगाह पर खड़ा शिवालिक एलपीजी कैरियर अब मुंद्रा में 12 हजार टन एलपीजी का स्टॉक ऑफलोड करके वडीनार मिड सी में जाएगा और शाम को बाकी का बचा स्टॉक बीच समुद्र में दूसरे शिप में ट्रांसफर करेगा, जो बाद में उस स्टॉक को गुजरात के भरूच जिले में खंभात की खाड़ी में स्थित दाहेज बंदरगाह पर और मैंगलोर के दो अलग-अलग टर्मिनल्स पर ऑफ लोड करेगा।

कच्चे तेल में उछाल, फिर भी भारत में पेट्रोल-डीजल स्थिर, खाड़ी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा से बढ़ीं वैश्विक कीमतें

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है, जो 136

डालर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य के अवरुद्ध होने से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है। यह जलमार्ग दुनिया की लगभग 20 फीसदी तेल आपूर्ति का प्रमुख रास्ता है, जिससे संकट और गहरा गया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर भारत की तेल आयात लागत पर पड़ा है। इंडियन आयल, एचपीसीएल और बीपीसीएल जैसी कंपनियों की लागत बढ़ी है, जिससे उनके मुनाफे पर दबाव बना है। इसके बावजूद, देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में दाम स्थिर बने हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार फिलहाल कीमतों में वृद्धि से बच रही है।

भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है: नैसकाम

नई दिल्ली। वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और खंडित आपूर्ति श्रृंखलाओं के बीच, कंपनियां अब केवल लागत दक्षता के बजाय भरोसे और मजबूती को प्राथमिकता दे रही हैं। नैसकाम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को नैसकाम ग्लोबल कान्फ्लुएंस 2026 में कहा कि इस बदलते परिदृश्य में भारत एक मजबूत प्रौद्योगिकी साझेदार के रूप में उभर रहा है। नांबियार ने बताया कि निर्यात पर निर्भर प्रौद्योगिकी उद्योग अब असाधारण बदलाव के दौर से गुजर रहा है। वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के पुनर्गठन ने देशों और कंपनियों के प्रौद्योगिकी साझेदारी के तरीकों को बदल दिया है। अब दक्षता महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्णय लेने में मजबूती और भरोसे को सर्वोच्च प्राथमिकता मिल रही है। भारत एक विश्वसनीय लोकतंत्र होने के साथ-साथ नवाचार के लिए एक विशाल और विविध प्रयोगशाला है। देश में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में लगभग 60 लाख पेशेवर और अन्य उद्योग में 30-40 लाख लोग काम कर रहे हैं। ये प्रतिभाएं एआई, मशीन लर्निंग, सेमीकंडक्टर, उत्पाद अभियांत्रिकी और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में विकसित हो रही हैं। नांबियार ने आधार और यूपीआई जैसे डिजिटल प्लेटफार्म का उदाहरण देते हुए कहा कि ये दुनिया के लिए उपयोगी माडल बन सकते हैं। उपयोगकर्ता की सहमति, गोपनीयता, विस्तार क्षमता और परस्पर संचालन जैसे सिद्धांत वैश्विक डिजिटल पारिस्थितिकी में महत्व रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत का पसंदीदा साझेदार बनने का आधार केवल प्रौद्योगिकी नहीं, बल्कि साझा मूल्य और साझा आकांक्षाएँ भी हैं। इस नए तकनीकी दौर में कोई देश अकेले नहीं आगे बढ़ सकता।

कैप्टिव अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को मिलेगा नया प्रोत्साहन, नियम हुए आसान

संशोधन से उद्योगों को भरोसेमंद, उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती बिजली सुनिश्चित होगी

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय सरकार ने बिजली (संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं, जिनका मकसद निजी इस्तेमाल वाले (कैप्टिव) बिजली संयंत्रों के नियमों को आधुनिक कार्पोरेट समूहों के अनुरूप बनाना है। नए नियम समूह कंपनियों को कैप्टिव बिजली का लाभ लेने में अधिक सुविधा और स्पष्टता प्रदान करेंगे। इससे उद्योगों को अक्षय ऊर्जा अपनाने में मदद मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा के विकास को गति मिलेगी। पहले कैप्टिव बिजली नियमों की संकीर्ण व्याख्या के कारण वैध समूह इकाइयां भी बिजली का इस्तेमाल नहीं कर पाती थीं। नए नियम में ग्रुप कैप्टिव माडल को सरल किया गया है। अब कंपनियों को 51 फीसदी उपभोग की आवश्यकता को व्यक्तिगत रूप से नहीं, बल्कि समूह स्तर पर पूरा करने की अनुमति होगी। इससे अनुपालन जोखिम कम होगा और कंपनियों को लचीलापन मिलेगा। कंपनियां अक्सर गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित कैप्टिव पावर के लिए विशेष उद्देश्य इकाइयां (एसपीवी) या एओपी (एओपी) बनाती हैं। ये इकाइयां उत्पादन केंद्र के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी निभाती हैं। पुराने नियमों में व्याख्या संबंधी समस्याओं के कारण समूह के कई प्रोजेक्ट्स अपने निवेश का पूरा लाभ नहीं ले पाते थे। नए संशोधन से इस बाधा को दूर किया गया है। संशोधन से उद्योगों को भरोसेमंद, उच्च गुणवत्ता वाली और किफायती बिजली सुनिश्चित होगी। इसके अलावा, नियमों को आसान बनाने से अक्षय ऊर्जा अपनाना आसान होगा और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा निवेश और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

एनएफआरए ने जारी की चार बड़ी आडिट फर्मों की निरीक्षण रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने चार प्रमुख आडिट फर्मों की निरीक्षण रिपोर्ट जारी की हैं, जिनमें प्राइस वाटरहाउस चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (पीडब्ल्यूसीए), बीएसआर एंड कंपनी, एसआरबीसी एंड कंपनी और एमएसकेए एंड एसोसिएट्स शामिल हैं। ये रिपोर्ट वित्त वर्ष 26 की गतिविधियों को कवर करती हैं। एनएफआरए ने कहा कि सभी फर्मों के लिए गैर-आडिट सेवाओं पर नियंत्रण मजबूत करने, दस्तावेजीकरण में सुधार और सहायक कंपनियों को ऋण देने में निष्पक्ष दूरी बनाए रखने की आवश्यकता है। निरीक्षण रिपोर्ट में पाई गई कमजोरियों को सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि फर्मों के काम का नकारात्मक मूल्यांकन। पीडब्ल्यूसीए ने अपनी सहायक कंपनियों को 8.5 फीसदी ब्याज दर पर ऋण दिया, जिसे एनएफआरए ने निष्पक्ष माना, लेकिन यह भी कहा कि पर्याप्त आडिट प्रक्रियाओं का सबूत नहीं मिला। एक आडिट मामले में होल्डिंग कंपनी पर चल रहे सीबीआई केस के प्रभाव का मूल्यांकन रिपोर्ट में स्पष्ट नहीं था। मानव संसाधन में भी कमी पाई गई; एक नियुक्त सीए की नकली डिग्री थी, जिसे दो साल बाद सत्यापन प्रक्रिया में पता चला और फर्म ने सेवामुक्त कर दिया। बीएसआर ने स्वतंत्रता और पिछले निरीक्षण निष्कर्षों का पालन किया, लेकिन नियामक ने गैर-आडिट सेवाओं की नीतियों और समस्या के मूल कारणों के विश्लेषण को और मजबूत करने की आवश्यकता बताई। एनएफआरए की ये रिपोर्टें आडिट फर्मों को सुधार और पारदर्शिता बढ़ाने का संकेत देती हैं। इसमें वित्तीय प्रक्रियाओं, मानव संसाधन और नीति अनुपालन जैसे क्षेत्रों में सुधार के अवसरों पर जोर दिया गया है, ताकि आडिट उद्योग की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बनी रहे ।

कास्पर्स्की भारत में निवेश दोगुना कर बनाएगी क्षेत्रीय साइबर हब

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी कास्पर्स्की ने भारत में अपने निवेश को दोगुना करने की योजना बनाई है। कंपनी भारत को क्षेत्रीय सेवाओं का केंद्र (हब) बनाने पर जोर दे रही है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अधिकारी ने कहा कि भारत में विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड आपरेशन स्थापित किए जाएंगे ताकि स्थानीय और क्षेत्रीय ग्राहकों को बेहतर सेवाएं दी जा सकें। उन्होंने बताया कि 2024 में कास्पर्स्की ने मजबूत दो अंकों की वृद्धि दर्ज की।

उन्होंने कहा कि 2025 के वित्तीय परिणाम और भी बेहतर रहने की संभावना है। कंपनी केवल कार्यालय और कर्मचारियों में निवेश ही नहीं बढ़ाएगी, बल्कि भारत को क्षेत्रीय स्तर पर विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड सेवाओं का केंद्र बनाने पर भी काम कर रही है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि भारत में क्षेत्रीय ग्राहकों के लिए डेटा सेंटर स्थापित किया जाता है, तो भर्ती में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। कंपनी स्थानीय कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएगी और क्लाउड सेवाओं के विस्तार पर ध्यान देगी। अधिकारी ने चेतावनी दी कि 2026 में साइबर हमले बढ़ सकते हैं। 2025 में कास्पर्स्की ने भारत में 4.7 करोड़ से अधिक वेब-आधारित खतरों को रोका। उन्होंने कहा कि डीपफेक जैसे खतरे एआई उपकरणों की आसान उपलब्धता के कारण तेजी से बढ़ रहे हैं और अब एआई से लड़ने के लिए एआई का उपयोग जरूरी हो गया है। उन्होंने माना कि एआई बुनियादी अकाउंटिंग, साफ्टवेयर कोडिंग और वेब प्रबंधन जैसे कार्यों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने सभी को खुद को अपग्रेड करने और कौशल उन्नयन पर ध्यान देने की सलाह दी।

भारत में विपणन, व्यापार विकास और क्लाउड आपरेशन स्थापित किए जाएंगे

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अकेले...

पता लगाने वाले ड्रोन के इस्तेमाल की संभावना पर चर्चा कर रहा है। साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ब्रिटेन के युद्ध क्षेत्र में अपने युद्धपोत भेजने की संभावना कम ही है। अमेरिका के दो और अहम सहयोगी, जापान और ऑस्ट्रेलिया, ने भी सोमवार को संकेत दिया कि वे विवादित होर्मुज़ जलडमरूमध्य में गश्त के लिए नौसैनिक जहाज़ भेजने को शायद तैयार न हों। यह बात तब सामने आई जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि अमेरिका खाड़ी के तेल पर निर्भर सात देशों से बात कर रहा है ताकि इस संकरे लेकिन रणनीतिक समुद्री गलियारे में जहाज़ों की सुरक्षा में मदद मिल सके।

ट्रंप ने रविवार को एयर फ़ोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि इस संकरे जलमार्ग से गुज़रने वाले व्यापारिक जहाज़ों की सुरक्षा में मदद के लिए कई सरकारों से संपर्क किया गया है।

हालांकि, ट्रंप ने उन देशों के नाम नहीं बताए, लेकिन शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और अन्य देश, जो इस कृत्रिम बाधा से प्रभावित हैं, इस अहम जलडमरूमध्य में गश्त के लिए जहाज़ भेजेंगे।

ट्रंप ने पत्रकारों से कहा था, मैं मांग कर रहा हूं कि ये देश आगे आएं और अपने ही क्षेत्र की रक्षा करें, क्योंकि यह उनका ही क्षेत्र है उन्हें मिलकर काम करना चाहिए, क्योंकि उन्हें अपनी ऊर्जा इसी क्षेत्र से मिलती है।

लोकसभा में...

कोई सदस्य लक्ष्मण रेखा पार न करे। ऐसी भावना के साथ सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य अपना व्यवहार सदन में करेंगे, तो सदन अच्छे से चलेगा। पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा कि श्रीमती सुले ने लक्ष्मण रेखा पार न करने की बात कही है। कल बैठक में भी इसी तरह की भावना व्यक्त की गयी थी। सदन में महासचिव और अधिकारियों की मेजों पर कोई नहीं चढ़ेगा। जिस तरह का व्यवहार पिछले दिनों हुआ, ऐसा नहीं होना चाहिए। ताली दोनों हाथों से बजती है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों सदन की गरिमा और मर्यादा का ध्यान रखेंगे, तो सदन की कार्यवाही अच्छे से संचालित की जा सकेगी।

श्री बिरला ने कहा कि सभी दलों के नेताओं के साथ बैठक में सदन को सुचारु रूप से चलाने देने में सहयोग देने के प्रति प्रतिबद्धता दर्शायी गयी थी। सदन की गौरवशली परम्परा का निर्वाह करने के लिए सभी का सहयोग महत्वपूर्ण है। सदन में और संसद परिसर में सदस्य तख्तियां, फर्जी फोटो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से निर्मित फोटो नहीं लायेंगे। वह पहले भी कहते रहे हैं और अब फिर कह रहे हैं कि इन बातों का सभी सदस्य विशेष ध्यान रखें।

गौरतलब है कि बजट सत्र के पहले चरण में राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण से पैदा हुई स्थिति के बाद भारी हंगामा करने और अध्यक्ष के आसन की ओर कागज फेंकने के आरोप में कांग्रेस के सात और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक सदस्य को सत्र की शेष अवधि के लिए तीन फरवरी को निलंबित कर दिया गया था।लोकसभा ने आज दिन सदस्यों का निलंबन वापस लिया है, उनमें हिबी ईडेन, अमरिंदर सिंह 'राजा वारिंग', मणिक्कम टैगोर, गुरजीत सिंह औजला, किरण कुमार रेड्डी, प्रशांत पाडोले, डीन कुरियाकोस और एस वेंकटेशन शामिल हैं।

24 घंटे में...

उन्होंने कहा कि इस दिशा में जीएएल अथॉरिटी ऑफ इंडिया पहले ही सभी सीजीडी कंपनियों के साथ बैठक कर चुकी है। इसके अलावा, पीएनजी आरबीआई ने भी एक परामर्श जारी किया है।

श्रीमती शर्मा ने कहा ,हमारी सीजीडी कंपनियां जैसे आईजीएल, एमजीएल, जीएएल इंडिया और बीपीसीएल ने उन कंपनियों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन घोषित किए हैं जो पीएनजी कनेक्शन लेना चाहती हैं। इसी प्रकार, भारत सरकार ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा है। उनसे अनुरोध किया गया है कि पाइपलाइन बिछाने की सभी अनुमतियों को स्वीकृत माना जाए।

उन्होंने कहा कि नए आवेदनों को 24 घंटे के भीतर मंजूरी दी जानी चाहिए। राज्य सरकार या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा लगाए जाने वाले सड़क पुनर्स्थापन और अनुमति शुल्क को माफ किया जाना चाहिए साथ ही कार्य समय और कार्य अवधि में भी छूट दी जानी चाहिए।

संयुक्त सचिव ने कहा कि एक नोडल प्राधिकरण भी नियुक्त किया जाना चाहिए ताकि समन्वय बना रहे और कार्य तेजी से किए जा सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि एलपीजी के मामले में, मैं कहना चाहूंगी कि स्थिति अभी भी चिंताजनक है। हालांकि, किसी भी एलपीजी वितरक पर कोई कमी नहीं है। रिटेल आउटलेट्स पर किसी प्रकार की कमी नहीं है। पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

श्रीमती शर्मा ने कहा कि एलपीजी प्रमाणीकरण कोड की डिलीवरी में भी 76 प्रतिशत सुधार हुआ है। वाणिज्यिक एलपीजी आपूर्ति जो शुरुआत में बंद थी, बाद में आंशिक रूप से बहाल कर दी गई। इसके अलावा राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास रखे गए सिलेंडर भी वितरित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बिहार, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मणिपुर, राजस्थान, उत्तराखंड आदि कई राज्यों ने पहले ही गैर-घरेलू एलपीजी आवंटन आदेश जारी कर दिए हैं। मणिपुर, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक ने भी एसकेओ आवंटन आदेश जारी किए हैं।उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तु अधिनियम और एलपीजी नियंत्रण आदेश के तहत, जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने कई राज्य सरकारों ने कंट्रोल रूम स्थापित कर लिए हैं। कई राज्यों ने जिला स्तर पर निगरानी समितियां भी बना दी हैं। पिछले कुछ दिनों में लगभग 12,000 छापे मारे गए हैं और लगभग 15,000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। उन्होंने कहा , दिल्ली में लगभग 600 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इसी तरह, उत्तर प्रदेश में पिछले कुछ दिनों में लगभग 450 निरीक्षण और छापे मारे गए हैं। 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जम्मू और कश्मीर में 564 छापे, एफआईआर और गिरफ्तारियां हुई हैं। केरल में लगभग 1,000 छापे और निरीक्षण किए गए हैं। घरेलू और वाणिज्यिक सिलेंडर जब्त किए गए हैं।

मध्य प्रदेश में लगभग 1,200 छापे मारे गए हैं और लगभग 1,800 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। इसके अलावा, हमारी तेल विपणन कंपनियों की निरीक्षण टीमों को भी सक्रिय किया गया है और लगभग 2,500 रिटेल आउटलेट्स और एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप का आकस्मिक निरीक्षण किया गया है।उन्होंने लोगों से अपील की, वे अफवाहों से दूर रहें, घबराएं नहीं, ऑनलाइन बुकिंग करें और एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी उनके घर पर की जाएगी।घबराहट में बुकिंग करने से बचें। कल लगभग 70 लाख घबराहट में बुकिंग दर्ज की गईं। इसके अलावा, जहां वैकल्पिक ईंधन संभव हैं, चाहे वह पीएनजी हो, इंडक्शन हो या इलेक्ट्रिक कुकटॉप, एलपीजी का उपयोग यथासंभव कम करें। जहां भी संभव हो, संरक्षण करें।

होर्मुज से निर्बाध...

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान से बात कर उन्हें ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा की। उन्होंने यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा दोहराते हुए निर्दोष लोगों की मौत और नागरिक ढांचे को हुए नुकसान पर चिंता जताई।

दोनों नेताओं ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा व स्थिरता बहाल करने के लिए मिलकर काम जारी रखने पर सहमति जताई। हम क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

इससे पहले सरकार ने उनक खबरों का खंडन किया है, जिसमें कहा गया कि होर्मुज स्ट्रेट से भारतीय ध्वज वाले जहाजों को सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के बदले में भारत द्वारा जब्त किए गए तीन तेल टैंकरों को छोड़े जाने की मांग कर रहा है। सरकार के शीर्ष सूत्रों ने कहा कि यह रिपोर्ट निराधार है और भारत तथा ईरान के अधिकारियों के बीच इस तरह की कोई चर्चा नहीं हुई है।

भारत होर्मुज स्ट्रेट से 20 से अधिक भारतीय ध्वज वाले व्यापारिक जहाजों का सुरक्षित लाने के लिए तेहरान के संपर्क में है. दोनों पक्षों के बीच हुई बातचीत के बाद शनिवार तड़के भारतीय ध्वज वाले दो एलपीजी वाहक जहाज, शिवालिक और नंदा देवी, 92,712 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर गए।

ईरान का दुबई पर हमला

बता दें कि ईरान ने अरब देशों पर अपने हमले जारी रखे हैं। इस बीच उसने यूएई के सबसे अहम तेल सुविधाओं पर ड्रोन हमले किए, जिसमें अबू धाबी के शाह गैस फील्ड और फुजैराह ऑयल इंडस्ट्रीज एरिया में ड्रोन हमलों से भीषण आग लग गई। इन हमलों से यूएई को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। वहीं दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी ड्रोन हमले में आग लगने से पूरे एयर स्पेस को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 18 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

एनएमडीसी एवं जीएमडीसी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

रेअर अर्थ तत्वों की संभावनाओं को तलाशने के लिए संयुक्त प्रयास

हैदराबाद, 16 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत की प्रमुख खनन कंपनियों – एनएमडीसी लिमिटेड और जीएमडीसी लिमिटेड ने सोमवार को रेअर अर्थ तत्वों की संभावनाओं का अन्वेषण में सहयोग करने हेतु एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

इस सशक्त साझेदारी का उद्देश्य भारत के लिए एक समेकित एवं सतत् महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति शृंखला का विकास करना है। यह साझेदारी देश में रेअर अर्थ तत्वों के अन्वेषण के साथ-साथ अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) क्षमताओं के विस्तार तथा

इस उप-क्षेत्र में कार्बन-सचेत पहलों को बढ़ावा देने का मार्ग प्रशस्त करती है।

एनएमडीसी मुख्यालय, हैदराबाद में श्री अमिताभ मुखर्जी, सीएमडी, एनएमडीसी तथा श्री रूपवंत सिंह, आईएएस, प्रबंध निदेशक, जीएमडीसी की उपस्थिति में , दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हस्ताक्षरित किया। 16 मार्च 2026 से प्रभावी यह समझौता दो वर्ष की अवधि के लिए है तथा प्रस्तावित सहयोग का मूल्यांकन एवं सुदृढ़ीकरण करने हेतु एक संचालन समिति एवं कार्य समूह के गठन की अनुशंसा करता है।

इस सहयोग से देशभर में रेअर अर्थ तत्वों तथा उससे संबंधित डाउनस्ट्रीम गतिविधियों के विकास को मजबूती मिलने की अपेक्षा है।

इस अवसर पर एनएमडीसी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा, रेअर अर्थ तत्वों में भारत की रुचि अब एक रणनीतिक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन चुकी है। ये खनिज ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा क्षमता तथा वास्तविक आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के केंद्र में हैं। खनन कंपनियों से इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया है।

जीएमडीसी के साथ मिलकर एनएमडीसी देश के लिए शीघ्र ही एक सुदृढ़ महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति शृंखला स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एनएमडीसी और जीएमडीसी, अपने-अपने महत्वपूर्ण खनिज मिशन एवं रेअर अर्थ कॉरिडोर में प्रगति के साथ, भविष्य में संयुक्त उपक्रम, विशेष प्रयोजन वाहन तथा रणनीतिक व्यावसायिक सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार कर रहे हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन

तेलंगाना भाजपा के तीन युवा नेताओं को महत्वपूर्ण पदों पर मनोनयन पर संस्थाओं ने किया सम्मान

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामकोट स्थित श्री जैन सेवा संघ भवन में भाजपा नेता अविनाश देवडा, मनमीत सिंह एवं डॉ. जिग्नेश गोकानी का विभिन्न संस्थाओं की ओर से भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि लव फॉर काऊ फाउंडेशन की ओर से चेयरमैन जसमत पटेल, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की ओर से रिद्धीश जागीरदार, श्री जैन सेवा संघ की ओर से चेयरमैन योगेश सिंघी, अध्यक्ष उमेश वागरेचा, मंत्री विमल मुथा, प्रचार संयोजक प्रवीण पांड्या, गुजराती ब्राह्मण समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद की ओर से अध्यक्ष तरूण महेता एवं टी.टी.डी. धर्म प्रचार परिषद वार्ड के पूर्व सदस्य स्वामी कमलेश महाराज, गो सम्मान अभियान के संयोजक ओम सिंह द्वारा माली समाज के युवा कार्यकर्ता अविनाश देवडा को भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना राज्य के व्यापारिक प्रकोष्ठ सह-संयोजक, डॉ. जिग्नेश गोकानी को भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना राज्य के प्रवासी प्रकोष्ठ सह-संयोजक, मनमीत सिंह को भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना राज्य के लेबर प्रकोष्ठ सह-संयोजक मनोनित होने पर अभिनंदन किया गया।अवसर पर जसमत पटेल ने अविनाश देवडा, मनमीत सिंह एवं डॉ. जिग्नेश गोकानी की प्रशंसा करते हुए कहा कि तीनों ही युवा काफी कम उम्र से ही समाज सेवा, स्वास्थ्य सेवा, जीवदया के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। वह प्रभु से प्रार्थना करते हुए अविनाश देवडा, मनमीत सिंह एवं डॉ. जिग्नेश गोकानी को 'जीवन् शरदशतम्' अर्थात शतायुष्यमान रहकर रोग पीड़ित मानव समाज को जीवन और स्वास्थ्य प्रदान करें।

अविनाश देवडा का परिचय देते हुए रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि वे भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं गौभक्त श्री अविनाश देवडा को भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना राज्य के व्यापारिक प्रकोष्ठ सह-संयोजक मनोनित किया गया। उन्होंने अविनाश देवडा को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे व्यापारिक समुदाय की आवाज को संगठन और सरकार तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भारतीय जनता पार्टी में करीब 10 वर्ष से भी ज्यादा समय से जुड़े हैं, इसके साथ साथ वे विभिन्न सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हैं।

वहीं डॉ. जिग्नेश गोकानी का परिचय देते हुए कहा कि वे एक मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी में सुजोक थेरेपी कोर्स प्रारंभ कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिग्नेश गोकानी 2013 में इंटरनेशनल सुजोक एसोसिएशन इंडिया के महासचिव नियुक्त किए गए। 2013 से 2017 तक आईएसए ग्लोबल के संयोजक के रूप में भी कार्य किया। 2019 में गुजरात सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिसमें गुजरात के बेरोजगार युवाओं को पेन मैनेजमेंट प्रोफेशनल कोर्स में प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार देने का उद्देश्य था। इसके बाद सौराष्ट्र विश्वविद्यालय के साथ भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। 2024 में उन्हें जीसीसीआई के उपाध्यक्ष के रूप में और तेलंगाना एवं मध्य प्रदेश के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया, ताकि हर गौशाला को आत्मनिर्भर बनाया जा सके और किसानों की आय दोगुनी की जा सके। 2025 में गुजरात सरकार द्वारा एनआरजी विभाग द्वारा भारत के सभी गुजराती समाज को एनआरजी विभाग से जोड़ने के लिए समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया।

श्री जैन सेवा संघ चेयरमैन योगेश सिंघी, अध्यक्ष उमेश वागरेचा व मंत्री विमल मुथा ने भी अविनाश देवडा को भाजपा व्यापारिक प्रकोष्ठ सह-संयोजक मनोनित होने पर शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अविनाश देवडा ने भाजपा तेलंगाना राज्य के सभी वरिष्ठ नेताओं एवं विशेषकर भाजपा तेलंगाना राज्य अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव का आभार प्रकट किया और उन्होंने कहा कि वह व्यापारिक समूह को विश्वास दिलाया कि वे पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करते हुए तेलंगाना के समस्त व्यापारिक समुदाय के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर जन सेवा संघ के अध्यक्ष बिश्वजीत सिंह, उपाध्यक्ष एस. ए. खान, महासचिव प्रकाश चौधरी, कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य सदस्य एवं समाजसेवी उपस्थित रहे।

अन्नदान से जरूरतमंदों को मिल रहा सहारा : रवि अग्रवाल

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के दौरान जरूरतमंदों को प्रेम और सम्मान के साथ भोजन वितरित किया गया, जिससे उनके चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी।

इस अवसर पर रवि अग्रवाल ने भावुक शब्दों में कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य सिर्फ भोजन बांटना नहीं, बल्कि हर जरूरतमंद तक अपनापन और सहारा पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जब किसी भूखे को भोजन मिलता है और उसके चेहरे पर मुस्कान आती है, वही पल इस सेवा को सार्थक बना देता है। राधे-राधे ग्रुप लगातार इसी भावना के साथ मानव सेवा में जुटा हुआ है और आगे भी यह सिलसिला निरंतर जारी रहेगा।

कार्यक्रम में रवि अग्रवाल, जगन भाई (चंपापेट), विनोद तोशनीवाल, अनिल अग्रवाल , गोविंद राम पचेरिया, महेश गोयल, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल एवं स्वास्ति अग्रवाल ने सक्रिय भागीदारी निभाई और सेवा कार्य को सफल बनाया।

आसमा-परिवर्तन, जागरूकता की उड़ान महिला संस्था की द्वितीय मासिक सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसमा-परिवर्तन, जागरूकता की उड़ान महिला संस्था की द्वितीय मासिक सभा का आयोजन होटल नीलोफर, जुबली हिल्स में रंजु अग्रवाल के संयोजन में आयोजित की गई।

इस अवसर पर अंक विद्या (संख्या विज्ञान) विशेषज्ञ एवं तंत्र विशेषज्ञ रंजु अग्रवाल ने सभी महिला सदस्यों को जानकारी देते हुए बताया कि तंत्र विधा को पूर्व में आसुरी व वशीकरण के रूप में देखा जाता था, पर आज के संदर्भ में इसका उपयोग मानसिक, शारीरिक एवं व्यापारिक रूप से करके परिवार को समृद्ध बनाया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संख्याओं की सहायता से भविष्यवाणी व जीवन में सकारात्मक बदलाव संभव है।

विशेष घोषणा: प्रथम परामर्श निःशुल्क आप इसका लाभ उठा सकते हैं।

सभा में अनीता, रितिका, नैना, रीना, नमिता, राजकौर, कोमल, निशिता, सोनिका, टीना, ऋचा, जगन, स्नेहल, चारू, आरती, मधु, भावना सहित अनेक महिला सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। सभी प्रतिभागियों ने अंक विद्या व तंत्र विज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे एवं अपने अनुभव साझा किए।

स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था टीना व अनीता द्वारा अत्यंत सुंदरता से की गई। सभी महिला सदस्यों ने भोजन का आनंद लिया एवं आयोजकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी महिला सदस्यों ने सामूहिक रूप से आभार व्यक्त किया ।

एनआईपीएचएम-हैदराबाद में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला के आरंभ में संस्थान के हिंदी अधिकारी श्री विजय कुमार साव ने मंचस्थ अधिकारी पीबीडी प्रभाग के निदेशक डॉ.एलिस आर. पी. सुजिता, संस्थान के रजिस्ट्रार श्री कुर्रा श्रीनिवास, डॉ. विधु काम्पुरत, संयुक्त निदेशक (पीएचई), एवं अतिथि वक्ता डॉ. सौरभ कुमार, हिंदी अधिकारी, सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद एवं अन्य अधिकारीगण का स्वागत किया ।

डॉ.एलिस आर. पी. सुजिता, निदेशक (पीबीडी) ने कार्यशाला के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संस्थान एक केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान है एवं विभिन्न राज्यों से अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण के लिए यहां आते हैं । फिर भी हमारा उद्देश्य हिंदी भाषी प्रदेशों से आये प्रशिक्षार्थियों को हिंदी में प्रशिक्षण देने का हर संभव प्रयास रहता है, ताकि वे अपने संबंधि विषयों को हिंदी में समझ सके और प्रशिक्षण का लाभ उठा सके । संयुक्त निदेशक (पीएचई), डॉ. विधु काम्पुरत ने कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कर्मचारियों को हिंदी कार्यशाला में भाग लेना चाहिए, ताकि उनको हिंदी में कार्य करने में जो कठिनाईयां आ रही है, उसका निवारण किया जा सके ।

संस्थान के रजिस्ट्रार श्री कुर्रा श्रीनिवास ने कहा कि हम सभी का यह संवैधानिक एवं नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि हम अधिक से अधिक कार्यालयीन कामकाज हिंदी में करें, जिससे संस्थान में हिंदी को अधिक बढ़ावा दिया जा सके । उन्होंने आगे यह भी कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी कार्यशाला में अवश्य भाग लेना चाहिए, ताकि उनको हिंदी में कार्य करने में जो कठिनाईयां आ रही है, उसका निवारण किया जा सके ।

इस कार्यशाला के अतिथि वक्ता डॉ. सौरभ कुमार, हिंदी अधिकारी, सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद ने कार्यशाला के दौरान उपस्थित कर्मचारियों को भारती: बहुभाषी अनुवाद सारथी के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की । इसके अलावा अनुवाद के टूल्स से भी अवगत कराया गया एवं राजभाषा नीति, केंद्र सरकार के कार्यालयों में उपयोग किए जाने वाले सभी दस्तावेजों के बारे में भी विस्तार-पूर्वक जानकारी दी । इस हिंदी कार्यशाला में संस्थान के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया ।

इस समारोह में संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित थें । कार्यक्रम के अंत में संस्थान के हिंदी अनुवादक डॉ. राठौड़ मोहन ने अधिकारीगण, अतिथि वक्ता एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और श्री उबैद मोहम्मद, हिंदी टंकक ने कार्यक्रम के संचालन में सहयोग प्रदान किया ।

राजस्थानी उत्सव फाउण्डेशन का महा तम्बोला कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी उत्सव फाउण्डेशन द्वारा रविवार, दिनांक 15 मार्च 2026 को ऋषि श्रृंग भवन में फाउण्डेशन के अध्यक्ष संदीप जायलवाल, प्रमुख मार्गदर्शक रामदेव नागला व अनिल जायलवाल के सान्निध्य में 'महा तम्बोला' का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ।

सुप्रसिद्ध उद्योगपति व समाज चिंतक नरेन्द्रजी गोयल ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर के चेहरे व समाज सेवी अमृत कुमारजी जैन तथा विशेष अतिथि के रूप में पंडित पुरुषोत्तम लाला, नन्दकिशोर व्यास बिलाल, मनोज अग्रवाल, सुरेश कुमार व्यास पारीक, राकेश अग्रवाल एवं पवन तिवाड़ी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का साफा-शाल व स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अराधना ओझा, अर्चना ओझा व तारक जायलवाल ने मंच संचालन किया।

तम्बोला खेल का रोमांच: खचाखच भरा भवन, खुशी की लहर

कार्यक्रम की अगली कड़ी में तम्बोला कार्यक्रम के प्रमुख नवनीत झंवर व सहयोगियों ने तम्बोला खेल प्रारंभ किया। सायं 5:45 बजे से प्रारंभ हुआ तम्बोला कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे तक चलता रहा। सारा भवन खचाखच भरा हुआ था। इस अवसर पर सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सारे वातावरण में खुशी की लहर थी।

आयोजन को सफल बनाने में सहयोगियों का अमूल्य योगदान

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, संदीप जायलवाल, अमर जायलवाल, धरमाराम ढाका, भगवानदास कौशिक, रूपचंद व्यास, अजय पंडित, गोविंद प्रसाद पांडिया, हरिप्रसाद रिणवा, गोपाल डोबा, जुगलकिशोर उपाध्याय, आशीष वर्मा, गोपाल कृष्ण तिवाड़ी, श्रवण ओझा, रामचंद्र तिवारी, गोविंद जायलवाल, अशोक-कमलनारायण उपाध्याय, राजेश पांडित, आनंद आइना, गोपालकृष्ण तिवाड़ी, कमलनारायण उपाध्याय, राजेश पंडित, आनंद ओझा, श्रवण ओझा, रामचंद्र तिवारी, गोविंद जायसवाल, अशोक उपाध्याय, लखन जायलवाल, सुमित जायलवाल, लक्ष्मीनारायण ओझा, कांता जायलवाल, किरण व्यास, प्रेमलता व्यास, आराधना ओझा, संगीता पांडिया, गायत्री तिवाड़ी, सोनिया जायलवाल, दुर्गा नागला तिवाड़ी, उषा उपाध्याय, रेखा उपाध्याय तैतारण, दुर्गा ओझा, संतोष व्यास, गायत्री नागला, सावित्री नागला, रेखा उपाध्याय कोत्तापेट, जमुना उपाध्याय, अमृता उपाध्याय, ज्योति तिवाड़ी, नीता नागला, अतिमाला अग्रवाल, उषा कौशिक, राजेश्वरी वर्मा, ममता परीहार, मीनाक्षी रिणवा, अर्चना ओझा, मीनाक्षी सिखवाल, चंद्रकला उपाध्याय, शोभा तिवारी, अर्चना जोशी का सहयोग रंग लाया।

रात्रि 9:30 बजे कार्यक्रम समापन के पश्चात सभी ने सहभोज में उपस्थिति दर्ज कराई। रामदेव नागला व अनिल जायसवाल ने सभी अतिथिगण व भवन में उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया कि सभी ने सुचारू रूप से कार्यक्रम सम्पन्न कराने में सहयोग किया। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

महर्षि गौतम जयंती महोत्सव एवं उगादि नववर्ष कार्यक्रम कल

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण सभा हैदराबाद-सिकंदराबाद, नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में न्याय शास्त्र के रचयिता महर्षि गौतम जन्मोत्सव, गुड़ी पड़वा उगादि नववर्ष सामाजिक पर्व का आयोजन प्रति वर्षानुसार आगामी दिनांक 19 मार्च, गुरुवार को बड़े हर्षोल्लास के साथ गौतम आश्रम, महर्षि गौतम गायत्री ट्रस्ट, पाशमुला राघवेंद्र नगर, हयातनगर में सायं 4:00 बजे से धूमधाम से मनाया जाएगा।

कार्यक्रम सहयोगी संस्था महर्षि गौतम गायत्री ट्रस्ट, हयातनगर एवं श्री महर्षि गौतम आश्रम गुर्जर गौड़ ब्राह्मण ट्रस्ट, रामबाग अत्तापुर के साथ मनाया जाएगा।सायंकाल 4:00 बजे महर्षि गौतम जी एवं वेद माता माँ गायत्री की पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके पश्चात मंचीय कार्यक्रम एवं महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी, तत्पश्चात प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। सभी स्वजातीय बंधुओं को इस सामाजिक पर्व पर सादर आमंत्रित किया गया है तथा सह-परिवार उपस्थित होकर महर्षि गौतम जी का आशीर्वाद प्राप्त करने एवं संयुक्त वार्षिक महोत्सव कार्यक्रम में समयपूर्वक सहभागिता निभाने का आह्वान किया गया है।

हिमायतनगर तेरापंथ भवन में सुंदरी व महावीर जोन की सामूहिक सामायिक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिमायतनगर तेरापंथ भवन में सुंदरी जोन व महावीर जोन की सामूहिक सामायिक रखी गई। 11 बहनों की उपस्थिति रही। सामायिक में सर्वप्रथम नवकार मंत्र का संगान किया गया।

प्रेम संचेती ने प्रेक्षाध्यान कराया। उसके बाद शांता जी ने परमेष्ठी पंचक की पहली और तीसरी गीतिका का संगान कराया और दूसरी गीतिका सभी बहनों ने तन्मयता से गीतिका का संगान सिखाया। इसके पश्चात 10 मिनट तक दूसरे बोल जाति पांच की चर्चा की गई। अगली सामायिक में सभी को पुनः संगान कराने के लिए कहा गया है। इस प्रकार सामायिक सानंद संपन्न हुई।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा कार्य किया गया, जिससे उनके चेहरों पर संतोष और खुशी देखने को मिली।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश शारदा, संजय गुप्ता, हरीश तोलाराम हिंदूजा, रणबीर एवं गुरु के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने मिलकर सेवा भावना के साथ अन्नदान कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि अन्नदान से बड़ा कोई दान नहीं होता और राधे-राधे ग्रुप इसी उद्देश्य के साथ निरंतर जरूरतमंदों की सेवा में लगा हुआ है। ग्रुप के इन कार्यों से समाज में सहयोग और सेवा की भावना को बल मिल रहा है।

जन सेवा संघ का हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जन सेवा संघ द्वारा गुजराती हाई स्कूल, आर.पी. रोड, सिकंदराबाद में हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया।

मीडिया प्रभारी राजीव चौबे के अनुसार, कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक समिति के संयोजक सुनील श्रीवास्तव एवं सहसंयोजक परमानंद शर्मा के नेतृत्व में हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विनय कुमार सिंह (आईपीएस) द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर देशभर से आए कवियों घनश्याम अग्रवाल, वेणुगोपाल भट्टड़, नरेंद्र राय, अजीत गुप्ता, ज्योति नारायण, अजय श्रीवास्तव, सीमा त्रिवेदी, संतोष संप्रति एवं कृष्णा पुरोहित ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया।

कवियों ने अपनी हास्य एवं व्यंग्यपूर्ण रचनाओं से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया। सामाजिक विषयों को रोचक अंदाज में प्रस्तुत करते हुए उन्होंने दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं, जिससे पूरा वातावरण हंसी और उत्साह से भर गया।

इरिसेट महिला संगठन द्वारा केंद्रीय अस्पताल को पाँच व्हीलचेयर का दान

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इरिसेट महिला संगठन ने सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक कल्याण के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए रेलवे अस्पताल को पाँच व्हीलचेयर दान की हैं।

इन व्हीलचेयरों को 17.03.2026 को केंद्रीय अस्पताल /दमरे परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान औपचारिक रूप से अस्पताल प्रशासन को सौंपा गया। यह सराहनीय पहल चलने-फिरने में कठिनाई का सामना कर रहे मरीजों को सहायता प्रदान करने तथा उन्हें उपलब्ध कराई जाने वाली देखभाल और सुविधा की गुण-वत्ता को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है।इरिसेट महिला संगठन की अध्यक्षा श्रीमती अनुपमा श्रीवास्तव के नेतृत्व में, कोर

समिति की सदस्यगण - श्रीमती शोभा श्री राजाशेखर (उपाध्यक्ष), श्रीमती शिखा विश्नोई (सचिव), श्रीमती शोभना नामदेव (कोषाध्यक्ष), श्रीमती फरजाना अली (संयुक्त सचिव), तथा कार्यकारी सदस्य - श्रीमती एम. श्रुति और बी. हराठी ने बताया कि यह योगदान अस्पताल को मरीजों, विशेषकर वृद्धजनों और तत्काल चलने-फिरने में सहायता की आवश्यकता वाले रोगियों की बेहतर सेवा करने में सहयोग देने के उद्देश्य से किया गया है।

अस्पताल प्रशासन के प्रमुख चिकित्सा निदेशक / केंद्रीय अस्पताल श्री डॉ. आई. शिवनाग प्रसाद तथा डॉ. कृष्णवेणी, सीएसएस-1/ केंद्रीय अस्पताल ने इस विचारशील पहल के लिए संगठन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और बताया कि दान की गई व्हीलचेयरें मरीजों की सहायता तथा अस्पताल की परिचालन दक्षता को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।

इस प्रकार की पहल इरिसेट महिला संगठन द्वारा अपनाई गई सेवा और करुणा की भावना को दर्शाती हैं तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने में सामुदायिक भागीदारी के महत्व को और अधिक बल प्रदान करती हैं।

बेगमबाजार में राजगोपाल व्यास के निवास पर गणगौराा उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर कांता व्यास, बसंती खटोड व्यास, वंदना व्यास, किरण, कोमल आसोपा, मिताली, राजश्री, मोनिका राठी, सीमा मुंदडा, मधुरिका मुंदडा, संगीता व्यास, रुपिका पंसारी, सुशीला मिश्रा, प्रेमलता मुंदडा, किरण कांकाणी, मधुलता जोशी, रश्मि आसोपी, सरोज लोया एवं अन्य उपस्थित थीं।

मिधानि को मिली राष्ट्रीय एयरोस्पेस एवं रक्षा संविदाधारक एक्रेडिटेशन कार्यक्रम (नैडकैप) से मान्यता

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मिधानि की हीट ट्रीटमेंट सुविधा को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एयरोस्पेस और रक्षा ठेकेदार प्रत्यायन कार्यक्रम नैडकैप मान्यता से सम्मानित किया गया है।

यह मान्यता गुणवत्ता, प्रक्रिया नियंत्रण और वैश्विक एयरोस्पेस उद्योग की आवश्यकताओं के अनुपालन के उच्चतम मानकों के प्रति मिधानि की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नैडकैप मान्यता प्राप्त करने से विश्व-स्तरीय धातुकर्म प्रसंस्करण के साथ

महत्वपूर्ण एयरोस्पेस और रक्षा कार्यक्रमों को सहयोग देने की मिधानि की क्षमता और भी सुदृढ़ होगी।इस उपलब्धि को हासिल करने में किए गए प्रयासों के लिए हम अपनी समर्पित टीम का और साथ ही, निरंतर विश्वास तथा सहयोग के लिए अपने मूल्यवान ग्राहकों का आभार व्यक्त करते हैं।

झुंझुनू प्रगति संघ का होली स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। झुंझुनू प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई का होली मिलन समारोह हिमायतनगर स्थित होटल प्लेटिनम के बैंक्वेट हॉल में संपन्न हुआ। गुलाल के तिलक और होली की पारंपरिक ठंडाई से युक्त सायंकालीन अल्पाहार से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में परामर्शदाता ओमप्रकाश पंसारी एवं संयुक्त सचिव योगेश सिंघानिया द्वारा संयोजित प्रश्नावली और तंबोला के खेल का आयोजन किया गया। तंबोला में विजेता रहे मीता पंसारी, सीमा जालान, जयंत जालान, स्वाती केडिया, सृष्टि तुलस्यान एवं बबीता खंडेलिया को पुरस्कृत किया गया।मंचीय कार्यक्रम के अंतर्गत अध्यक्ष राजकुमार पसारी ने सभी उपस्थित जनों का स्वागत करते हुए होली की शुभकामनाएं दीं। संयुक्त मंत्री योगेश सिंघानिया ने संघ की पूर्व गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया, जबकि कोषाध्यक्ष नितिन तुलस्यान ने आर्थिक स्थिति का लेखा-जोखा रखा। इस अवसर पर संघ के पूर्व अध्यक्षों मुरारीलाल राणासरिया, सुशील तुलस्यान, पवन टिबरेवाल, गिरधारी लाल राणासरिया, मंजू टिबरेवाल एवं डॉ. दिलीप पंसारी को संघ के प्रति उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।संघ में नियमित सहयोग प्रदान करने हेतु आलोक राणासरिया, आनंद तुलस्यान, अंकुर गुप्ता, ओमप्रकाश पंसारी, गिरीश तुलस्यान, ज्योति प्रकाश टिबरेवाल, पवन पंसारी, कुंज बिहारी मित्तल, मधुसूदन जालान, नितिन तुलस्यान, पंकज केडिया, प्रदीप तुलस्यान, राजकुमार पसारी, संदीप ढेड़िया, शंकरलाल तुलस्यान (बोइनपल्ली), शंकरलाल तुलस्यान (हैदराबाद), सीताराम उदयपुरिया, सुशील तुलस्यान, उमेश गुप्ता एवं विजय तुलस्यान (उप्पल) को भी सम्मानित किया गया।

परामर्शदाता ओमप्रकाश पंसारी एवं ज्योतिप्रकाश टिबरेवाल के साथ ही गौरी शंकर मित्तल, बुद्ध प्रकाश खंडेलिया, मंजू टिबरेवाल, मनोज मित्तल, संजय जालान एवं अन्य ने अपने विचार व्यक्त किए। संघ द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होली मिलन को होली के त्योहार से पूर्व आयोजित करने, होली एवं दीवाली मिलन में सहभागिता बढ़ाने, महिला एवं युवा वर्ग को संघ से जोड़ने, नए सदस्यों का विस्तार करने तथा अनुशासन एवं सदस्यता विस्तार समिति के गठन सहित संघ के उत्थान के लिए विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए गए।

कुल सदस्यों में से भाग्यशाली पुरस्कार विजेता गौरी शंकर मित्तल, बुद्ध प्रकाश खंडेलिया एवं दीवांश सिंघानिया रहे। आगामी कार्यकाल के लिए संघ के नए अध्यक्ष उमेश गुप्ता (बीर्मीवाले), सचिव डॉ. दिलीप पंसारी, कोषाध्यक्ष शंकरलाल तुलस्यान, उपाध्यक्ष कुंज बिहारी मित्तल एवं संयुक्त मंत्री नितिन तुलस्यान सर्वसम्मति से चयनित किए गए।

संयुक्त मंत्री योगेश सिंघानिया के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा का समापन हुआ। समारोह के अंत में दिनेश सांखला, अरविंद चौमाल, सुरेश सिंघानिया, पवन पांडे एवं अन्य के नेतृत्व में राजस्थानी ढप, चंग एवं सामूहिक भोजन का सभी ने आनंद लिया। इस होली स्नेह मिलन समारोह में लगभग 125 लोगों ने सहभागिता की।

अन्नदान महायज्ञ से जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान सेवा में अग्रणी राधे-राधे ग्रुप: निशा गुप्ता

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप, हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास मंगलवार को नियमित अन्नदान (अनुदान) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के तहत जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता की मिसाल पेश की गई।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए निशा गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा किया जा रहा यह कार्य अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि ग्रुप के निरंतर प्रयासों से अन्नदान जैसे महायज्ञ के माध्यम से जरूरतमंद लोगों के चेहरों पर खुशी लाई जा रही है, जो समाज के लिए एक प्रेरणादायक पहल है। कार्यक्रम के दौरान सुशील कुमार, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, ई. जगन (चंपापेट), मनीष अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, जयप्रकाश सारडा, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, गौरव गोयल, संजय अग्रवाल एवं सविता अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा भावना के साथ मिलकर अन्नदान कार्य को सफल बनाया और भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

ब्राह्मणपल्ली बना 'बाल विवाह मुक्त गाँव', जागरूकता सत्र आयोजित

पेद्दापल्ली, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

'प्रजा पालना – प्रगति प्रणाली' (जन प्रशासन – प्रगति योजना) के तहत ब्राह्मणपल्ली गाँव में बाल संरक्षण विषय पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता गाँव के सरपंच ने की। कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य मारिपल्ली चंदना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर मारिपल्ली चंदना ने कहा कि आयोग बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने समाज से बाल श्रम, स्कूल छोड़ने और बच्चों की तस्करी जैसे गंभीर मुद्दों के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया। साथ ही ब्राह्मणपल्ली को 'बाल विवाह मुक्त गाँव' घोषित किए जाने पर खुशी व्यक्त की।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि ब्राह्मणपल्ली के पास पूरे देश में बाल विवाह मुक्त घोषित होने वाले पहले गाँव के रूप में पहचान बनाने का सुनहरा अवसर है। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों के समर्पित प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम में जिला कल्याण अधिकारी वेणुगोपाल राव, जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य, जिला बाल संरक्षण अधिकारी, सीपीडीओ (पेद्दापल्ली एवं मन्थनी), अतिरिक्त डीआरडीओ, एमपीडीओ, बालिका विकास अधिकारी, चएज, प्रधानाध्यापक तथा ग्राम प्रशासन के सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज मलकपेट महिला शाखा का 'रंगरंगीली नारी' का आयोजन 23 को

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, मलकपेट महिला शाखा द्वारा 23 मार्च को 'रंगरंगीली नारी' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम अग्रवाल समाज कमिटी हॉल, 10ींह फ्लोर, राघव रत्ना टावर्स, एबिड्स में आयोजित होगा। महालक्ष्मी ढाबा में आयोजित बैठक की शुरुआत अग्रसेन महाराज की जय के उद्घोष के साथ हुई। बैठक में महाराजा अग्रसेन के सामाजिक समरसता, सेवा एवं एकता के आदर्शों को स्मरण करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया।मंत्री डॉ. मीता बजाज ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता को मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम में कॉम्प्लिमेंट्री तंबोला, फूलों की मस्ती, टैलेंट शो, बेस्ट मैचिंग ड्रेस प्रतियोगिता, रील मेकिंग कॉन्टेस्ट एवं फन गेम्स जैसी विभिन्न आकर्षक गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।बैठक मलकपेट महिला शाखा की अध्यक्ष रेखा अग्रवाल, उपाध्यक्ष स्वाति अग्रवाल, मंत्री डॉ. मीता बजाज, कोषाध्यक्ष राखी सुरेका एवं के.एस. मेंबर शीतल रूंगटा की उपस्थिति में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

वैश्विक मंच पर परचम लहरा रही है हिंदी : प्रो. निलांति

वैश्विक मंच पर हिंदी : विविध आयाम विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव जैन के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग तथा जम्मू-कश्मीर राष्ट्रभाषा समिति के संयुक्त तत्वावधान में वैश्विक मंच पर हिंदी : विविध आयाम विषय पर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।उद्घाटन सत्र में कुलसचिव प्रो. यशवंत सिंह, मुख्य अतिथि प्रो. आर. के. डी. निलांति के राजपक्ष (जयवर्धने विश्वविद्यालय, श्रीलंका), भाषा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. वंदना शर्मा एवं डॉ. भारत भूषण शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत एवं सरस्वती वंदना से हुई, तत्पश्चात अतिथियों का सम्मान किया गया।

मुख्य अतिथि प्रो. आर. के. डी. निलांति के राजपक्ष ने कहा कि हिंदी आज वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रही है। उन्होंने बताया कि 153 देशों में हिंदी पढ़ाई जा रही है और श्रीलंका सहित कई देशों में इसके अध्ययन-अध्यापन का विस्तार हो रहा है। उन्होंने भारत और श्रीलंका की सांस्कृतिक निकटता तथा रवींद्रनाथ टैगोर की श्रीलंका यात्राओं का उल्लेख करते हुए हिंदी के प्रसार में साहित्य और नाट्य विधा के योगदान को रेखांकित किया।कुलसचिव प्रो. यशवंत सिंह ने कहा कि हिंदी आज विश्वभर में लोकप्रिय हो रही है और कई देशों में इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। वहीं प्रो. वंदना शर्मा ने हिंदी को भारतीय पहचान का अभिन्न अंग बताते हुए इसके अध्ययन पर जोर दिया। डॉ. भारत भूषण शर्मा ने बताया कि विश्व के अनेक विश्वविद्यालयों में हिंदी अध्ययन केंद्र स्थापित हैं, जिससे इसकी वैश्विक पहुंच का विस्तार हुआ है।सम्मेलन के द्वितीय सत्र में डी. एम. एस. मधुभाषिणी कुलसिंह की अध्यक्षता में कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। तृतीय सत्र ऑनलाइन आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता प्रो. अमिय कुमार साहू ने की। अंत में राष्ट्रगान एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ सम्मेलन का समापन हुआ।

क्रीड़ा प्रांगण प्ले स्कूल का प्रथम वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सुल्तान बाजार स्थित आर्य कन्या विद्यालय, देवीदीन बाग में क्रीड़ा प्रांगण – प्ले स्कूल का प्रथम वार्षिकोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को आशीर्वाद देने हेतु श्रुतिकांत भारती (मिलिंद प्रकाशन), जो हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित हैं तथा केंद्र सरकार की हिंदी सलाहकार समिति, कोयला मंत्रालय के मनोनीत सदस्य हैं, ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि क्रीड़ा प्रांगण बच्चों के लिए मजबूत शैक्षणिक आधार तैयार कर रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध सिविल अभियंता पी. निरंजन राव रहे। उन्होंने प्ले स्कूल के प्रयासों की सराहना करते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. धर्म तेजा ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए गुरुकुलीय पद्धति की ओर बढ़ने का सुझाव दिया, जबकि डॉ. प्रतापरुद्र ने कहा कि यह एक सराहनीय पहल है और वे इसके विकास में सहयोग करते रहेंगे।

संस्था के संचालक भरत मुनि ने पिछले एक वर्ष की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह प्ले स्कूल एक अलग पद्धति पर आधारित है, जहां बच्चों पर होमवर्क या स्कूल बैग का बोझ नहीं है और खेल-खेल में शिक्षा एवं संस्कार दिए जाते हैं।कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें गीत, नृत्य एवं ज्ञानवर्धक प्रदर्शन शामिल रहे।

इस अवसर पर आर्य कन्या विद्यालय के मंत्री प्रदीप जाजू, धर्मपाल, उमा दुबे, वाई. पदमा, सुधा ठाकुर, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, विजय कुमार, सौजन्या, मधु, प्राची, राजलक्ष्मी, ऋषि, महंश, अंजलि, रोशनी, भक्त राम सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ममता जैन ने किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रगान एवं शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

केन्द्रीय महिला मंडल में नवरात्रि कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा, सांस्कृतिक आयोजन सम्पन्न

हैदराबाद (शुभ लाभ ब्यूरो)। केन्द्रीय महिला मंडल की सांस्कृतिक संयोजिका श्रीमती सपना विमल दुलारा ने आगामी नवरात्रि कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए महिलाओं को पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर मुंबई से आई पूर्व अध्यक्षा का स्वागत सांस्कृतिक संयोजिका श्रीमती सपना विमल गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान माता के भजन एवं नृत्य प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण बन गया। इस अवसर पर रचना, सीमा, सत्यम, कविता, प्राची, रुचि, मंजू, कमलेश, रागिनी, सुमन, पूनम, भावना, आस्था, पूनम दीपक, सैफाली, सोनिया, उर्मिला, पायल, प्रीति सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

नंदी मेडाराम में नए अस्पताल भवन का सुपरिटेंडेंट ने किया निरीक्षण

पेद्दापल्ली, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ज़िला अस्पताल, पेद्दापल्ली के सुपरिटेंडेंट ने नंदी मेडाराम स्थित नए अस्पताल भवन का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने सरकार द्वारा अस्पताल को उपलब्ध कराए गए चिकित्सा उपकरणों की भी समीक्षा की तथा उनके समुचित उपयोग को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नंदी मेडाराम क्षेत्र के निवासियों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अस्पताल का उद्घाटन शीघ्र ही किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि यह आम जनता के लिए सुलभ हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि उद्घाटन के लिए आवश्यक सभी तैयारियों को तेजी से पूरा करने की योजनाएं बनाई जा रही हैं।

DAILY शुभ लाभ
Classifieds
FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, N PADMA VALLI is Daughter of Service No. 219102G Ex.MWO (HFL) Late Shri V RANGANAYAKULU NADIMPALLI, Resident of 16-11-511, D-57, 2nd Floor, Street No.3, Shalivahana Nagar, Dilsukhnagar, Hyderabad, Telangana-500036 have changed my name from N PADMA VALLI to PADMA VALLY NADIMPALLY and my Date of Birth is 04-10-1968 vide affidavit dt:13-03-2026 before 1 Spl Judicial Magistrate, Medchal Malkajgiri Dist at L.B.Nagar.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 14668469H, Rank: HAV, Name DEVIREDDY V RAMIREDDY, Unit: MCEME 'B' Coy, SECUNDERABAD S/o.RAMAREDDY, Residing at H.No. 5-3-134/1, EMPLOYEES COLONY, ROAD NO.1, VILL: YAPRAL, PO :J J NAGAR COLONY, TEH: Alwal, Dist : Medchal-Malkajgiri, State: TS - 500087, do hereby That, I have changed my Son's Name from DEVI REDDY. SREYAN REDDY to DEVIREDDY SREYAN REDDY, my Son's DOB is 04-12-2010

CHANGE OF NAME
I, Service No. JC-772875Y, Rank: SUB M (TECH) B VEH, Name: AJESH KUMAR PV, Unit: 33 CORPS ZONE WKSP C/o. 99 APO, S/o.N V NARAYANAN, Residing at VILL: PANAPUZHA, PO: MATHAMANGALAM, TEH KANNUR, Dist: KANNUR, State: KERALA, Pin: 670306, I have changed my Son's Name from MR. ANIRUDH K to ANIRUDH K, my Son's DOB is 07-10-2007

CHANGE OF NAME
I, Service No.6948658Y Nk RAMA RAJ A of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad, C/o.56 APO that my mother name is changed from A PUSHPAM to PUSHPAM.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-17028839A,Rank-HAV, Name-Vikas Kumar Residing at H.No-118, Katesra, Dist-Rohtak,PIN-124113, State-Haryana. I have changed my Father name from RAJBIR SINGH * to *RAJBIR and also Date of Birth changed from 09/11/1970 to 01/01/1976 Affidavit dated 17 Mar 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

चैत्र नवरात्रि एवं उगादी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

आज बुधवार, 18-3-2026
चैत्र अमावस्या है।

निवेदक : कार्य समिति

ॐ शिव मंदिर गौशाला
पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD,
Shamshergunj Branch
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFC0CMCUBL

शिव मंदिर गौशाला
शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD,
Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002

जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करे, उन्हे सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करे और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।

गोमाता को हरी घांस की सेवा कर पुण्य के भागी बने। गौसेवा हेतु सहयोग राशि स्कैन कर सकते हैं।

हमारे यहाँ शुद्ध एवं पवित्र गिर गाय का घी उपलब्ध है

9849379735, 9100353375

विशेष : राजस्थानी महिला संघ द्वारा भजन
अपराह्न 3 से 5 बजे तक

दिनांक 18 से 25 मई 2026
समय : दोपहर 1 से 4 बजे तक
कथा स्थल : ॐ शिव मंदिर गौशाला
पाल्माकुल, शमशाबाद

किराना एसोसिएशन एवं पुलिस विभाग के तत्वावधान में साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

सतर्क रहें-सुरक्षित रहें-जागरूक बनें का संदेश, व्यापारियों में जागरूकता का संकल्प

हैदराबाद, 17 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद पुलिस विभाग एवं दी हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आज बेगम बाजार स्थित एसोसिएशन भवन में साइबर क्राइम जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम में एडिशनल डीसीपी (साउथ वेस्ट जोन) कृष्णा गौड़ जी, एसीपी गोशामहल एस. सुदर्शन जी, सर्किल इंस्पेक्टर गोशामहल बी. श्रवण कुमार जी, सर्किल इंस्पेक्टर अफजलगंज एन. मोहन राव जी, सर्किल इंस्पेक्टर बेगम बाजार भरत रेड्डी जी तथा ट्रैफिक गोशामहल के सर्किल इंस्पेक्टर बी. राजू जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।संस्था की ओर से कार्यक्रम की अध्यक्षता उपाध्यक्ष महेश गुप्ता ने की। कार्यक्रम का संयोजन महामंत्री अविनाश देवड़ा ने किया तथा मंच संचालन कोषाध्यक्ष श्री कमल जैन ने किया।

साइबर वॉरियर टीम द्वारा व्यापारियों को दी गई सुरक्षा की जानकारी

इस अवसर पर साइबर वॉरियर सुश्री हरिका ने व्यापारियों एवं नागरिकों को साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे के प्रति जागरूक करते हुए उनसे बचाव के प्रभावी उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, ओटीपी धोखाधड़ी, फर्जी कॉल्स एवं डिजिटल पेमेंट से जुड़े जोखिमों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही, किसी भी प्रकार की साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल संबंधित हेल्पलाइन एवं पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी।कार्यक्रम के दौरान साइबर फ्रॉड हेल्पलाइन 1930 एवं संबंधित मोबाइल ऐप की जानकारी भी साइबर वॉरियर टीम द्वारा साझा की गई।

डिजिटल युग में सतर्कता ही सबसे बड़ी सुरक्षा: अविनाश देवड़ा

संस्था के मानद मंत्री अविनाश देवड़ा ने अपने संबोधन में कहा, ''आज के डिजिटल युग में जहां तकनीक ने हमारे जीवन को आसान बनाया है, वहीं साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में 'सतर्क रहें-सुरक्षित रहें-जागरूक बनें' केवल एक संदेश नहीं, बल्कि हम सभी के लिए आवश्यक जीवनशैली बन चुकी है।''उन्होंने आगे कहा, सतर्क रहना इसलिए जरूरी है क्योंकि छोटी-सी लापरवाही भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है। अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक, या किसी के कहने पर ओटीपी साझा करनाये सब हमें साइबर ठगी का शिकार बना सकते हैं। इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाना हमारी जिम्मेदारी है।सुरक्षित रहना तभी संभव है जब हम डिजिटल माध्यमों का उपयोग सावधानीपूर्वक करें। अपने बैंकिंग विवरण, पासवर्ड और व्यक्तिगत जानकारी को गोपनीय रखना ही हमारी सबसे बड़ी सुरक्षा है। जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। जितना अधिक हम जानकारी रखेंगे, उतना ही हम खुद को और अपने परिवार, समाज एवं व्यापार को सुरक्षित रख पाएंगे। आज का यह कार्यक्रम इसी जागरूकता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।उन्होंने सभी व्यापारियों एवं नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं भी जागरूक बनें और अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। आइए, हम सभी मिलकर एक सुरक्षित और जागरूक समाज के निर्माण का संकल्प लें।

पुलिस अधिकारियों की अपील: जागरूकता ही बचाव का सबसे प्रभावी साधन

कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी साधन है। उन्होंने सभी व्यापारियों से अपील की कि वे सतर्क रहें, अनजान लिंक एवं कॉल्स से सावधान रहें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को दें।संस्था एवं पुलिस विभाग ने आपसी सहयोग के माध्यम से भविष्य में भी जागरूकता एवं सुरक्षा को बढ़ावा देने हेतु मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। अवसर पर मार्केट की यातायात व्यवस्था को सुधारने के विषय पर भी चर्चा की गई।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे और इस पहल की सराहना की। सभी अतिथियों का स्वागत संस्था के परामर्शदाता लक्ष्मीनारायण राठी, रमेशजी सांकला (रामसा), राकेश अग्रवाल, हाजी इस्माइल, राजसिंह पंवार, कैलाश मंत्री, पुखराज भाटी, राधेश्याम भाटी, राकेश कच्छवाहा, दिलीप गहलोत, मनीष भाटी, गोपाल मूंदड़ा, अश्विन ठक्कर, दिलीप डागा, उमेश सोलंकी, बजरंग पंवार, अनिल सांकला, विकास देवड़ा, शरद अट्टल, अजय भाटी, सूरजमल काकाणी, नेमीचंद भाटी एवं अन्य गणमान्य व्यापारियों की उपस्थिति रही।

आज अमावस्या

गौदर्शन, गौसेवा एवं गौदान का विशेष महत्व
गौवंश को कत्लखाने जाने से छुडाकर आश्रय प्रदान किया जाता है
इमलीबन गौ सेवा सदन (गौशाला) में बीमार, वृद्ध, विकलांग तथा दुर्घटनाग्रस्त गौवंश को आश्रय दिया जाता है
हमारा उद्देश्य मात्र गौ रक्षा एवं गौ सेवा

भाग्यनगर गौ सेवा सदन (गौशाला)
Regd. No.5927/96
लोवर टैंक बण्ड, सिकन्दराबाद ✆ 65575872
अमावस पर सभी परिवार सहित गौसेवा हेतु गौशाला पधारे।
गौशाला प्रांगण में गणेशजी, महालक्ष्मीजी के मंदिर में दर्शन लाभ प्राप्त करें।

Account Name : Bhagyanagar Gau Sewa Sadan (Imliban)
A/c No. : 98380200002253 Bank of Baroda, Abids Branch, Hyderabad
IFSC Code : BARBOEXTCHT (After B it's Zero (0) in IFSC Code)

इमलीबन गौ सेवा सदन
महात्मा गाँधी बस स्टेशन, इमलीबन, हैदराबाद
भाग्यनगर गौ सेवा सदन, लोवर टैंक बण्ड में पिछले 14 वर्षों से लगातार प्रतिदिन अन्नदान सेवा की जा रही है।

आज
श्री कृष्ण गौ-सेवा ट्रस्ट (गौशाला)

चैत्र अमावस्या

काला हनुमान मंदिर, अनंतगिरि, एक्सप्रेस हाई-वे ब्रिज - पिल्लर नं. 161,
अत्तापुर, हैदराबाद. फोन : 9885441501, 9390013492

अब आप गोग्रास हेतु ऑनलाईन भी अपनी सेवा प्रदान कर सकते हैं।
Bank Details : SRI KRISHNA GAUSEVA TRUST | AP Mahesh Co-Op. Urban Bank Ltd.
Attapur Branch | A/c No. : 029001200000023 | IFSC : APMC0000029

1 गौ-माता हेतु वर्ष तक आपकी ओर से चारा व चिकित्सा के लिए ₹ 5,100/- दान करें।
You can also Google Pay PhonePe Paytm on 9676160498
नोट : गौशाला में अग्रिम सूचना देने पर गायों के लिए लापसी की व्यवस्था भी की जाती है।
घर पर गोपालन नहीं कर सकते तो अपने सामर्थ्यानुसार गौशालाओं में गौमाता के पौष्टिक आहार हेतु गोग्रास राशि समर्पित करें।
गौ-दर्शन एवं गौ-सेवा महातीर्थ के समान है। गौ-सेवा से रह एवं स्वास्थ्य दोष की पीड़ा दूर होती है।

सभी दानदाताओं का हार्दिक आभार !!
* शुभकामनाओं सहित * नवीन अग्रवाल
LUXXURO MODULAR FURNITURES
Gagan Pahad, Hyderabad. M: 9391043141

चैत्र नवरात्रि एवं उगादी की हार्दिक शुभकामनाएँ...
गावो विश्वस्थ मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता

श्री गोपाल गौशाला

संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम

आज बुधवार, 18 मार्च 2026 चैत्र अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था रखी गई है।

विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवे।

अन्य सेवा : एक कट्टा घास् का प्रति दिन एक माह तक	500/-
एक गाय की मासिक सेवा	1100/-
गूड – दलिया या चुन्निभूसा एक दिन की सेवा	3100/-
एक DCM गाडी घाँस या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था	11,000/-

Scan To Pay
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH,
S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

जय गो माता — जय भारत माता

विश्व मंगल गौशाला
सस्नेह आमंत्रण

आदरणीय महोदय,
आपको सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि विश्व मंगल गौशाला के तत्वावधान में

फाल्गुण / चैत्र अमावस्या

बुधवार, दि.18 मार्च 2026 प्रातः 11-00 बजे से 6-00 बजे तक
शुभ स्थान : विश्व मंगल गौशाला, सोमारम विलेज, मेडचल, हैदराबाद.
कार्यक्रम : गोमाता पूजा – भजन – भोजन प्रसादी

भोजन प्रसादी की व्यवस्था :
श्री रतनारामजी देवासी (गंडी मैसम्मा)
श्री तारारामजी सिरवी (गंडी मैसम्मा)
श्री धनराजजी S/o श्री थानारामजी सिरवी (गंडी मैसम्मा)
श्री सज्जनजी सिरवी (कानाजीगुड़ा)
श्री केसारामजी, राजश्री इलेक्ट्रिकल (गंडी मैसम्मा)

हरी घास की व्यवस्था के लाभार्थी :
श्री दिनेश कुमारजी सुथार
डी.के. इंटीरियर्स, बोइनपल्ली

कुट्टी की व्यवस्था के लाभार्थी :
श्री धनराजजी S/o श्री थानारामजी सिरवी
दुर्गा सेनिटेशन, शापुरनगर

भजन गायक :
श्री प्रहलाद सिंहजी लोकरला (राजस्थान)

अतः आप से निवेदन है कि अधिक संख्या में पधार कर गौ-सेवा कर पुण्य के भागी बने।
-: स्थान -
विश्व मंगल गौशाला
सोमारम विलेज, मेडचल, हैदराबाद.
सभी धर्म प्रेमी गौभक्त अपना सहयोग एवं दान निम्न लिखित बैंक खाते में जमा करावें या निम्न सूचित फोन नंबरों पर गूगल-पे कर सकते है।
GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
HDFC BANK, Kanajiguda Branch,
A/c No. 50200063938688 IFSC Code : HDFC0009429
संपर्क : 9346917593
Scan for Location

॥ श्री आई माताय नमः ॥ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ श्री खेतलाजी नमः ॥
श्री आई माता मंदिर (बडेर) जीडिमेटला हैदराबाद

चैत्र नवरात्रि महोत्सव
गुरुवार, 19 मार्च 2026 से शुक्रवार, 27 मार्च 2026 तक
-: कार्यक्रम :-
हवन : प्रतिदिन प्रातः 7-15 बजे से 10-31 बजे तक
पूर्णाहुती : शुक्रवार, 27 मार्च 2026 प्रातः 7-15 बजे से 10-31 बजे तक
AAI MAA ADS
हवन में बैठने हेतु सम्पर्क करें :
मांगीलाल काग 9676147019
लुंबाराम मुलेवा 9949811242
सोहनलाल परिहार 9490474726
निवेदन : समाज बन्धुओं से निवेदन है कि नवरात्रि महोत्सव में पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ में सपरिवार भाग लेकर माँ श्री आईजी के दर्शनकर पुण्य का लाभ लेवें एवं कार्यक्रम को सफल बनावें।
निवेदक : कार्यकारिणी समिति, सीरवी समाज, जीडिमेटला, हैदराबाद, तेलंगाना
अध्यक्ष : रावतराम बर्फा 9849829443 सचिव : प्रेम पंवार 9849486982

गौ माता, गौ माता की संतान की सेवा और पोषण क्षेत्र में कार्य कर रहा

Dhyan Foundation
Journey of Spirit
ध्यान फाउण्डेशन
आज अमावस्या
गौशाला
पेद्दाशापुर, गोलुर रोड
(स्टैच्यू ऑफ इक्वालिटी के समीप)
अवैध कत्लखानों से बचाए गए 3500 से अधिक गौवंश का घर
ध्यान फाउण्डेशन द्वारा पेद्दाशापुर, गोलुर रोड गौशाला तथा यादगिरीगुट्टुशा में सहयोग नन्दीशाला में गौवंश की सेवा की जा रही है।
गौवंश हेतु गौशाला में चारे के विकट समस्या के कारण सभी से अनुरोध है कि कृपया गौशाला में सहयोग करें।
प्रति एकादशी सायं 4:30 बजे से इच्छापूर्ति यज्ञ का आयोजन
सभी गौभक्त अपना सहयोग एवं दान निम्नलिखित बैंक खाते में जमा करा सकते हैं।
Account Name : DHYAN FOUNDATION (Hyderabad Chapter)
A/c No. : 00812020002930 HDFC Bank, Himayathnagar Branch
IFSC Code : HDFC0000081 - Call : 9848046793, 9959996677
Donations Exempted Under Section 80G of Income Tax Act.
CSR Regn. No. CSR00003498 FCRA SB A/c. 40016350620
IFSC Code : SBIN0000691 SWIFT : SBININBB104

॥ श्री गणेशाय नमः॥
बुधवार, दि. 18 मार्च 2026, चैत्र अमावस्या के अवसर पर पधारें

श्री आईजी गौशाला

बुधवार, दि. 18 मार्च 2026, चैत्र अमावस्या, मल्कारम, बालाजीनगर, (कापरा मंडल) (रजि.नं.720/2008)
के अवसर पर सपरिवार पधारकर गौसेवार्थ दान-पुण्य कर लाभ लेवें
एक दिन गौ माता के नाम जागरण साउंड व्यवस्था : राठौड़ साउंड एंड डिजिटल स्टूडियो
आई माताजी भजन मंडली वालाजीनगर द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएँगे।
सूचना : गौ सम्मान आह्वान अभियान कार्यक्रम गौशाला स्थल पर रहेगा।
प्रचारक : महात्मा प्रशांत दास, कमलेश आचार्य, जसमत पटेल
आज की महाप्रसादी लाभार्थी : मारवाड़ी मित्र मण्डल, चिल्कानगर
गौशाला के बैंक एकाउंट में भी दान राशी जमा कराकर पुण्य के भागीदार बने
(Sri Aaiji Gowshala, SBI A/c Cheeryal A/c no.: 62492036580, IFSC : SBIN0020435)
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : मंगलाराम पंवार 9246108583 सचिव : हुकमाराम सानपुरा 9441118022

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.